■ पश्चिम एशिया संकट से घबराए शेयर बाजार, तेज गिरावट जारी, 829 अंक लुढ़का सेंसेक्स - 10

■ निवेशक की मृत्यु के बाद वारिसों के लिए दावा प्रक्रिया सरल बनाएगा सेबी - 10

■ एलपीजी संकट : देश में 50 प्रतिशत से ज्यादा घटा स्विगी-जोमैटो का कारोबार - 11

■ दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना पसंद है : बुमराह - 12

आज का मौसम
33.0° अधिकतम तापमान
19.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06.25
सूर्यास्त 06.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com
2 राज्य | 6 संस्करण
■ लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर
■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

चैत्र कृष्ण पक्ष दशमी विक्रम संवत 2083

शुक्रवार, 13 मार्च 2026, वर्ष 36, अंक 35, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

इराक में अमेरिकी टैंकर को ईरान ने उड़ाया, मोजतबा बोले- खून का बदला लेकर रहेंगे

पिता अयातुल्ला खामेनेई की मौत के बाद सर्वोच्च पद संभाल रहे बेटे का पहला बयान आया सामने

- कहा- होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने का इस्तेमाल दबाव के लिए होना चाहिए
- इराक में अमेरिकी टैंकर पर हुए हमले में एक भारतीय की मौत

तेहरान, एजेंसी

ईरान के नवनियुक्त और तीसरे सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने कार्यभार संभालने के बाद राष्ट्र के नाम अपने प्रथम संदेश में कहा है कि इजराइल-अमेरिका हमले में मारे गये ईरानियों की मौत का बदला लिया जाएगा और ईरान पड़ोसी देशों में बने अमेरिकी ठिकानों पर हमले करना जारी रखेगा।

सर्वोच्च नेता ने अपने संदेश में संघर्ष के दौरान मारे गए लोगों का जिक्र करते हुए कहा, ईरान अपने शहीदों के खून का बदला लेने से पीछे नहीं हटेगा। इससे पूर्व बुधवार देर रात इराक के खोर अल जुबैर बंदरगाह के पास बुधवार को एक अमेरिकी तेल टैंकर पर बड़ा हमला हुआ। इस हमले में एक भारतीय नागरिक की जान चली गई है। ईरान की एक सुसाइड बोट ने इस टैंकर को निशाना बनाया। हमले के समय जहाज पर कुल 28 लोग मौजूद थे। मोजतबा खामेनेई ने मिनाब के बालिका विद्यालय पर हुए अमेरिकी मिसाइल हमले में जान गंवाने वाली 168 बालिकाओं का भी जिक्र किया। खामेनेई का संदेश लिखित था और इसे सरकारी टीवी पर महिला एंकर ने पढ़कर सुनाया।

ईरान के हमले के बाद आग का गोला बन गया अमेरिकी जहाज।

तेहरान के परमाणु केंद्र पर हमला

इजराइली सेना ने गुरुवार को दावा किया कि उसने कुछ दिन पहले ईरान की राजधानी तेहरान स्थित 'तालेघन' परमाणु केन्द्र पर बड़ा हमला किया है। इजराइल का कहना है कि ईरान इस केन्द्र का इस्तेमाल अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने और परमाणु हथियार विकसित करने के लिए कर रहा था। पिछले कुछ दिनों के भीतर तालेघन परिसर को निशाना बनाया गया है। आरोप है कि इस केंद्र का उपयोग में उन्नत विस्फोटकों को विकसित करने और अमाद प्रोजेक्ट से संबंधित प्रयोगों के लिए किया जा रहा था।

भारत समेत 130 देशों ने की निंदा

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उस प्रस्ताव को सह-प्रायोजित किया जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद के देशों एवं जॉर्डन के खिलाफ ईरान द्वारा किए गए भीषण हमलों की निंदा की गई है, सभी ईरानी हमलों को तत्काल रोके जाने की मांग की। अमेरिका की अध्यक्षता वाली 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने 13 मतों के साथ इस प्रस्ताव को पारित किया। इसके खिलाफ कोई मत नहीं पड़ा जबकि वीटो अधिकार वाले स्थायी सदस्यों चीन और रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया।

(विस्तृत देश-दुनिया पर)

पड़ोसियों से मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है ईरान : मोजतबा

मोजतबा ने कहा कि ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध चाहता है और उसका लक्ष्य केवल वे अमेरिकी सैन्य ठिकाने हैं, जहां से ईरान के खिलाफ हमले किये जा रहे हैं। संदेश में इस बात का कोई संकेत नहीं दिया गया कि नये सर्वोच्च नेता वर्तमान में कहां हैं, या उनकी स्वास्थ्य और शारीरिक स्थिति कैसी है। कुछ समाचारों में उन्हें घायल बताया गया था। खामेनेई का बयान ऐसे समय में आया है, जब इजराइल और अमेरिका का ईरान के साथ टकराव 13वें दिन में प्रवेश कर चुका है और इनके बीच तनाव चरम पर है।

होर्मुज से होकर एक तेल टैंकर मुंबई पहुंचा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत के लिए कच्चा तेल लेकर आ रहा एक विदेशी ध्वज वाला टैंकर होर्मुज जलडमरूमध्य को सकुशल पार कर मुंबई पहुंच गया है, जबकि एक अन्य बड़ा टैंकर भारतीय जलक्षेत्र में प्रवेश कर ओडिशा के पारादीप बंदरगाह की तरफ बढ़ रहा है। यह जानकारी जहाज निगरानी आंकड़ों और उद्योग सूत्रों से मिली है। क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के कारण जलडमरूमध्य से टैंकर की आवाजाही काफी हद तक प्रभावित हुई है।

ब्रीफ न्यूज

रुपया 24 पैसे टूटकर 92.25 प्रति डॉलर के सर्वकालिक नीचे आया

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में गुरुवार को रुपया 24 पैसे लुढ़ककर 92.25 प्रति डॉलर के अपने अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में जबर्दस्त तेजी तथा विदेशी पूंजी की भारी निकासी के कारण रुपये में यह तेज गिरावट आई। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच घरेलू शेयर बाजारों में भारी बिकवाली और डॉलर के मजबूत होने से भारतीय मुद्रा पर असर पड़ा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.25 प्रति डॉलर पर खुला।

रामलला के दर्शन का समय एक घंटे बढ़ाया

अयोध्या। रामनवमी मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन व राम जन्मभूमि प्रशासन ने रामलला के दर्शन-पूजन का समय एक घंटे बढ़ा दिया है। राममंदिर ट्रस्ट के धार्मिक समिति के सदस्य गोपाल जी राव ने बताया कि 19 मार्च से प्रारंभ हो रहे रामनवमी मेले में भक्त सुबह 6 बजे से रामलला के दर्शन कर सकेंगे। यह व्यवस्था 27 मार्च तक लागू रहेगी। कहा कि अभी पहली पाली में सुबह 7 बजे से 12 की जगह 6 बजे से 12 बजे तक का समय किया गया है। दूसरी पाली में दोपहर 1 बजे से रात 9 तक ही दर्शन चलेंगे। राम नवमी के दिन भीड़ को देखते हुए देर शाम के अवधि पर निर्णय लिया जाएगा।

एलपीजी कालाबाजारी और जमाखोरी पर तत्काल दर्ज हो एफआईआर : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक में दिए सख्त निर्देश, कहा-पेट्रोल और डीजल की कमी नहीं
- हर जिले की 24 घंटे मॉनिटरिंग जरूरत पर 80 लाख लीटर केरोसिन का विकल्प उपलब्ध

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी ने गुरुवार को तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक में कालाबाजारी और जमाखोरी पर तत्काल एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए। साथ ही खाद्य एवं रसद विभाग को कंट्रोल रूम स्थापित कर हर जिले की 24×7 निगरानी करने, एलपीजी केंद्रों पर जरूरत पड़ने पर पुलिस तैनात करने और छात्रावासों, अस्पतालों व होटलों को वैकल्पिक ईंधन के उपयोग के लिए प्रेरित करने को कहा है।

जरूरत पड़ने पर प्रदेश को आवंटित 80 लाख लीटर केरोसिन का भी वितरण विकल्प के रूप में किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने रसोई गैस की कथित कमी को लेकर फैल रही अफवाहों के बीच गुरुवार को शासन के वरिष्ठ अधिकारियों और तेल कंपनियों के उच्च अधिकारियों प्रदेश में एलपीजी की मांग और आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट किया है कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कमी नहीं है। अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी स्तर पर घबराहट की स्थिति न बनने दी जाए और आमजन को तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराई जाए। जमाखोरी पाए जाने पर तत्काल एफआईआर दर्ज कर सख्त कार्रवाई की जाए। एहतियात के तौर पर प्रदेश को 80 लाख लीटर केरोसिन भी आवंटित किया गया है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर विकल्प के रूप में वितरित किया जा सकेगा।

वैकल्पिक ईंधन के लिए तैयार करें छात्रावास, अस्पताल व प्रतिष्ठान : मुख्यमंत्री ने छात्रावासों, अस्पतालों, धर्मशालाओं, होटलों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों से संवाद स्थापित कर उन्हें वैकल्पिक ईंधन के उपयोग के लिए भी प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य एवं रसद विभाग में कंट्रोल रूम स्थापित कर हर जिले की 24×7 निगरानी करने के निर्देश दिए हैं।

तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ उच्चस्तरीय बैठक को संबोधित करते मुख्यमंत्री योगी।

गांवों में सिलेंडर की बुकिंग 45 दिन के अंतराल पर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने परिस्थितियों को देखते हुए सिलेंडर और पाइप से आपूर्ति की जाने वाली रसोई गैस पर दबाव कम करने के लिए होटलों और रेस्तरां में केरोसिन और कोयले के ईंधन के रूप में इस्तेमाल की अनुमति देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार ने गुरुवार को एक अन्य महत्वपूर्ण निर्णय में कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में रसोई गैस सिलेंडर की बुकिंग 45 दिन के अंतराल पर ही की जा सकेगी। इससे पहले शहरी क्षेत्रों के लिए यह अवधि 25 दिन कर दी गयी थी। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि रसोई गैस के अलावा अन्य ईंधनों को भी उपभोक्ताओं के लिए उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि एलपीजी और गैस पर दबाव कम किया जा सके। उन्होंने कहा, आज एक आदेश जारी किया गया है जिसके तहत अतिरिक्त 48,000 किलोलीटर केरोसिन राज्यों को दिया जाएगा। यहां भी लाभार्थियों की पहचान और वितरण में राज्य सरकारों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति से की बात, प. एशिया के हालात पर जताई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी

- संकट को समाप्त करने के लिए संवाद व कूटनीति का आग्रह किया

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार देर रात रात ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से फोन पर बात की और पश्चिम एशिया में गंभीर स्थिति पर चर्चा की। मोदी ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव और आम लोगों की जान जाने के साथ-साथ असैन्य बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री ने ईरान के राष्ट्रपति को बताया कि भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ सामान और ईंधन के निर्बाध परिवहन की आवश्यकता भारत की सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, क्षेत्र में गंभीर स्थिति पर चर्चा के लिए मैंने ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से बातचीत की। मैंने तनाव बढ़ने, नागरिकों की जान जाने और असैन्य बुनियादी ढांचे को हुए नुकसान पर गहरी चिंता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने शांति और स्थिरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया और संकट को समाप्त करने के लिए संवाद और कूटनीति का आग्रह किया। पिछले महीने अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए समन्वित हमले के बाद प्रधानमंत्री ने पिछले 10 दिनों में कई पश्चिम एशियाई देशों के नेताओं से बात की है। अमेरिका और इजराइल के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई मारे गए। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया, जिनमें दुबई और दोहा जैसे वैश्विक व्यापार और विमानन केंद्र भी शामिल हैं।

खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीयों की सुरक्षा पर चिंता जताई

प्रधानमंत्री ने खाड़ी देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के कल्याण और सुरक्षा पर भी चर्चा की। खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में लगभग एक करोड़ भारतीय रहते हैं। इनमें से लगभग 10,000 भारतीय नागरिक ईरान में रहते हैं, जबकि 40,000 से अधिक इज़राइल में रहते हैं।

बदायूं के एचपीसीएल प्लांट में दो अफसरों की गोली मारकर हत्या

आरोपी गिरफ्तार, आउटसोर्सिंग भर्ती को लेकर कई दिनों से प्लांट पर चल रहा था विवाद

संवाददाता, दातागंज/बदायूं

अमृत विचार : बदायूं के मूसाझाग थाना क्षेत्र में स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) प्लांट के पूर्व कर्मचारी ने कार्यालय के भीतर घुसकर प्रबंधक और उप प्रबंधक की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी। हमले के समय दोनों अधिकारी बैठक कर रहे थे।

पुलिस ने हमले के आरोपी अजय प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। एडीजी और डीआईजी ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। एसएसपी ने मामले में इंस्पेक्टर मूसाझाग और हल्का इंचार्ज को सस्पेंड कर दिया है मामले की जांच सीओ को सौंपी है। बदायूं में दातागंज तहसील क्षेत्र के डहरपुर कलां- म्याऊं मार्ग पर स्थित गांव सैंजनी में एचपीसीएल का कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट है, जहां पराली से हर दिन 14 मीट्रिक टन ईंधन का उत्पादन होता है। नोएडा सेक्टर 50 के सिल्वर एस्टेट अपार्टमेंट के ब्लॉक दो निवासी सुधीर गुप्ता (57) पुत्र दया किशन प्लांट पर प्रबंधक और जिला पीलीभीत के थाना पूरनपुर के वार्ड तीन के मोहल्ला साहूकारा निवासी हर्षित मिश्रा (32) पुत्र सुशील कुमार प्लांट पर उप प्रबंधक पद पर तैनात थे। आउटसोर्सिंग भर्ती को लेकर उनका कुछ दिनों से गांव सैंजनी निवासी अजय प्रताप सिंह से कुछ महीनों से विवाद चल रहा था। गड़बड़ियों पर उसे प्लांट से बाहर कर दिया गया था। जिससे वह रंजिश मान बैठा था। उसके खिलाफ प्रबंधन ने रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। बौखलाकर वह गुरुवार दोपहर लगभग दो बजे प्लांट के भीतर पहुंचा और कार्यालय में बैठक कर रहे दोनों अधिकारियों को गोली मार दी। हमले में दोनों सुधीर गुप्ता और हर्षित मिश्रा गंभीर रूप से घायल हो गए। वहां मौजूद कर्मचारी घायल अफसरों को तुरंत सीएचसी दातागंज ले गए, लेकिन उनकी पहले ही मौत हो चुकी थी। दोहरे हत्याकांड से प्लांट पर अफरातफरी के हालात बन गए। सूचना पर एडीजी जोन बरेली रमित शर्मा, डीआईजी बरेली अजय साहनी, एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह मौके पर पहुंच गए और घटना के सम्बंध में जानकारी जुटाई। पुलिस ने कुछ ही देर बाद आरोपी अजय प्रताप को गिरफ्तार भी कर लिया। उससे पूछताछ जारी है।

सुधीर गुप्ता (फाइल)

हर्षित मिश्रा (फाइल)

> गुरुवार दोपहर प्लांट के अधिकारी बैठक कर रहे थे। प्लांट से निकाला गया पूर्व कर्मचारी वहां पहुंचा और दोनों अधिकारियों को गोली मार दी। घायल अधिकारियों को सीएचसी ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोपी को गिरफ्तार करके आगे की कार्रवाई की जा रही है। - डॉ. बृजेश कुमार सिंह, एसएसपी।

धमकियों से परेशान थे प्लांट के अधिकारी

बदायूं में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए सुदूर दातागंज क्षेत्र में 27 जनवरी 2024 को दो साल पहले एचपीसीएल का बायोमास आधारित प्लांट स्थापित हुआ था। सीएम योगी ने प्लांट का उद्घाटन किया था। कई वजहों से प्लांट शुरू से ही कई मुश्किलों का सामना कर रहा है। क्षेत्र के रहने वाले कुछ प्रभावशाली लोग प्लांट के अधिकारियों पर निजी लाभ के लिए दबाव बनाते थे। इससे अधिकारी परेशान थे। कई बार इसकी शिकायत पुलिस से की जा चुकी थी।

अभिभावक बना सकेंगे 13 साल से छोटे बच्चों का व्हाट्सएप खाता

- अभिभावकों की निगरानी में इस मंच का इस्तेमाल करने की होगी अनुमति

नई दिल्ली। मेटा के स्वामित्व वाले संदेश मंच व्हाट्सएप ने 13 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए अभिभावक नियंत्रित खाते शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत अभिभावकों की कड़ी निगरानी में छोटे बच्चों को इस मंच का इस्तेमाल करने की अनुमति दी जाएगी।

यह कदम संदेश मंच की नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है, क्योंकि अब तक इस मंच के उपयोग के लिए न्यूनतम आयु सीमा 13 वर्ष (कुछ क्षेत्रों में इससे अधिक) रखी गई थी। व्हाट्सएप ने ब्लॉग में कहा, परिवारों व विशेषज्ञों से मिले सुझावों के आधार पर अभिभावक-नियंत्रित खातों की नई व्यवस्था शुरू की जा रही है।

सीईसी को हटाने के लिए 200 सांसदों ने किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली, एजेंसी

- लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों ने किए हस्ताक्षर, आज संसद में पेश किया जा सकता है प्रस्ताव

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के प्रस्ताव के लिए 200 से अधिक सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्र के अनुसार, लोकसभा के 130 सांसदों ने और राज्यसभा के 63 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। नोटिस शुक्रवार को संसद के सदन में पेश किए जाने की संभावना है।

विपक्ष के एक नेता ने बताया कि सांसदों ने नोटिस को लेकर उत्साह दिखाया और आवश्यक संख्या पूरी हो जाने के बाद भी गुरुवार को कई सांसदों हस्ताक्षर किए। नियमों के अनुसार, सीईसी को हटाने के लिए नोटिस पर लोकसभा के 100 और राज्यसभा के 50 सांसदों के हस्ताक्षर आवश्यक होते हैं। एक अन्य सूत्र के अनुसार, नोटिस पर विपक्षी गठबंधन इंडिया के सभी दलों के सांसदों ने हस्ताक्षर किए हैं। आम आदमी पार्टी के सांसदों ने भी नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं, हालांकि पार्टी अब आधिकारिक रूप से इस गठबंधन का हिस्सा नहीं है। यह पहली बार है जब मुख्य निर्वाचन आयुक्त को हटाने के लिए इस तरह का नोटिस दिया गया है। एक उच्च पदस्थ सूत्र के अनुसार, नोटिस में मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ सात आरोप लगाए गए हैं, जिनमें पद पर रहते हुए पक्षपातपूर्ण और भेदभावपूर्ण आचरण, चुनावी धोखाधड़ी की जांच में जानबूझकर बाधा डालना और बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करना जैसे आरोप शामिल हैं।

शीर्ष टिप्पणी — देहरादून में निर्माणाधीन 'सैन्य धाम' के खिलाफ याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

जो लोग कर्तव्य निभाते शहीद हुए हैं, उनका सम्मान करना चाहिए

- कोर्ट ने कहा- हाईकोर्ट को इस याचिका को जुर्माने के साथ खारिज करना चाहिए था, हम कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष न्यायालय ने देहरादून में निर्माणाधीन युद्ध स्मारक के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि जो लोग कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए हैं, उनका सम्मान करना चाहिए।

सीजेआई सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची व न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील से पूछा, क्या आपको एक युद्ध स्मारक के निर्माण से समस्या है? सर्वोच्च न्यायालय उत्तराखंड हाईकोर्ट के जनवरी के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

हाईकोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें आरोप लगाया गया था कि देहरादून जिले में बनाए जाने वाले युद्ध स्मारक सैन्य धाम के लिए जो भूमि तय की गई है, वह वन भूमि है और इसलिए वहां निर्माण की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। सीजेआई ने कहा, जिन्होंने देश के लिए जान कुर्बान कर दी, उनके प्रति कम से कम कुछ सम्मान तो होना चाहिए। हाईकोर्ट को इस याचिका को जुर्माने के साथ खारिज करना चाहिए था। कहा कि हम उसे (याचिकाकर्ता को) कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उसे आकर बताना होगा और हम यह जांच करेंगे कि वह किसके कहने पर यह याचिका दायर कर रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने दावा किया कि युद्ध स्मारक का निर्माण भी वहां ठीक तरीके से नहीं किया जा रहा है। इस पर पीठ ने टिप्पणी की, ये सब शरारतपूर्ण तरीके से दायर की गई रिट याचिकाएं हैं, और वकील से पूछा कि याचिकाकर्ता पर कितना जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट ने कहा था- याचिकाकर्ता का आधार कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है

उत्तराखंड हाईकोर्ट में याचिकाकर्ता ने दावा किया था कि राज्य सरकार भूमि की वास्तविक प्रकृति का पता लगाए बिना देहरादून में युद्ध स्मारक का निर्माण कर रही है। राज्य की ओर से पेश वकील ने संयुक्त सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए हाईकोर्ट को बताया था कि राजस्व एवं वन विभाग दोनों अधिकारियों द्वारा संयुक्त सर्वेक्षण किया गया था। अधिवक्ता ने कहा कि संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि संबंधित भूमि वन भूमि का हिस्सा नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि युद्ध स्मारक के निर्माण के लिए भूमि आवंटन पर वन विभाग को कोई आपत्ति नहीं है। राज्य के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि युद्ध स्मारक का निर्माण वर्ष 2021 में शुरू हुआ था और अब लगभग पूरा हो चुका है। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि चूंकि वन विभाग ने भूमि का निरीक्षण कर प्रमाणित कर दिया है कि यह वन भूमि का हिस्सा नहीं है इसलिए युद्ध स्मारक के निर्माण को चुनौती देने का याचिकाकर्ता का आधार कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है।

शंकराचार्य के साक्षात दर्शन सौभाग्य : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद से मिले सपा प्रमुख

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को राजधानी लखनऊ में ज्योतिर्मठ बद्रिकाश्रम के शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद प्राप्त किया। करीब एक घंटे की मुलाकात के बाद सपा प्रमुख ने कहा कि वे शंकराचार्य से कुछ सीखने और कुछ जानकारी लेने गए थे। उन्होंने कहा कि जिनके ध्यान मात्र से आशीर्वाद मिलता है, उनके साक्षात दर्शन पाना सौभाग्य है। सच्चे संत का सम्मान ही सनातन का सम्मान है।

सपा प्रमुख ने कहा कि सपा सरकार के दौरान हम लोगों ने गाय की सेवा को लेकर कई फैसले लिए थे। गाय की सेवा के लिए आगे भी जो कुछ कर सकते हैं, वह करेंगे। उन्होंने कहा कि इन दिनों जिलों-जिलों में बैठक हो रही हैं, जिसमें विधायकों का टिकट काटने की रणनीति बन रही है। अगर इन बैठकों में जिलाधिकारी शामिल हो रहे हैं तो इसका मतलब है कि जिलाधिकारी के ऊपर भाजपा का जिलाध्यक्ष बैठेगा। जिलाधिकारी को अपनी नेमप्लेट हटानी होगी और अपने आप को एसएसएस का प्रभारी बनाना पड़ेगा।

लखनऊ में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात कर आशीर्वाद लेते सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

एसआई भर्ती परीक्षा कल से, डीजीपी रखेंगे नजर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● प्रदेश भर में 14 और 15 मार्च को परीक्षा का आयोजन

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजत सब इंसपेक्टर (एसआई) परीक्षा 14 और 15 मार्च को प्रदेश के सभी 75 जिलों में आयोजित की जाएंगी। परीक्षा के दौरान जहां कंट्रोल रूम के जरिए डीजीपी राजीव कृष्ण सीधे नजर रखेंगे, वहीं स्थानीय प्रशासन के साथ ही एसटीएफ भी केंद्रों पर कड़ी चौकसी रखेगी।

पुलिस भर्ती बोर्ड के प्रवक्ता के मुताबिक, परीक्षा को शांतिपूर्ण और नकल विहीन कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पहली पाली सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर तीन बजे से शाम पांच बजे तक होगी। अभ्यर्थियों को परीक्षा शुरू होने से कम से कम दो घंटे पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि समय पर आवश्यक जांच और प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जा सके।

एसआई के 4,543 पदों के लिए लगभग 15.75 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। परीक्षा के दौरान प्रत्येक केंद्र पर सेक्टर मजिस्ट्रेट और स्टैटिक मजिस्ट्रेट की तैनात रहेंगे, जिससे परीक्षा पूरी तरह पारदर्शी तरीके से कराई जा सके। परीक्षा केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जाएगी और मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा कक्ष में ले जाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। उधर डीजीपी के प्रवक्ता ने बताया कि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी होने पर संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अभ्यर्थियों के लिए बसों की व्यवस्था की जाए : एमडी

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के प्रबंध प्रभु एन सिंह ने सभी क्षेत्रीय प्रबंधकों को 14 एवं 15 मार्च को आयोजित होने वाली उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा के लिए तत्काल व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद करने के निर्देश दिए हैं। एमडी ने विभिन्न जनपदों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आवागमन को देखते हुए परिवहन निगम बसों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। यही नहीं बस, बस स्टेशनों पर साफ सफाई एवं पेयजल की व्यवस्था भी करने के भी निर्देश निगम प्रबंधन को दिए गए हैं। बसों के संचालन की मानीटरिंग के लिए प्रमुख बस अड्डों पर विशेष निगरानी व्यवस्था के लिए 7 नियंत्रण कक्षों को सक्रिय किया जाए। एमडी ने बताया कि लगभग 88000 परीक्षार्थी प्रदेश के 17 जनपदों से 14 एवं 15 मार्च को लखनऊ के विभिन्न परीक्षा केन्द्रों तक आयेंगे। ऐसे में प्रमुख बस अड्डों, रेलवे स्टेशनों तथा परीक्षा केंद्रों से जुड़े प्रमुख मार्गों पर पर्याप्त संख्या में बसों का संचालन सुनिश्चित किया जाए।

न्यूज ब्रीफ

यूपी के 2.15 करोड़ किसानों को आज मिलेगी सम्मान निधि

अमृत विचार, लखनऊ : 13 मार्च शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी असम से ''प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि'' योजना की 22वीं किस्त जारी करेंगे। इस किस्त के तहत उत्तर प्रदेश के 2.15 करोड़ से अधिक किसानों को सीधे उनके बैंक खातों में लाभ मिलेगा। इस बार प्रदेश के किसानों के खातों में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 4335.11 करोड़ रुपये भेजे जाएंगे। योजना के तहत पात्र किसान परिवार को सालाना 6000 रुपये की आर्थिक सहायता तीन किस्तों में दी जाती है। अब तक पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत 21वीं किस्त तक उत्तर प्रदेश के किसानों के खातों में कुल 94,668.58 करोड़ रुपये भेजे जा चुके हैं।

हादसे को लेकर परिवहन निगम के चार अधिकारी निलंबित

अमृत विचार, लखनऊ : आगरा में स्कूली बस दुर्घटना में एक छात्रा की मौत के मामले में परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चार यात्री-मालकर अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। साथ ही मामले की जांच के लिए उप परिवहन आयुक्त (यात्रीकर) संजय सिंह को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है, जिन्हें एक माह के भीतर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। परिवहन आयुक्त किंजल सिंह द्वारा परिवहन मंत्री के निर्देश पर कार्रवाई की गयी है। निलंबित किए गए अधिकारियों में नीलम, अमित वर्मा, शारदा मिश्रा और शिव कुमार मिश्रा शामिल हैं। इसके अलावा सहायक संभागीय प्रवर्तन अधिकारी, आगरा को भी निलंबित करने की संस्तुति शासन को भेजी गई है। निलंबन अवधि के दौरान सभी अधिकारी परिवहन आयुक्त कार्यालय से संबद्ध रहेंगे।

महिला सशक्तिकरण को हर मंगलवार मनाया जा रहा प्रेरणा दिवस

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की पहल पर ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत हर मंगलवार को विकासखंड स्तर पर 'प्रेरणा दिवस' आयोजित किया जा रहा है। इससे स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की समस्याओं का समाधान और उनकी आय बढ़ाने के प्रयासों को गति मिल रही है। मिशन निदेशक दीपा रंजन ने बताया कि महीने के पहले मंगलवार को समूह सखी, दूसरे मंगलवार को बैंक सखी, एफएलसीआरपी और विद्युत सखी, तीसरे मंगलवार को आजीविका सखी व उद्योग सखी तथा चौथे मंगलवार को खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़े संसाधन व्यक्तियों की समीक्षा बैठक प्रेरणा दिवस के रूप में आयोजित की जाती है।

पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की आपूर्ति पर प्रदेश सरकार सतर्क

कालाबाजारी और अफवाह रोकने को मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: इजराइल और ईरान में जारी युद्ध की परिस्थितियों को देखते हुए केंद्र सरकार के बाद प्रदेश सरकार ने भी पेट्रोलियम पदार्थों की कालाबाजारी और अफवाहों को रोकने के लिए सतर्कता बरतने के निर्देश जारी कर दिए हैं। राज्य सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश में पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर प्रदेश में किसी प्रकार की कमी नहीं है। एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति में घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जाएगी और रिफिल डिलीवरी के लिए ओटीपी आधारित पारदर्शी व्यवस्था लागू की गई है।

मुख्य सचिव एसपी गोयल

मुख्य सचिव एसपी गोयल ने गुरुवार को बताया कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सभी जिलाधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। इसके तहत जिलों में गैस वितरण से संबंधित सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए कंट्रोल रूम स्थापित करने और किसी भी कानून व्यवस्था की स्थिति की जानकारी तुरंत होम कंट्रोल को देने का निर्देश भी शामिल है।

मुख्य सचिव ने कहा कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के साथ पेट्रोलियम पदार्थों की उपलब्धता पर हुई बैठक के बाद जिलों को विस्तृत दिशा-निर्देश दिए गए हैं। इसमें सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर फैलने वाली अफवाहों पर कड़ी नजर रखने, गैस सिलेंडर की कालाबाजारी या अवैध बिक्री रोकने, और वितरण के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश शामिल हैं।

सिलेंडर आपूर्ति करने वाले वाहनों की होगी सुरक्षा

अमृत विचार : एलपीजी सिलेंडर लेकर जाने वाले वाहनों को पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराई जाएगी। राजस्व, खाद्य एवं रसद विभाग और तेल कंपनियों के अधिकारियों के साथ प्रशासन और पुलिस को संयुक्त रूप से निगरानी करने के भी निर्देश दिए गए हैं, ताकि वितरण में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

इजराइल में यूपी के 6004 श्रमिक सुरक्षित, की जा रही निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● इजराइल में भारतीय दूतावास से निरंतर संपर्क में राज्य सरकार

अमृत विचार : राज्य सरकार ने कहा है कि इजराइल में कार्यरत प्रदेश के निर्माण श्रमिकों की कुशलक्षेम पर लगातार नजर रखी जा रही है और वर्तमान में किसी प्रकार की चिंता की स्थिति नहीं है।

प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शनुगा सुन्दरम् ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कुल 6004 निर्माण श्रमिक इजराइल में विभिन्न निर्माण कंपनियों में कार्यरत हैं। इन श्रमिकों का चयन राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और इजराइल की सरकारी संस्था पीबा (पापुलेशन, इमीग्रेशन एंड बार्डर अथारिटी) के माध्यम से किया गया था और वर्ष 2024 के दौरान उन्हें इजराइल भेजा गया था।

उन्होंने बताया कि ये सभी श्रमिक इजराइल की अलग-अलग निर्माण परियोजनाओं में नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार उनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी बनाए हुए है और इस संबंध में भारत सरकार तथा भारतीय दूतावास से निरंतर संपर्क रखा जा रहा है।

इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने भी राज्य सरकार को अवगत कराया है कि स्थिति नियंत्रण में है और दूतावास लगातार श्रमिकों के संपर्क में है। फिलहाल किसी श्रमिक ने भारत लौटने को लेकर चिंता व्यक्त नहीं की है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए 24 घंटे की हेल्पलाइन और ईमेल सुविधा भी जारी की है, जिसके माध्यम से भारतीय नागरिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

डेटा सेंटर पार्कों को 24 घंटे बिजली देने की व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● ड्यूल ग्रिड पावर सप्लाई से हुई निर्बाध संचालन की व्यवस्था

● ओपन एक्सेस से कंपनियों को सस्ती बिजली खरीदने की सुविधा

अमृत विचार: प्रदेश को देश का प्रमुख डेटा सेंटर हब बनाने के लिए योगी सरकार निर्बाध बिजली आपूर्ति और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर पर विशेष जोर दे रही है। उत्तर प्रदेश डेटा सेंटर पॉलिसी 2021 के तहत डेटा सेंटर पार्कों को 24 घंटे बिजली उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है, ताकि टेक कंपनियों के लिए स्थिर और भरोसेमंद वातावरण तैयार किया जा सके।

सरकार ने डेटा सेंटर उद्योग की सबसे बड़ी जरूरत को ध्यान में रखते हुए ड्यूल ग्रिड पावर सप्लाई का प्रावधान किया है। इसके तहत डेटा सेंटर पार्कों को दो अलग-अलग बिजली स्रोतों से आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। यदि किसी एक ग्रिड में तकनीकी समस्या आती है तो दूसरे स्रोत से बिजली मिलती रहेगी और डेटा सेंटर का संचालन प्रभावित नहीं होगा।

इसके अलावा डेटा सेंटर परियोजनाओं के लिए समर्पित बिजली फीडर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे लगातार बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। विशेषज्ञों का मानना है कि डेटा सेंटर उद्योग के लिए बिजली की निरंतर उपलब्धता सबसे महत्वपूर्ण शर्त होती है और इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने यह व्यवस्था लागू की है। ऊर्जा लागत कम करने के लिए सरकार ने ओपन एक्सेस के माध्यम से बिजली खरीदने की सुविधा भी दी है। इसके तहत डेटा सेंटर कंपनियां खुले बाजार से प्रतिस्पर्धी दरों पर बिजली खरीद सकती हैं।

ओपन गवर्नमेंट डाटा के लिए पीएमयू गठन को 1.80 करोड़ मंजूर

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार ने ओपन गवर्नमेंट डाटा (ओजीडी) प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) के गठन के लिए 1.80 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इस संबंध में आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग द्वारा शासनादेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-007 (उद्योग) के अंतर्गत 1 करोड़ 80 लाख रुपये की धनराशि जारी की गई है।

गायक बादशाह के कार्यक्रमों पर लगे रोक : अपर्णा यादव

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● महिला आयोग ने मुख्यमंत्री योगी को पत्र लिख कर की मांग

अमृत विचार : हरियाणा के गायक बादशाह के एक विवादित गीत को लेकर उप्र. राज्य महिला आयोग ने सख्त रुख अपनाया है। आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर राज्य में गायक के कार्यक्रमों को अनुमति न देने का अनुरोध किया है।

भेजे गए पत्र में कहा गया है कि बादशाह की एल्बम "टटीरी" में महिलाओं के प्रति अभद्र भाषा और आपत्तिजनक दृश्य प्रस्तुत किए गए हैं। आरोप है कि गीत में स्कूल यूनिफॉर्म पहने छात्राओं को अनुचित तरीके से दिखाया गया है और विद्यालय जैसे पवित्र स्थान के लिए भी अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया गया है। आयोग के अनुसार, यह न केवल महिलाओं की गरिमा बल्कि शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक मूल्यों का भी अपमान है। महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने पत्र में लिखा है कि इस प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री प्रस्तुत करने वाले कलाकार के कार्यक्रम आयोजित होने से समाज में गलत संदेश जा सकता है और सांस्कृतिक मर्यादाओं को ठेस पहुंच सकती है।

इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता शुरू

अमृत विचार, लखनऊ : ताजनगरी आगरा में 'इंडिया स्किल्स 2025-26' नॉर्थ रीजनल प्रतियोगिता की शुरुआत हो गई है। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में उत्तर भारत के पांच राज्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों के 360 से अधिक प्रतिभागी 41 विभिन्न ट्रेडों में अपनी प्रतिभा और तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन कर रहे हैं। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि 'इंडिया स्किल्स' जैसी प्रतियोगिताएं युवाओं को राष्ट्रीय और वैश्विक मंच तक पहुंचने का अवसर देती हैं। प्रतियोगिता का समापन 14 मार्च को होगा, जिसमें विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

राहुल गांधी आज दलितों को साधने आएंगे लखनऊ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● कांशीराम जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश भर के कार्यकर्ता होंगे शामिल

अमृत विचार: विधान चुनावों की आहट के बीच कांग्रेस ने दलितों को साधने की कवायद शुरू कर दी है। इसके तहत शुक्रवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बसपा संस्थापक कांशीराम की जयंती के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर दलितों को पाले करने की कवायद करेंगे।

बसपा के संस्थापक कांशीराम की जयंती 15 मार्च को है। लेकिन कांग्रेस ने बाजी मारते हुए उनकी जयंती को 13 मार्च, शुक्रवार को मनाने का ऐलान कर दिया है। इस कार्यक्रम को कांग्रेस सामाजिक परिवर्तन दिवस के रूप में मना रही है। आयोजन प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया जाएगा। कांग्रेस के प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने बताया कि राहुल गांधी शुक्रवार को दोपहर दो बजे विमान से लखनऊ पहुंचेंगे। कार्यक्रम में प्रदेश भर के करीब 15 हजार कार्यकर्ताओं के शामिल होने की उम्मीद है।

राजस्व बढ़ाने को स्टाम्प निबंधन विभाग का विशेष अभियान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में राजस्व संग्रह को मजबूत करने और संपत्ति लेनदेन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए स्टाम्प एवं निबंधन विभाग के माध्यम से विशेष अभियान शुरू किया है। मुख्यमंत्री योगी के निर्देश पर विभाग अपंजीकृत संपत्तियों के पंजीकरण, लंबित स्टाम्प वादों के निस्तारण और विभिन्न संस्थाओं से देय स्टाम्प शुल्क की वसूली पर फोकस कर रहा है। अभियान के तहत प्रदेश के विकास प्राधिकरणों, आवास विकास परिषद, यूपीएसआईडीसी और अन्य संस्थाओं की अपंजीकृत संपत्तियों का पंजीकरण कराया जा रहा है। साथ ही यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि निर्धारित स्टाम्प शुल्क का भुगतान समय पर हो।

सीएसएसआर में एसडीआरएफ को दूसरा स्थान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: आपदा के समय मलबे में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने (सीएसएसआर) की प्रतियोगिता में प्रदेश की एसडीआरएफ ने देश भर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। इस दौरान दिल्ली पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय गृह सचिव गोविन्द मोहन ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) के सेनानायक अमित कुमार एवं उनकी टीम को पुरस्कार प्रदान किया गया।

राज्य पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि भूकंप, भवन ढहने अथवा अन्य आपदाओं की स्थिति में मलबे में फंसे लोगों को खोजने और सुरक्षित बाहर निकालने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता दिल्ली में आयोजित की गई। प्रतियोगिता में यूपी समेत देश भर के सभी एसडीआरएफ की टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में यूपी की एसडीआरएफ ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुये द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इस उपलब्धि पर डीजीपी राजीव कृष्ण ने एसडीआरएफ का नेतृत्व करने वाले एडीजी रामकृष्ण स्वर्णकार और जवानों की कार्यकुशलता की सराहना की।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन से प्रमाण पत्र ग्रहण करते एसडीआरएफ के सेनानायक अमित कुमार व बल के जवान। अमृत विचार

'इंडिया लेबरलाइन' पर शिकायत कर सकते श्रमिक

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● श्रम मंत्री अनिल राजभर ने पुणे में टाटा के श्रम कल्याण केंद्र का किया दौरा

अमृत विचार : श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय मंत्री अनिल राजभर ने महाराष्ट्र में मौजूद यूपी के श्रमिकों को बताया कि आजीविका ब्यूरो की ओर से संचालित 'इंडिया लेबरलाइन' ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से छह भाषाओं में श्रमिकों की शिकायतें दर्ज करा सकते हैं, साथ ही उनका समाधान किया जाता है और अब तक एक लाख से अधिक श्रमिक इसका लाभ ले चुके हैं।

श्रम मंत्री, पुणे स्थित टाटा ऑटो कॉम्प सिस्टम्स के श्रम कल्याण केंद्र में श्रमिकों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और समाधान की जानकारी लेने के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने लेबरलाइन वैन का भी निरीक्षण किया, जो श्रमिकों के कार्यस्थलों पर जाकर उनकी समस्याएं सुनती है। श्रम मंत्री ने इस पहल की सराहना करते हुए अधिकारियों को उत्तर प्रदेश में भी ऐसी व्यवस्था शुरू करने के निर्देश दिए। दौरे के दौरान मंत्री ने टाटा ऑटो कॉम्प की इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम-आयन बैटरी और ऊर्जा भंडारण समाधान तैयार करने वाली इकाई का भी निरीक्षण किया।

बढ़ते कदम | 35,526 करोड़ से अधिक निवेश, छह नोड्स में 62 कंपनियों को भूमि आवंटित

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर ने पकड़ी रफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● 9 प्रमुख इकाइयों में उत्पादन शुरू कानपुर, झांसी और लखनऊ में सर्वाधिक प्रस्ताव

अमृत विचार: प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर तेजी से देश के प्रमुख रक्षा और एयरोस्पेस विनिर्माण केंद्र के रूप में उभर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विकसित हो रही इस महत्वाकांक्षी परियोजना में अब तक 35,526 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं।

वर्ष 2018 में शुरू किए गए इस कॉरिडोर को उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (यूपीडा) विकसित कर रहा है। इसके तहत कानपुर, झांसी, लखनऊ, अलीगढ़, आगरा और चित्रकूट में छह रणनीतिक नोड्स स्थापित किए गए हैं, जहां रक्षा उद्योग से जुड़ी औद्योगिक गतिविधियां तेजी से बढ़ रही हैं। कॉरिडोर के लिए अधिग्रहीत 2,040 हेक्टेयर भूमि में से लगभग 977 हेक्टेयर भूमि उद्योगों को आवंटित की जा चुकी है। अब तक 62 कंपनियों को भूमि आवंटित की गई है, जबकि करीब 11 कंपनियों के साथ लीज डीड की प्रक्रिया जारी है।

निवेश प्रस्तावों में कानपुर नोड सबसे आगे है, जहां करीब 12,803 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इसके बाद झांसी में 11,738 करोड़ और लखनऊ में 4,850 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। अलीगढ़ में 4,490 करोड़, चित्रकूट में 880 करोड़ और आगरा में 607 करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। कॉरिडोर के विभिन्न नोड्स में अब तक नौ प्रमुख विनिर्माण इकाइयों ने उत्पादन शुरू कर दिया है। इनमें अदानी डिफेंस सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज लिमिटेड का कानपुर में लगभग 1,500 करोड़ की लागत से स्थापित गोला-बारूद निर्माण संयंत्र प्रमुख है।

अलीगढ़ नोड में अमिटेक इलेक्ट्रॉनिक्स ने इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर उपकरणों का उत्पादन शुरू किया है, जबकि वेरीविन डिफेंस और नित्या क्रिएशंस ने छोटे हथियारों से जुड़े कंपोनेंट्स का निर्माण शुरू किया है। लखनऊ नोड भी तेजी से रक्षा विनिर्माण का केंद्र बन रहा है। यहां एरोलॉय टेक्नोलॉजीज ने टाइटेनियम कास्टिंग और ब्रह्मोस एयरोस्पेस ने ब्रह्मोस एनजी मिसाइल सिस्टम के उत्पादन की दिशा में काम शुरू किया है।

कॉन्क्लेव-2026 से पोल्ट्री हब बनेगा यूपी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● 23-24 मार्च को होगा प्रदेश का पहला पोल्ट्री कॉन्क्लेव

अमृत विचार : पशुपालन विभाग 23 व 24 मार्च को गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पहला ''पोल्ट्री कॉन्क्लेव-2026'' आयोजित करके उत्तर प्रदेश को पोल्ट्री हब बनाएगा। जहां, कृषि, बागवानी, निर्यात व उद्योग की तरह पोल्ट्री पालन को बढ़ावा मिलेगा। इससे प्रदेश में अधिक से अधिक पोल्ट्री फार्म संचालित होंगे। लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे और अंडा उत्पादन में बढ़ोतरी होगी।

कार्यक्रम में देश-प्रदेश के शीर्ष पोल्ट्री वैज्ञानिक और विशेषज्ञ उन्नत पोल्ट्री पालन की तकनीकी व नवाचार बताएंगे। मुर्गी पालन व अंडा उत्पादन की आधुनिक तकनीक सिखाएंगे। पोल्ट्री फार्म के संचालन में आ रही समस्या व चुनौतियां संचालक और पशुपालकों से संवाद करके दूर करेंगे। योजनाएं और उनका लाभ लेना बताएंगे। पशुपालक व्यवसाय विस्तार, मार्केटिंग और निवेश के गुर सीखेंगे। सरकार बिक्री का बाजार भी उपलब्ध कराएगी। कॉन्क्लेव में शामिल होने के लिए uppoultrypolicy2022@gmail.com पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं।

मिलते-जुलते नामों, डिज़ाइन व कलर स्कीम से भ्रमित न हों
केवल असली होलोग्राम युक्त एम.के. बन्धानी हींग ही खरीदें
पाँच पीढ़ी की विश्वसनीय हींग परम्परा
पुण्यश्लोक गोलोकवासी बाबू किशोर चन्द कपूर "किशोर" जी के आशीर्वाद से अभिसिचिंत एवम् संचालित
एम.के. बन्धानी हींग
श्री के. एम. डिस्ट्रीब्यूटर

विक्रय केन्द्र : नारायन प्लाजा, 51/71 नयागंज कानपुर 208001, फोन – 9519456555, 9695416555

दरोगा बनने को 54 केंद्रों पर परीक्षा देंगे 88,320 अभ्यर्थी

14 और 15 मार्च को दो पालियों में होगे वाली परीक्षा में शामिल होंगे 17 जनपदों के अभ्यर्थी, सीसीटीवी कैमरों से होगी निगरानी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश पुलिस एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस की सीधी भर्ती परीक्षा-2025 को लेकर लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट ने पूरी तैयारी कर ली है। 14 व 15 मार्च को होने वाली लिखित परीक्षा लखनऊ के 54 केंद्रों पर होगी। शहर में प्रदेश 17 जनपदों से कुल 88,320 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। परीक्षा का आयोजन दो पालियों में होगा।

डीसीपी मुख्यालय अनिल यादव ने बताया कि पहली पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर तीन बजे से शाम 5 बजे तक होगी। प्रत्येक पाली में 22080 अभ्यर्थी शामिल होंगे। लखनऊ में बनाए गए 54 परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की मदद से लगातार निगरानी की जाएगी। इसके साथ ही परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार से लेकर परीक्षा कक्ष के बीच कई राउंड में अभ्यर्थी की चेकिंग होगी।

परीक्षा केंद्रों के आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। सर्विलांस टीम केंद्रों के आसपास बीटीएस के जरिए साल्वरों पर नजर रखेगी। थाना पुलिस को निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षा केंद्र से आसपास किसी भी व्यक्ति की गतिविधि संदिग्ध लगने पर तत्काल हिरासत में लेने के निर्देश दिए गए हैं। परीक्षा के दौरान एसटीएफ, पुलिस टीम, साइबर सेल और सर्विलांस टीम लगातार एक्टिव रहेंगी।

साइबर थाना पुलिस भी लगातार सोशल मीडिया पर नजर रखे हुए है। सोशल मीडिया पर हर संदिग्ध अकाउंट की छानबीन की जा रही है। डीसीपी ने बताया कि परिवहन और रेलवे से पत्राचार कर बस अड्डों व स्टेशन पर सुरक्षा की दृष्टि से और अभ्यर्थियों के आवागमन हेतु उचित प्रबंध करने के लिए कहा गया है।

इन जिलों के अभ्यर्थी होंगे शामिल

- डीसीपी ने बताया कि लखनऊ में आंबेडकर नगर, औरैया, अयोध्या, बाराबंकी, इटावा, हरदोई, जौनपुर, कानपुर देहात, कानपुर नगर, लखीमपुर खीरी, प्रतापगढ़, प्रयागराज, रायबरेली, सीतापुर, सुल्तानपुर, उन्नाव, वाराणसी के अभ्यर्थी शामिल होंगे।

लखनऊ क्षेत्र में अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए 1007 बसों का संचालन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- बस स्टेशनों पर बनाई जाएगी हेल्प डेस्क, व्यवस्थाएं भी होंगी दुरुस्त

अमृत विचार: पुलिस भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थियों के लिए परिवहन निगम लखनऊ क्षेत्र 1007 बसों का संचालन करेगा और 31 बसें आकस्मिक परिस्थिति के लिए आरक्षित रखी जाएंगी। बस स्टेशनों पर पूछताछ कक्ष से लेकर खाने-पीने के स्टाल 24 घंटे संचालित रहेंगे। प्रत्येक बस स्टेशन पर हेल्प डेस्क भी बनाई जाएगी। परेशानी होने पर अभ्यर्थी क्षेत्रीय कंट्रोल रूम के नंबर 8726005808 पर संपर्क कर सकते हैं।

आलमबाग एआरएम राजेश कुमार ने बताया कि नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से आलमबाग बस अड्डे पर करीब 100 अभ्यर्थियों के ठहरने और स्वास्थ्य संबंधी दिक्कत होने पर दवाओं की व्यवस्था भी रहेगी। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक एसएन चौधरी को अवध क्षेत्र में निगरानी के लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। रायबरेली के लिए सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक दिनेश चंद्र श्रीवास्तव को नोडल अधिकारी नामित किए गए हैं।

उन्हें 13 मार्च से 16 मार्च तक रायबरेली बाईपास पर पालीवार कार्मिकों की ड्यूटी लगाकर लंबी दूरी की बसें शहर के अंदर से ही संचालित कराने के निर्देश दिए गए हैं। बाराबंकी में ऐसी व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक को सौंपी गई है। क्षेत्रीय प्रबंधक अमरनाथ सहाय ने बताया कि बस स्टेशनों पर पूछताछ कक्ष, टी स्टाल, खान-पान स्टाल और वाटर कूलर 24 घंटे संचालित रहेंगे। स्टेशन परिसर व शौचालयों की नियमित सफाई और प्रतीक्षालयों में पंखों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।

कहां से कितनी बसें

डिपो/बस स्टेशन	बसें
चारबाग डिपो	125
अवध डिपो	115
कैसरबाग निगम	149
कैसरबाग अनुबंधित	132
आलमबाग डिपो	83
उपनगरीय डिपो	8
हैदरगढ़ डिपो	110
रायबरेली डिपो	169
बाराबंकी डिपो	116

पेपर लीक का झांसा देने वाले सक्रिय, रिपोर्ट

- **अमृत विचार, लखनऊ:** उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस व समकक्ष पदों की सीधी भर्ती 2025 की लिखित परीक्षा में जालसाज सक्रिय हो गए हैं। ऐसे तीन सोशल मीडिया टेलीग्राम पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। निरीक्षक सतेंद्र कुमार के अनुसार उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से 14 व 15 मार्च को दरोगा भर्ती की परीक्षा होनी है। बोर्ड की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म व्हाट्सएप्प, एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम, यू-ट्यूब और टेलीग्राम पर निगरानी की जा रही है। टेलीग्राम पर तीन चैनल यूपी एसआई यूपी पोलिस –2026, रिजल्ट पैनल पीवीटीटीएम और यूपी एक्जाम पेपर यूपी एसआई–2026 संचालित मिले। इन चैनलों पर अभ्यर्थियों को दरोगा भर्ती परीक्षा 2025 का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का झांसा दिया जा रहा है। यूपी एसआई यूपी पोलिस –2026 नाम के चैनल पर यूपीआई आईडी वायरल कर अभ्यर्थियों से 20 हजार रुपये जमा कराने पर प्रश्नपत्र देने का मैसेज किया गया। रिजल्ट पैनल पीवीटीटीएम चैनल पर क्यूआर कोड शेयर कर अभ्यर्थियों से 10 हजार रुपये एडवांस और 10 हजार रुपये परीक्षा के बाद देने की बात कही गई है। यूपी एक्जाम पेपर यूपी एसआई–2026 चैनल पर एयरटेल पेमेंट बैंक लिमिटेड के खाता व आईएफएससी कोड की डिटेल जारी कर 10 हजार रुपये एडवांस और 10 हजार रुपये परीक्षा के बाद जमा करने पर पेपर उपलब्ध कराने का मैसेज किया गया।निरीक्षक ने तीनों टेलीग्राम चैनल के खिलाफ हुसैनगंज कोतवाली में धोखाधड़ी, सरकारी कार्य में बाधा, यूपी सार्वजनिक परीक्षा अधिनियम व आईटी एक्ट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसओ हुसैनगंज शिवमंगल सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

न्यूज ब्रीफ

माल क्षेत्र में मिड डे मिल पर गैस का संकट

अमृत विचार, लखनऊ : रसोई गैस की दिक्कत माल क्षेत्र के कई विद्यालयों में देखी जा रही है। जिसके कारण बच्चों के मध्यान्ह भोजन पर संकट खड़ा होता दिखाई दे रहा है। कुछ विद्यालयों में लकड़ी के चूल्हे पर भोजन बनाते हुए देखा गया जबकि अन्य विद्यालयों में रसोई गैस मौजूद था। लखनऊ जिले के ज्यादातर प्राथमिक विद्यालयों में अक्षय पात्र योजना से बना बनाया भोजन पैकेट पहुंचता है, जबकि मॉल क्षेत्र के विद्यालयों में भोजन पकाने की व्यवस्था है।

बस यात्री का खोया पर्स मिला

अमृत विचार, लखनऊ: परिवहन निगम के कर्मचारियों और पुलिस प्रशासन की तत्परता से आलमबाग बस टर्मिनल पर एक महिला यात्री का छूटा हुआ पर्स सुरक्षित वापस मिल गया। जानकारी के अनुसार 11 मार्च को यात्री अनीता सैनी उन्नाव से आलमबाग की यात्रा बस संख्या यूपी 78 एलएन 5480 (झांसी डिपो) से कर रही थीं। आलमबाग पहुंचकर बस से उतरते समय उनका पर्स बस में ही छूट गया, जिसमें करीब 16 हजार रुपये नकद और जरूरी दस्तावेज थे। स्टेशन प्रभारी राजा राम शर्मा ने तत्परता दिखाते हुए झांसी डिपो के बस कंडक्टर से संपर्क किया और पुलिस चौकी को सूचना दी। कंडक्टर ने पर्स सुरक्षित महिला को सौंप दिया। पर्स वापस पाकर अनीता सैनी ने परिवहन निगम और पुलिस प्रशासन का आभार जताया।

छेड़छाड़ के विरोध पर पिता व पुत्री को पीटा

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बंथरा थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले मजदूर ने बताया कि मंगलवार देर रात करीब एक बजे उनकी बेटी शौच के लिए गई थी। इस बीच पड़ोस में रहने वाला अखिलेश राजपूत वहां पहुंचा। मौका देख आरोपी ने किशोरी को हाथ पकड़कर मुंह दबा दिया। विरोध करने पर आरोपी ने किशोरी को पीटा।किशोरी के शोर मचाने पर पीड़ित पिता मदद के लिए दौड़ा। आरोपी अखिलेश को टोका तो वह हाथापाई कर धमकाते हुए भाग निकला। किशोरी रोते हुए घर पहुंची और सारी बात मां से बतायी। पिता ने बुधवार को बंथरा थाने में शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी अखिलेश राजपूत के खिलाफ छेड़छाड़, मारपीट, गाली-गलौज व धमकी की रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर राणा राजेश कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

जीएसटी चोरी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

अमृत विचार, माल : बोगस फर्म बनाकर 1.77 करोड़ रुपये के फर्जी लेन-देन और जीएसटी कर चोरी करने वाले दो लोगों को साइबर क्राइम सेल व माल पुलिस की टीम ने गिरफ्तार किया है।उनके पास से तीन मोबाइल फोन और एक लैपटाप बरामद किया है। ये लोग जरूरतमंद लोगों को महज 10-15 हजार रुपये का लालच देकर उनके दस्तावेज लेकर फर्जी कंपनियां बनाकर फर्जीवाडा करते थे। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित ने बताया कि 28 अगस्त को राज्य कर खंड-18 के सहायक आयुक्त नरेश वर्मा ने माल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें बताया गया था कि माल इब्राहिमपुर स्थित रामकली एंटरप्राइजेज नाम से बोगस फर्म बनाकर करीब 1.77 करोड़ रुपये का फर्जी आईटीसी क्लेम किया गया है। फर्म का पता और कारोबार दोनों गलत मिले थे। इसके बाद पुलिस ने चुंगा खां निवासी पहाड़पुर बिसवां सीतापुर और सलमान रहमानी निवासी नवीउल्लाह रोड बांसमंडी को दबोच लिया। चुंगा खां किसान है और सलमान क्लीनिक चलाता है।

हरदोई में केजी के छात्र को टैंकर ने रौंदा, मौत

संवाददाता, हरदोई/अतरौली

अमृत विचार। घर से बनियान लेने निकला केजी का छात्र अचानक हादसे की चपेट में आ गया,पानी का टैंकर ले जा रहे ट्रैक्टर ड्राइवर की लापरवाही के चलते उसके कुचल कर दर्दनाक मौत हो गई। गुरुवार तीसरी पहर हुआ हादसा चौराहे फर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। पुलिस ने दी गई तहरीर पर लापरवाह ड्राइवर को ढूंढ रही है।

बताया गया है कि अतरौली थाने के जनिगांव निवासी भइया लाल राठौर का 5 वर्षीय छोटा पुत्र कृष्णा राठौर एक निजी स्कूल में केजी का छात्र था,उससे बड़ा भाई और छोटी बहन है। भइया लाल राठौर ने बताया कि गुरुवार करीब तीन बजे बगल में बाबा भोला की दुकान पर बनियान लेने गया हुआ था। उसी बीच चौराहे पर शमीम ट्रैक्टर से पानी का टैंकर ले कर पहुंचा। उसने पहले तो कृष्णा को ट्रैक्टर पर बैठाया और फिर उतार कर उसे स्टार्ट कर दिया,नतीजतन ट्रैक्टर का पहिया कृष्णा के सिर के ऊपर से निकल गया,हादसा होते ही वहां शोर होने लगा,तमाम लोग दौड़ पड़े,उसी बीच शमीम वहां से भाग गया। कृष्णा को सीएचसी भरावन पहुंचाया गया,जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई,ट्रैक्टर चंदू का बताया गया है। पुलिस ने भइया लाल राठौर की तहरीर पर लापरवाह ड्राइवर को ढूंढने में जुट गई है।

गोमती नदी में गिरने वाले नाले को दोपहिया वाहन सवार जान जोखिम में डालकर निकलते हैं। इससे बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। अमृत विचार

30 को स्कूलों के सामने मार्शल की तैनाती की रिपोर्ट दें डीसीपी

खुलने- बंद होने के समय जाम के मामले में हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

विधि संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के समक्ष स्कूलों के खुलने और बंद होने के समय लगने वाले जाम के मामले में सुनवाई हुई। न्याय मित्र वरिष्ठ अधिवक्ता जेएन माथुर ने न्यायालय को बताया कि ला मार्टिनियर गर्ल्स कॉलेज, लोरेटो कान्वेन्ट कॉलेज व सिटी मॉन्टेसरी स्कूल्स के आसपास ट्राफिक व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है, हालांकि विनीत खंड स्थित सेठ एमआर जयपुरिया स्कूल के पास अभी काफी प्रयास की आवश्यकता है। न्यायालय को यह भी बताया गया कि 18 स्कूलों ने 10- 10 लोगों को मार्शल ट्रेनिंग के लिए भेजा है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 30 मार्च तय कर डीसीपी, ट्रैफिक को मार्शल्स की तैनाती और उसके प्रभाव के संबंध में रिपोर्ट देने का आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति आलोक माथुर और न्यायमूर्ति बृजराज सिंह की खंडपीठ ने गोमती रिवर बैंक रेजीडेंट्स की ओर से वर्ष 2020 में दाखिल की गई जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया है। उक्त याचिका पर सुनवायी के दौरान न्यायालय ने स्कूलों की वजह से होने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात के संबंध में पूर्व में कई आदेश दिए हैं। सुनवाए एके दौरान न्यायालय को यह भी जानकारी दी गई कि 12 मार्च तक पुलिस द्वारा मार्शल्स को दी जा रही ट्रेनिंग पूरी कर ली जाएगी, इसके पश्चात उन्हें स्कूलों के पास तैनात किया जाएगा।

डीआईओएस लखनऊ हाईकोर्ट में तलब

- **अमृत विचार, लखनऊ:** हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने हुसैनगंज स्थित चुटकी भंडार गर्ल्स इंटर कॉलेज के जर्जर भवन में चलने के मामले में जिला विद्यालय निरीक्षक लखनऊ को हाजिर होने का आदेश दिया है। मामले की अगली सुनवायी 7 अप्रैल को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति राजन रॉय व न्यायमूर्ति एके चौधरी की खंडपीठ ने विजय कुमार पांडेय की याचिका पर दिया। पूर्व की सुनवायी में न्यायालय ने कॉलेज प्रबंधन को नोटिस जारी करने का भी आदेश दिया था। न्यायालय ने कहा कि यदि भवन की हालत वाकई जर्जर है, तो इससे वहां पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों को खतरा हो सकता है। न्यायालय ने जिला विद्यालय निरीक्षक को भी निर्देश दिया था कि वे हलफनामा दाखिल कर स्पष्ट करें कि उन्होंने इस संबंध में क्या कदम उठाया। हालांकि आदेश के बावजूद जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से कोई हलफ़नामा यहीं दाखिल किया गया, इस पर सख्त रुख अपनाते हुए न्यायालय ने उन्हें 7 अप्रैल को कोर्ट के समक्ष उपस्थित होने का आदेश दिया है।

यूपी बार काउंसिंल का दूसरे दिन का मतदान सम्पन्न

अमृत विचार, लखनऊ: यूपी बार काउंसिल के चुनाव के लिए गोमती नगर स्थित हाईकोर्ट परिसर में बुधवार को दूसरे चरण का मतदान शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ। पाँच दिनों तक लगातार चलने वाले इस मतदान में करीब 27 हजार अधिवक्ता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

अंतिम चरण 15 मार्च को सम्पन्न होगा। इससे पहले जनवरी में अव्यवस्था और हंगामे के कारण वोटिंग रद्द कर दी गई थी। अब संशोधित कार्यक्रम के तहत कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान कराया जा रहा है। 11 मार्च को वर्ष 2000 तक के पंजीकृत अधिवक्ताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। जबकि गुरूवार को कुल 5663 अधिवक्ता मतदाताओं में से लगभग 80 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। 13 मार्च को वर्ष 2011 से 2018 तक के पंजीकृत अधिवक्ता अपना वोट डालेंगे। इसी प्रकार 14 व 15 मार्च को क्रमशः 2019 से 2021 तथा 2022 से 2025 तक के पंजीकृत अधिवक्ता मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

महिला के नाजुक अंग और शरीर पर मिले चोट के 12 निशान

- बाल, नाखून और स्कीन जांच के लिए भेजे गए
- मां और बेटे की हत्या के आरोपी को भेजा गया जेल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: सिसेंडी में 45 वर्षीय मां और 18 वर्षीय नेत्रहीन बेटे की हत्या में बुधवार देर रात पुलिस मुठभेड़ में घायल सिपाही व आरोपी किशन रावत उर्फ केशन रावत को अस्पताल से छुट्टी मिल गई। आरोपी से पूछताछ कर पुलिस ने पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उसके बाद आरोपी के कपड़े, बाल, नाखून, स्कीन का नमूना लेकर फॉरेंसिक के लिए भेज दिया गया है।

मेडिकल के बाद आरोपी को इंस्पेक्टर मोहनलालगंज बृजेश त्रिपाठी ने कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी किशन 9 मार्च को महिला के बकाया रुपये देने गया था। शराब के नशे में ही उसने मां-बेटे को 100 रुपये वापस किए। कहा कि 60 रुपये बाद दे देगा। इस पर महिला ने पूरे रुपये देने के लिए कहा। आरोपित ने 500 रुपये निकाल कर बकाया काटने के लिए कहा। इसी बीच युवक ने अपनी मां से कहा कि किशन बिना बताए घर में दाखिल हो जाता है। दुकान से जो रुपये और सामान चोरी हुआ था, वह भी उसी ने चोरी किए हैं। मां से बोला कि पुलिस को बुलाओ। इसपर नोंकझोंक होने पर महिला ने किशन को धक्का दिया। जमीन पर गिरने से कोहनी में चोट लगी थी।

आरोपी किशन ने नेत्रहीन को लात मार दी। मां के विरोध पर उसे धक्का दे दिया। जिससे वह दीवार से लड़कर बेहोश हो गई। इसी बीच उसने बेटे को हौदी में गिराकर उसका गला घोंट दिया। महिला होश में आने पर चिल्लाने लगी तो उसका मुंह दबाया। निढाल पड़ने पर महिला की पेजामी उताकर गला कस दिया था। फिर पेजामी को चारपाई के पावे से बांध दिया था। इस हाथापाई के दौरान महिला के शरीर पर कई चोटें लगी थी। महिला की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर व नाजुक अंगों पर करीब 12 एंटी मार्टम चोटें मिली हैं। वारदात के बाद आरोपी बिना शर्ट के मृतका के घर से निकला। बाहर दरवाजे पर बेलन लगाकर जाने लगा। इस दौरान चंद कदम की दूरी पर शौच कर रहे युवक ने उसे देखा था। पसीने से भीगे किशन को देख युवक ने यह बात मालिक को बतायी, जिसके बाद पुलिस को आरोपी के बारे में लीड मिली थी।

हत्या के बाद घर गया, चार साल के बेटे संग निकला

- आरोपी किशन ने पुलिस को बताया कि वह वारदात के बाद पहले अपने घर गया। घर से चार साल के बेटे को लेकर भीलमपुर मोड़ पुलिया पहुंचा। जहां पर उसके परिचित दो लोग खड़े थे। वह परिचितों के साथ मोहनलालगंज कस्बे में पहुंचा। वहां उसने बाइक में 50 का पेट्रोल डलवाया। इसके बाद अपनी बुआ के लड़के को बुलाकर अपनी ससुराल चला गया। बेटे को वहीं छोड़ कर फरार हो गया था। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद रेप व अन्य धाराओं को बढ़ाया है। हत्यारोपी ने पुलिस को उसने बताया कि उसके एक रिश्तेदार के घर बच्चे का जन्म हुआ है। जिसे देखने के बहाने पहले दिन वह वहीं रुक गया। दूसरे दिन अपनी ससुराल गढी मवैया, फिर बिजनौर व कनकहा में रिश्तेदारों के यहां गया। बुधवार को भोलाखेड़ा में फूफा घर से भागने का प्रयास कर रहा था।

अवसर

दिसंबर तक शुरू हो जाएगा 100 बेड का नया क्रिटिकल केयर वार्ड

लोहिया में होगी 150 डॉक्टर और 863 नर्सिंग व स्टाफ की भर्ती

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में 150 डॉक्टर और 863 नर्सिंग, टेक्नीशियन और अन्य स्टाफ की भर्ती होगी। संस्थान प्रशासन ने भर्ती प्रस्ताव तैयार करके शासन को भेजा है।

संस्थान के निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने प्रशासनिक भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने कहा कि चिकित्सा सुविधाओं को विस्तारित करने का लगातार प्रयास किया जा रहा है। विभिन्न राज्यों में चल रही बेहतर चिकित्सा प्रणालियों को संस्थान में लागू किया जा रहा है। कोशिश है कि मरीजों को कम समय में बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सके। इसी को ध्यान में रखते हुए शहीद पथ स्थित लोहिया संस्थान के दूसरे परिसर में 100 बेड का क्रिटिकल केयर वार्ड भी बनाया जा रहा है।

शासन स्तर पर डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मियों के नए पद के सृजन पर सहमति बन गई। जल्द ही विज्ञापन जारी कर भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। निर्माणाधीन क्रिटिकल केयर वार्ड को दिसंबर तक शुरू करने की तैयारी है। इससे वहां भर्ती होने वाले गंभीर मरीजों को मुख्य परिषद में नहीं आना पड़ेगा। यहां एक हजार बेड का नया अस्पातल भी बनेगा। जिसमें सभी ब्रॉड स्पेशियलिटी विभाग स्थापित किए जाएंगे।

संस्थान के निदेशक प्रो सीएम सिंह ने बताया कि मरीजों के बढ़ते भार को देखते हुए इमरजेंसी में 40 बेड बढ़ाए जा रहे हैं। ऐसे में गंभीर मरीजों को राहत मिलेगी। शाम के वक्त अलग- अलग तरह के गंभीर मरीजों का भार बढ़ जाता है। इन बेडों के बढ़ने और बेड़ के अनुपात में डॉक्टर व अन्य कर्मियों की तैनाती करने से मरीजों को राहत मिलेगी।

इसकी भी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि संस्थान के शहीद पथ स्थित नए परिसर में अत्याधुनिक लेवल-1 ट्रामा सेंटर भी स्थापित किया जाएगा। ऐसे में हाईवे के आसपास को दुर्घटनाग्रस्त होने वाले मरीजों को तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल सकेगा। वहां क्रिकिटल केयर होने का भी फायदा मिलेगा।

इसी तरह संस्थान में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए एक इंक्यूबेशन सेंटर और कौशल विकास के लिए ''स्किल, इनोवेशन एवं सिमुलेशन केंद्र'' की स्थापना की जा रही है। भविष्य में 543 गैर-शैक्षणिक पदों पर नई नियुक्तियों की जाएगी। इननियुक्ति की प्रक्रिया पूरी होने पर संस्थान में सभी सुविधाएं मुकम्मल हो जाएंगी।

वर्ष के अंत तक हो जाएगी गामा नाइफ की स्थापना

- संस्थान के निदेशक प्रो सीएम सिंह ने बताया कि दो वर्ष में संस्थान मेंभर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में लगातार बढोत्तरी हुई है। प्रति वर्ष9 लाख से अधिक ओपीडी और 75 हजार से अधिक मरीजों को भर्ती करके उपचार किया जा रहा है। इमरजेंसी में हर साल करीब 1.5 लाख से अधिक मरीजों को उपचार दिया जा रहा है। एडवांस न्यूरो साइंस सेंटर में 170 बेड और 4 नए ऑपरेशन थियेटर तैयार कर लिए गए हैं। न्यूरो साइंस सेन्टर में उत्तर प्रदेश के प्रथमगामा-नाइफ की स्थापना का कार्य प्रारंभ हो चुका है, जो इस वर्ष के अंत तक पूर्ण हो जाएगा। साथ ही, किडनी, लीवर और बोन मेरो ट्रांसप्लांटेशन सेंटर और 100 बेड का क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक भी पूर्णता की ओर अग्रसर हैं। संस्थान ने रोबोटिक सर्जरी के लिए ' 'एडवांस रोबोटिक सिस्टम' ' की स्थापना की है। अब तक 250 सफल गुर्दा प्रत्यारोपण किए जा चुके हैं।

किसान की मौत, हत्या का आरोप

अमृत विचार, हरदोई: थाना अतरौली क्षेत्र के गांव आदमपुर में किसान केशन (43) की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की बेटी ने 6 लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतक की पत्नी उर्मिला की तहरीर पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक केशन गांव के उत्तर पक्की सड़क पर 300 मीटर दूर खेत में अर्धनिर्मित पक्के मकान में परिवार के साथ रहकर खेती करता था और छोटी पान पुड़िया की दुकान करता था। मृतक की बेटी सरिता ने बताया कि गांव के पश्चिम में अपने खेत में पिता पक्का मकान बनवा रहे थे। इन दिनों केशन परिवार के साथ रहता था।बुधवार की रात दस बजे मृतका की बेटी सरिता दुकानों में,मां सुमित्रा दरवाजे पर छप्पर के नीचे और बरामदा में मृतक केशन तखत पर सोया था।

कौशल विकास केंद्रों की निगरानी व्यवस्था पर जोर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना सरकार की प्राथमिकता : अवनीश अवस्थी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार युवाओं को आधुनिक कौशल प्रदान कर उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करने के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसके लिए उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक मंडल में सेवानिवृत्त प्रशासनिक अधिकारियों, उद्योग विशेषज्ञों और बैंकरों की समिति गठित कर प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण कराया जाए।

अवनीश अवस्थी गुरुवार को नेशनल स्किल एंड एजुकेशन समिट, उप्र. में बोल रहे थे। उन्होंने कौशल विकास केंद्रों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए मजबूत निगरानी व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। समिट की शुरुआत करने के बाद उप्र. कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. हरिओम ने कहा कि शिक्षा और कौशल विकास को एक साथ जोड़ना समय की आवश्यकता है। मिशन निदेशक पुलकित खरे ने बताया कि युवाओं के लिए एक डिजिटल लर्निंग पोर्टल भी विकसित किया गया है, जहां मुफ्त ऑनलाइन पाठ्यक्रम और प्रमाणपत्र उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कार्यक्रम में डिजिटल लर्निंग पत्रिका के नए संस्करण का भी विमोचन किया गया।

अभिषेक प्रकाश की बहाली पर अंतिम फैसला लेंगे मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- हाईकोर्ट से 1600 पन्नों की चार्जशीट रद्द होने से निलंबन का आधार कमजोर
- एक वर्ष की अनिवार्य समीक्षा में शासन स्तर पर बहाली की फाइल तैयार

अमृत विचार : 2006 बैच के चर्चित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश की बहाली पर अंतिम फैसला अब मुख्यमंत्री स्तर पर होगा। हाईकोर्ट द्वारा उनके खिलाफ दाखिल करीब 1600 पन्नों की चार्जशीट रद्द किए जाने के बाद निलंबन का आधार कमजोर पड़ गया है। ऐसे में सेवा नियमावली के तहत एक साल की अनिवार्य समीक्षा में शासन स्तर पर उनकी बहाली से संबंधित फाइल तैयार कर ली गई है।

सूत्रों के अनुसार कार्मिक विभाग ने इस मामले में अपनी रिपोर्ट तैयार कर मुख्य सचिव के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय को भेज दी है। मुख्य सचिव की सहमति मिलने के बाद अब मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद ही बहाली का औपचारिक आदेश जारी होगा। अभिषेक प्रकाश उस समय चर्चा में आए थे जब वे इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थे। उन पर एक सोलर मैन्युफैक्चरिंग प्रोजेक्ट को मंजूरी दिलाने के बदले कथित रूप से रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। शिकायत एक कंपनी के प्रतिनिधि विश्वजीत दत्ता ने मुख्यमंत्री को भेजी थी। शिकायत में आरोप था कि परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए लागत का लगभग 5 प्रतिशत कमीशन एक कथित दलाल के माध्यम से मांगा गया। इस मामले में 20 मार्च 2025 को गोमतीनगर थाने में दलाल निकांत जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया था। उसी दिन सरकार ने अभिषेक को निलंबित कर राजस्व परिषद, लखनऊ से संबद्ध कर दिया था।

अभिषेक प्रकाश

मामले की जांच कर रही एसआईटी ने करीब 1600 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी, जिसमें 50 से अधिक गवाहों के बयान शामिल थे। शिकायतकर्ता ने अपने बयान में कहा था कि कथित दलाल निकांत जैन बार-बार तत्कालीन सीईओ अभिषेक प्रकाश का नाम लेकर रिश्वत की मांग कर रहा था। हालांकि अदालत में सुनवाई के दौरान यह सवाल भी उठा कि जब शिकायत में अधिकारी का नाम लिया गया है तो एफआईआर में उन्हें नामजद क्यों नहीं किया गया। पुलिस ने अदालत को बताया था कि जांच जारी है और साक्ष्य मिलने पर आगे कार्रवाई की जाएगी। बचाव पक्ष ने अदालत में तर्क दिया कि रिश्वत के आरोपों के समर्थन में कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है। सूत्रों के अनुसार, नियमों के तहत किसी आईएएस अधिकारी के निलंबन की पहली समीक्षा 90 दिन, फिर 180 दिन और उसके बाद एक वर्ष पूरा होने से पहले अनिवार्य रूप से की जाती है। कोर्ट के आदेश के बाद बदली परिस्थितियों को देखते हुए कार्मिक विभाग ने मामले की रिपोर्ट केंद्र सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को भेजने के लिए पत्रावली तैयार की है। मुख्यमंत्री की मंजूरी मिलने के बाद अभिषेक प्रकाश की बहाली का आदेश जारी किया जा सकता है।

योगी सरकार में निलंबित आईएएस

* जितेन्द्र बहादुर सिंह (2005) – डीएम गोंडा, अनाज वितरण में अनियमितता
* कुमार प्रशांत (2010) – डीएम फतेहपुर, गेहूं खरीद घोटाला
* देवेन्द्र कुमार पांडेय (2011) – डीएम उन्नाव, शिक्षा विभाग खरीद में गड़बड़ी
* अमरनाथ उपाध्याय (2011) – डीएम महाराजगंज, गौशाला बजट अनियमितता
* केदारनाथ सिंह – पर्यटन विभाग, विभागीय अनियमितता
* शारदा सिंह – चकबंदी आयुक्त, भर्ती में आरक्षण नियम उल्लंघन

निलंबित आईपीएस

* जसवीर सिंह – सोशल मीडिया टिप्पणी
* दिनेश चंद्र दुबे, अरविंद सेन – पशुपालन घोटाला
* वैभव कृष्णा – आपत्तिजनक वीडियो मामला
* अपर्णा गुप्ता – अपहरण कांड जांच
* अभिषेक दीक्षित – कानून व्यवस्था में लापरवाही
* मानिकलाल पाटीदार – भ्रष्टाचार
* सुभाष चंद्र दुबे – सहारनपुर हिंसा
* डॉ. सतीश कुमार – रिश्वतखोरी
* एन. कोलांची – तबादलों में अनियमितता
* अतुल शर्मा – कानून व्यवस्था विफलता
* आरएम भारद्वाज – संभल घटना
* संतोष कुमार सिंह – कानून व्यवस्था में ढिलाई
* हिमांशु कुमार – विवादित ट्वीट

स्मार्ट मीटर व्यवस्था आज से लागू

पावर कॉरपोरेशन ने सभी उपभोक्ताओं से अपने बिजली खाते का बैलेंस सकारात्मक रखने की अपील की

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं को दस मिनट में बिजली न आने पर मिले मुआवजा
- उपभोक्ता परिषद ने आयोग में दाखिल किया प्रस्ताव

अमृत विचार : प्रदेश में शुक्रवार से स्मार्ट मीटरिंग व्यवस्था लागू होने जा रही है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सभी उपभोक्ताओं से अपने बिजली खाते का बैलेंस सकारात्मक रखने की अपील की है। विभाग के अनुसार जिन उपभोक्ताओं का बैलेंस माइनस में होगा, उनकी बिजली आपूर्ति स्वतः बंद हो सकती है।

इधर, राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रदेश के स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के अधिकारों के लिए आवाज उठाई है। उन्होंने उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग को प्रस्ताव दिया कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं द्वारा रीचार्ज करते ही महज यदि दस मिनट में बिजली नहीं आती है तो उपभोक्ता को मुआवजा देना अनिवार्य किया जाना चाहिए। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि गुरुवार को विद्युत नियामक आयोग के सदस्य संजय कुमार सिंह को एक प्रस्ताव सौंपा गया। प्रस्ताव में स्मार्ट प्रीपेड मीटर से जुड़े उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई है। उन्होंने त्रिपुरा और आंध्र प्रदेश का आदेश रखते हुए आयोग से कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर में बैलेंस होने के 15 मिनट में कनेक्शन जुड़ने का प्रावधान है, जबकि अन्य कई राज्यों में भी 10 मिनट का नियम है। इसलिए उत्तर प्रदेश में दो घंटे का जो प्रावधान है, उसमें संशोधन करके 10 मिनट का प्रावधान किया जाए। उन्होंने यह कहा कि उपभोक्ताओं को प्रीपेड और पोस्टपेड दोनों प्रकार के भुगतान विकल्प उपलब्ध कराए जाने का नियम है। लेकिन बिजली कंपनियां मनमानी करके उन्हें कोई विकल्प नहीं दे रही है। नियमों के मुताबिक ग्रामीण और शहरी सभी उपभोक्ताओं को 24 घंटे बिजली आपूर्ति उपलब्ध कराना अनिवार्य है। उसके बाद भी लगातार बिजली की कटौती की जा रही है। गौरतलब है कि विद्युत नियामक आयोग ने नियम बनाया है कि रिचार्ज के दो घंटे तक यदि बिजली सप्लाई शुरू नहीं की जाती तो उपभोक्ता को मुआवजा दिया जाए।

बिजली निगमों में बढ़ता खर्च

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की लगातार बढ़ती संख्या के बावजूद बिजली निगमों में नियमित भर्ती लंबे समय से लंबित है। वर्तमान में प्रदेश में लगभग तीन करोड़ 72 लाख बिजली उपभोक्ता हैं, लेकिन इसके अनुपात में स्थाई पदों पर नियुक्तियां नहीं हो पा रही हैं। दूसरी ओर बिजली कंपनियों का परिचालन और अनुरक्षण (ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस) खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। वर्ष 2025-26 के लिए जहां 8,990 करोड़ रुपये का परिचालन और अनुरक्षण खर्च अनुमोदित किया गया था, वहीं वर्ष 2026-27 के लिए इसे बढ़ाकर 9,452 करोड़ रुपये प्रस्तावित किया गया है।

25 हजार संविदा कर्मी हटाए गए गड़बड़ा सकती है बिजली व्यवस्था

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेन्द्र दुबे ने कहा कि राज्य विद्युत परिषद ने करीब 25 हजार संविदा कर्मियों को हटा दिया है, जिससे कर्मियों में भारी आक्रोश है। उधर छंटनी के चलते गर्मियों में बिजली सप्लाई की व्यवस्था गड़बड़ा सकती है।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक ने कहा कि पावर कॉरपोरेशन प्रबंधन द्वारा बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण के लिए लगातार संविदा कर्मियों की छंटनी कर रही है। जिन संविदा कर्मियों ने 20-25 वर्षों तक बिजली व्यवस्था को संभाला। जिनमें से कुछ दुर्घटनाओं में अपंग भी हो चुके हैं, उन्हें भी बेरोजगार किया जा रहा है। बताया कि मानकों के मुताबिक, शहरी क्षेत्र के प्रत्येक विद्युत उपकेंद्र पर 36 संविदा कर्मी तथा ग्रामीण क्षेत्र में 20 कर्मी तैनात होने चाहिए। लेकिन वर्तमान में जारी किए जा रहे टेंडरों में शहरी क्षेत्रों में 18 और ग्रामीण क्षेत्रों में 12 कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है, जिससे लगभग 45 प्रतिशत संविदा कर्मियों की छंटनी हो रही है।

छंटनी पर उपभोक्ता परिषद ने उठाए सवाल

अमृत विचार : बिजली निगमों में संविदा कर्मियों की लगातार छंटनी का मामला भी सामने आया है, जिसे लेकर उपभोक्ता परिषद ने गंभीर चिंता जताई है। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि एक ओर बिजली कर्मियों के परिचालन और रखरखाव पर खर्च बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर प्रदेश में संविदा कर्मियों की छंटनी की जा रही है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि संविदा कर्मियों के साथ भेदभावपूर्ण रवैया उचित नहीं है। उन्होंने बताया कि ट्रांसमिशन से जुड़ी सुनवाई के दौरान उपभोक्ता परिषद ने बिजली निगमों में संविदा कार्मिकों की छंटनी, उन्हें प्रदेश सरकार के संविदा सेवा निगम से अलग रखने और लंबे समय से स्थाई पदों पर भर्ती न किए जाने का मुद्दा उठाया था। परिषद ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का हवाला देते हुए संविदा कर्मियों को समान काम के लिए समान वेतन दिए जाने की भी मांग की है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए नियामक आयोग ने पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक से तीन दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। परिषद ने मांग की है कि प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं की संख्या को देखते हुए सभी बिजली निगमों में नियमित स्थाई पदों पर भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए, ताकि उपभोक्ता सेवाएं प्रभावित न हों और बिजली निगमों की कार्यप्रणाली सुचारू बनी रहे।

बलरामपुर स्थित शक्तिपीठ देवीपाटन में मां पाटेश्वरी की पूजा-अर्चना करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। ● अमृत विचार

एक टैबलेट से तीन रोगों का इलाज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- अल्जाइमर के साथ मोटापे पर भी वार, याददाश्त कमजोर होने से भी बचाया जा सकेगा
- लंदन में दवा पर चल रहा ह्यूमन ट्रॉयल, शुरुआती नतीजे उत्साहजनक

अमृत विचार : अब अल्जाइमर का इलाज आसान होगा। एक गोली से तीन गंभीर बीमारियों से मरीजों को निजात मिल सकेगी। इसमें अल्जाइमर के साथ मोटापे पर भी वार होगा। याददाश्त को कमजोर होने से भी बचाया जा सकेगा। लंदन में दवा पर ह्यूमन ट्रॉयल चल रहा है। शुरुआती नतीजे उत्साहजनक आए हैं। यह जानकारी लंदन के डॉ. मोने जैदी ने दी।

वह गुरुवार को केजीएमयू मेडिसिन विभाग की ओर से ब्राउन हॉल में भाटिया-मिश्रा स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। डॉ. मोने जैदी ने कहा कि अल्जाइमर में मरीज को भूलने की समस्या हो जाती है। मरीज एक ही सवाल बार-बार पूछते हैं। सोचने और निर्णय लेने में परेशानी होती है। यहां तक पैसे का हिसाब या योजना बनाने में कठिनाई होती है। भारत में अल्जाइमर मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। उन्होंने कहा कि नई दवा तैयार की है जिससे अल्जाइमर, मोटापा को रोकेगा। याददाश्त को कमजोर होने से बचाने में मदद करेगी। फॉलिकल-उत्तेजक हार्मोन (एफएसएच) को अवरुद्ध करने वाली दवा नई उम्मीद बनकर उभर रही है। एफएसएच हार्मोन को नियंत्रित करने से न केवल हड्डी और मोटापे पर असर पड़ सकता है। बल्कि मस्तिष्क को तंत्रिका क्षति से भी सुरक्षा मिल सकती है। डॉ. केके सावलानी ने कहा कि नियमित कसरत करें। पैदल चलें। फास्ट फूड, कोल्ड ड्रिंक से तौबा करें। इस मौके पर केजीएमयू मेडिसिन विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. सीजी अग्रवाल, गठिया रोग विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एसके दास, हिमैटोलॉजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. एके त्रिपाठी, डॉ. अशोक चन्द्र, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बीके ओझा, पैरामेडिकल विज्ञान के डीन डॉ. केके सिंह तथा शैक्षणिक अधिष्ठाता एवं मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र आतम व डॉ. मेधावी गौतम मौजूद रहे।

अब तकनीक से होगी बच्चों की ग्रोथ और कुपोषण की निगरानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- आंगनबाड़ी केंद्रों को मिलेंगे 1.33 लाख स्टेडियोमीटर

अमृत विचार: प्रदेश में बच्चों के स्वस्थ भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार पोषण अभियान के तहत आंगनबाड़ी व्यवस्था को तकनीकी रूप से मजबूत कर रही है। इसी क्रम में प्रदेश के आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों के स्वास्थ्य की नियमित निगरानी के लिए एक लाख 33 हजार से अधिक स्टेडियोमीटर उपलब्ध कराए जाएंगे। इन उपकरणों की मदद से बच्चों की लंबाई का सटीक मापन कर उनके पोषण स्तर का सही आकलन किया जा सकेगा।

सरकार के अनुसार, आंगनबाड़ी केंद्रों पर ग्रोथ मॉनिटरिंग को वैज्ञानिक और सटीक बनाने के लिए आधुनिक उपकरणों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। वर्ष 2021 और 2022 में भी प्रदेश में 1 लाख 88 हजार से अधिक स्टेडियोमीटर उपलब्ध कराए गए थे। इन उपकरणों के माध्यम से दो वर्ष से अधिक आयु के बच्चों की ऊंचाई का सटीक आकलन किया जाता है, जिससे उनके शारीरिक विकास की नियमित निगरानी संभव हो पाती है। सरकार का मानना है कि बचपन में पोषण और स्वास्थ्य की सही देखभाल ही एक स्वस्थ और मजबूत समाज की नींव रखती है। इसी उद्देश्य से प्रदेश के लाखों बच्चों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए आंगनबाड़ी व्यवस्था को लगातार सशक्त किया जा रहा है।

कुपोषण के खिलाफ चल रही लड़ाई में तकनीक को भी महत्वपूर्ण साधन बनाया गया है। आंगनबाड़ी केंद्रों पर आधुनिक ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस के जरिए बच्चों के विकास की नियमित निगरानी की जा रही है। इससे बच्चों की वृद्धि की सटीक जानकारी मिलती है और समय रहते पोषण संबंधी आवश्यक कदम उठाए जा सकते हैं।

छह अंतर्जनपदीय चोर गिरफ्तार

अमृत विचार, शाहाबाद, हरदोई: बेहटा गोकुल पुलिस, स्वाट व सर्विलांस टीम ने जल जीवन मिशन के पाइप चोरी मामले का खुलासा करते हुए छह अंतर्जनपदीय चोरों को गिरफ्तार किया है। उनके पास से चोरी के आठ पाइप, घटना में प्रयुक्त डीसीएम वाहन और सात मोबाइल बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार बरेली निवासी ठेकेदार हरिनंदन ने मार्च 2025 में ग्राम मुसेपुर से 58 पाइप चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जांच में दीपक, रिंकू, शिवप्रसाद, अजीत, शंकरलाल और अश्वनी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने दिन में रेकी कर रात में चोरी करने की बात कबूली। सभी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

50 हजार का इनामी मुठभेड़ में गिरफ्तार

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार : अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। देर रात मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ के बाद 50 हजार के इनामी अपराधी मो. इस्लाम उर्फ मच्छर को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह पूरा मामला मुसाफिरखाना कोतवाली क्षेत्र के इसौली मोड़ का है।

पुलिस द्वारा चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान कबाड़ व्यवसायी रमन अग्रहरि के अपहरण और फिरौती कांड में फरार चल रहे आरोपी मो. इस्लाम उर्फ मच्छर को घेर लिया गया। खुद को घिरता देख बदमाश ने भागने की कोशिश की, जिसके बाद हुई मुठभेड़ में वह घायल हो गया और पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार बदमाश गोंडा जिले का रहने वाला है। उसने अपने साथियों के साथ मिलकर बीते 10 फरवरी को मुसाफिरखाना थाना क्षेत्र के रहने वाले कबाड़ व्यवसायी रमन अग्रहरि का कार समेत अपहरण कर लिया था। बदमाशों ने व्यापारी से आठ लाख रुपये से अधिक की फिरौती वसूलने के बाद उसे छोड़ा था। मामले के कई अन्य आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके हैं।

मुठभेड़ के बाद घायल बदमाश को ले जाती पुलिस। अमृत विचार

पति की मौत के बाद पत्नी ने भी की आत्महत्या

अमृत विचार, हरदोई : अतरौली थाना क्षेत्र के लुधौरा गांव निवासी अमरेंद्र बाजपेई की पत्नी 48 वर्षीय रिंकी बाजपेई ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। करीब दो वर्ष पहले अमरेंद्र की मौत के बाद रिंकी बच्चों की परवरिश के लिए शहर के प्रगति नगर में किराए के मकान में रह रही थीं। बुधवार रात दोनों बच्चे सो गए थे, इसी दौरान वह घर से बाहर निकलीं और मकान के पास पेड़ से साड़ी के सहारे फांसी लगा ली। छोटी बेटी प्रज्ञा ने मां को खोजते हुए शव लटका देखा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अलविदा की नमाज पर पुराने शहर में ट्रैफिक डायवर्जन

व्यवस्था : डायवर्जन दोपहर 12 बजे से लेकर नमाज की समाप्ति तक रहेगा लागू

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रमजान माह के अंतिम जुमे पर अलविदा की नमाज अदा की जाएगी। इसके चलते रूट डायवर्जन किया गया है। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि 12:30 बजे आसिफी मस्जिद बड़ा इमामबाड़ा और 1 बजे टीले वाली मस्जिद पर नमाज अदा की जाएगी। दोपहर करीब 12 बजे से डायवर्जन लागू किया जाएगा। इस दौरान किसी प्रकार की समस्या आने पर ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

इधर से न जाएं

- सीतापुर रोड से आने वाले वाहन डालीगंज रेलवे क्रांसिग तिराहे से पक्के पुल (टीले वाली मस्जिद) की तरफ नहीं जाएंगे।
- पक्का पुल खदरा साइड तिराहा से वाहन पक्का पुल (टीले वाली मस्जिद) की तरफ नहीं जाएंगे।
- हरदोई रोड/बालागंज से बड़े इमामबाड़े व टीले वाली मस्जिद के तरफ वाहन नहीं जाएंगे।
- कोनेश्वर चौराहे से बड़ा इमामबाड़ा, टीले वाली मस्जिद की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।
- नींबू पार्क (रूमीगेट चौकी) चौराहे से बड़ा इमामबाड़ा व टीले वाली मस्जिद की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।
- नींबू पार्क ओवरब्रिज से रूमी गेट की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।
- चौक तिराहा से नींबू पार्क (रूमी गेट चौकी) चौराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।

- मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) चौराहे से फूलमंडी, खुन-खुन जी गर्ल्स कालेज, नींबू पार्क चौराहे की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।
- शाहमीना तिराहे से पक्का पुल (टीले वाली मस्जिद) की तरफ वाहन नहीं जाएंगे।
- डालीगंज पुल चौराहे से सीतापुर रोड की तरफ जाने वाली बस व अन्य वाहन पक्का पुल की तरफ नहीं जाएंगे।
- शाहमीना तिराहे से कैसरबाग होते हुए हरदोई रोड की तरफ जाने वाली रोडवेज, सिटी बस पक्का पुल, बड़ा इमामबाड़ा की तरफ नहीं जाएंगी।

इधर से जाएं

- वाहन डालीगंज क्रासिंग ओवरब्रिज से बाएं मुड़कर चौराहा नं-आठ निरालानगर से आईटी चौराहा की ओर से जाएंगे।
- वाहन बंधा रोड या नया पुल से होकर जा सकेंगे।
- वाहन कोनेश्वर मंदिर चौराहे से दाएं चौक चौराहा, मेडिकल कालेज चौराहा होकर जाएंगे।
- वाहन कोनेश्वर मंदिर चौराहे से चौक चौराहा, मेडिकल क्रास (कमला नेहरू), शाहमीना तिराहा या नींबू पार्क (रूमी गेट चौकी) चौराहे से नया पुल होकर जाएंगे।
- वाहन कोनेश्वर चौराहा या नींबू पार्क के पीछे नया पुल होकर जा सकेंगे।
- वाहन ठाकुरगंज होकर जाएंगे।
- वाहन मेडिकल क्रास (कमला नेहरू) होकर जाएंगे।
- वाहन चौक चौराहा, कोनेश्वर चौराहा होकर जाएंगे।
- वाहन मेडिकल कालेज या डालीगंज पुल, आईटी होकर जाएंगे।
- वाहन आईटी, कपूरथला, पुरनिया होकर जाएंगे।
- रोडवेज व सिटी बस शाहमीना तिराहे से बाएं मेडिकल कालेज, चौक चौराहा, कोनेश्वर चौराहा होकर जाएंगी।

ग्रीन कॉरिडोर मार्ग के उद्घाटन के चलते यातायात व्यवस्था में बदलाव

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रक्षामंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार दोपहर 2 बजे ग्रीन कॉरिडोर का उद्घाटन करेंगे। डीसीपी ट्रैफिक कमलेश दीक्षित ने बताया कि इसके चलते दोपहर 1 बजे से यातायात डायवर्जन कर दिया जाएगा। इस दौरान किसी प्रकार की समस्या आने पर शहरवासी ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 पर संपर्क कर सकते हैं।

यहां से न जाएं

- आईटी चौराहा से हनुमान सेतु मंदिर/नदवा बंधा चौराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। ये वाहन डालीगंज, इक्का तांगा स्टैंड चौराहा, डालीगंज पुल चौराहा होकर जा सकेंगे।
- डालीगंज इक्का तांगा स्टैंड चौराहा से हनुमान सेतु मंदिर/नदवा बंधा चौराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। ये वाहन डालीगंज पुल चौराहा होकर जा सकेंगे।
- सुशीला देवी स्मृतिका तिराहा से नदवा बंधा चौराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। ये वाहन पेपरमिल तिराहा, निशातगंज या संकल्प वाटिका तिराहा, सिकंदरबाग चौराहा होकर जा सकेंगे।
- हनुमान सेतु मंदिर/नदवा बंधा चौराहा से सुशीला देवी स्मृतिका तिराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। ये वाहन सुभाष चौराहा होकर जा सकेंगे।
- आरआर बंधा चौराहा से समतामूलक चौराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। ये वाहन फन मॉल होते हुए जा सकेंगे।
- समतामूलक चौराहा से आरआर बंधा चौराहा की तरफ वाहन नहीं जाएंगे। ये वाहन आरबीआई कटिंग, डिगडिगा चौराहा, पालीटेक्निक चौराहा या 1090 चौराहा, गोल्फ क्लब चौराहा होकर जा सकेंगे।
- डालीगंज पुल चौराहा/ग्रीन कॉरिडोर ढाल (डालीगंज साइड) से ग्रीन कॉरिडोर मार्ग पर वाहन नहीं जाएंगे। वाहन डालीगंज इक्का तांगा स्टैंड चौराहा या सीडीआरआई तिराहा होते हुए जा सकेंगे।

कंटेनर ने छात्रों को रौंदा, दो की मौत

कोचिंग से लौट रहे थे, एक छात्रा की हालत गंभीर, आक्रोशित लोगों ने हाईवे किया जाम

रायबरेली में हादसा

संवाददाता सलोन, रायबरेली

आलम व महफूज (फाइल फोटो)

अमृत विचार। कंप्यूटर कोचिंग करके घर लौट रहे बाइक और साइकिल सवार छात्रों को अनियंत्रित कंटेनर ने कुचल दिया। जिसमें बाइक सवार दो छात्रों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि गम्भीर रूप से घायल साइकिल सवार छात्रा को ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। सूचना पर पहुंचे मृत छात्रों के परिजनों के साथ ग्रामीणों ने शव को नेशनल हाईवे पर रख दिया। इसके बाद हाइवे जाम कर पुलिस मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिए। संवेदनशीलता को देखते हुए कई थानों की फोर्स के साथ एसडीएम, सीओ और तहसीलदार पहुंचकर भीड़ को समझाने लगे। चार घंटे की मशक्कत के बाद मार्ग जाम हट सका। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस ने कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

करहिया चौकी क्षेत्र में स्थित एक कम्प्यूटर सेंटर से गुरुवार सुबह दस बजे कोचिंग करके इंटर के छात्र मोहम्मद आलम (20) पुत्र असरफ निवासी रेहुआ लालगंज अपने दोस्त महफूज खान (20) पुत्र महमूद खान निवासी पूरे खुदा बक्स अगई और साइकिल सवार बीए की छात्रा साक्षी गिरी पुत्री शिवाकांत अगई मटियारा जनपद प्रतापगढ़ घर जा रहे थे। सुबह साढ़े दस बजे के करीब तीनों छात्र नुरूद्दीनपुर टोल प्लाजा के समीप स्थित सिद्धि विनायक कोल्ड स्टोर पहुंचे थे। इसी बीच सलोन से प्रतापगढ़ की ओर जा रहे अनियंत्रित एक कंटेनर ने पहले साइकिल सवार छात्रा टक्कर मार कर घायल कर दिया। इसके बाद बाइक सवार दोनों युवकों को कुचलते हुए भाग निकला। आसपास के लोगो ने घटना की सूचना पुलिस को देकर कंटेनर का पीछा किया। वहीं घटना स्थल पर दोनों छात्रों की मौत हो गई। जबकि गम्भीर रूप से घायल छात्रा को लालगंज अझारा के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। हादसे की सूचना पर पहुंचे परिजनों ने शव को सड़क पर रखकर जाम कर दिया। इससे दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई। सूचना पर प्रशासनिक अमले के साथ पुलिस बल भी भीड़ को समझाने पहुंच गई। लेकिन भीड़ पुलिस के विरुद्ध लामबद्ध होकर मुर्दाबाद के नारे लगाने शुरू कर दिया। करीब चार घंटे बाद पुलिस ने परिजनों को सख्त कार्यवाही का आश्वासन दिया, तब जाकर मार्ग जाम बहाल हो सका। एसडीएम चन्द्र प्रकाश ने बताया कि दोनों छात्रों की मौत दुःखद घटना है। पुलिस को सख्त कार्रवाई के लिए निर्देशित किया गया है। सीओ यादवेन्द्र बहादुर पाल ने बताया की मृतक महफूज के पिता यूनुस की तहरीर पर कंटेनर चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

जाम में फंसे रहे सैकड़ों वाहन: हादसे में काल के गाल में समाए दोनों युवकों के परिजनों ने शव रखकर चार घंटे रायबरेली-जौनपुर नेशनल हाइवे जाम रखा। इस दौरान रायबरेली, प्रतापगढ़, जौनपुर, लखनऊ डिपो की बसों के साथ स्कूली छात्रों की बसे भी जाम में फंस गई। बस में सवार यात्री जाम में फंसने से परेशान हो गए।

हरदोई में केजी के छात्र को ट्रैक्टर ने रौंदा, मौत

कृष्णा की फाइल फोटो।

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार : घर से बनियान लेने निकला केजी का छात्र हादसे की चपेट में आ गया, पानी का टैंकर ले जा रहे ट्रैक्टर ड्राइवर की लापरवाही के चलते उसकी कुचलकर मौत हो गई। अतरौली थाने के जनिगांव निवासी भइया लाल राठौर का 5 वर्षीय पुत्र कृष्णा राठौर एक निजी स्कूल में केजी का छात्र था। भइया लाल राठौर ने बताया कि गुरुवार दिन में करीब तीन बजे बगल में दुकान पर बनियान लेने पुत्र गया था। इसी बीच चौराहे पर शमीम ट्रैक्टर से पानी का टैंकर ले कर पहुंचा। उसने पहले तो कृष्णा को ट्रैक्टर पर बैठाया और फिर उतार कर उसे स्टार्ट कर दिया, नतीजतन ट्रैक्टर का पहिया कृष्णा के सिर के ऊपर से निकल गया। हादसे के बाद शमीम भाग गया। कृष्णा को सीएचसी भरावन पहुंचाया गया, जहां पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। हादसा सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

शराब पीने के लिए रुपये न देने पर मां को मार डाला

कमलापुर, सीतापुर, अमृत विचार: शराब की लत में अंधे होकर एक बेटे ने ही अपनी मां को ईंट से कूचकर मार डाला। वारदात के बाद आरोपी पकड़ा गया। कमलापुर थानाक्षेत्र के ऊंचा खेरा कला गांव में हुई हत्या के मामले में आरोपी पुत्र के विरुद्ध केस दर्ज करते हुए पुलिस ने विधिक कार्रवाई की है।

कमलापुर थाना क्षेत्र के ऊंचा खेरा कला गांव में मालती (65) अपने घर पर थीं। देर रात उसका पुत्र हरिशंकर घर आया। बताते हैं कि वह शराब के अत्यधिक नशे में था। आते ही मां से और शराब पीने के लिए पैसा मांगने लगा, जिसका विरोध महिला ने किया। बस, इतनी से बात पर हरिशंकर झगड़ पड़ा और देखते ही देखते ही मां को पीटने लगा, बाद में घर के भीतर ईंट उठा लाया और ताबड़तोड़ सिर पर प्रहार कर दिए। जिससे मालती की मौके पर ही मौत हो गई। खबर पाकर एसओ कमलापुर ईतुल चौधरी पहुंच गई और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। सीओ सिधौली कपूर कुमार का कहना है कि आरोपी पहले भी मां से मारपीट करता रहा है।

एल&टी फाइनान्स लिमिटेड
(पहले एल&टी फाइनान्स होल्डिंग्स लिमिटेड के रूप में ज्ञात)
पंजीकृत कार्यालय: एल&टी फाइनान्स लिमिटेड, बृंदावन बिल्डिंग, प्लॉट नं. 177, कलीना, सीएसटी रोड, मर्सडीज़ शोरूम के पास, सांताक्रुज़ (पूर्व), मुंबई 400 098
सीआईएन नं.: L67120MH2008PLC181833
शाखा कार्यालय: उत्तर प्रदेश

L&T Finance

सोना नीलामी की सूचना

एतद्द्वारा सभी संबंधितों की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि कंपनी की निम्नलिखित शाखाओं में संबंधित कर्ज संख्याओं के अंतर्गत गिरवी रखे गए सोने के आभूषणों, जिनका मोचन कराया जाना बकाया था और जिन्हें कंपनी द्वारा बार-बार सूचना देने के बावजूद संबंधित ग्राहकों द्वारा अब तक नहीं चुकाया गया है, उनकी नीलामी कंपनी के संबंधित शाखा कार्यालयों में **सोमवार 23 मार्च 2026** को निम्नलिखित विवरणों के अनुसार की जाएगी:-

1. सहारनपुर शाखा – एल&टी फाइनान्स लिमिटेड, 2ए 1095, भीम राव अंबेडकर मार्ग, क्लॉक टॉवर के पास, मुख्य चौक, सहारनपुर, उत्तर प्रदेश. पिन कोड – 247001. फ़ोन – 9875942895 कर्ज संख्या – 163210000006732 (समय सुबह 11:00 बजे).

कृपया ध्यान दें कि यदि किसी कारणवश नीलामी उपरोक्त दिनांक पर पूरी नहीं हो पाती है, तो यह बिना किसी पूर्व सूचना के **30 मार्च 2026** को उसी स्थान और समय पर आयोजित की जाएगी.

ध्यान दें: संबंधित ग्राहक नीलामी के दिनांक से पहले आभूषणों को मुक्त करवा सकते हैं.

ध्यान दें: एल&टी फाइनान्स प्रायवेट लिमिटेड के पास अपने विवेकाधीन, किसी भी कर्ज खाते के अंतर्गत किसी भी आभूषण को बिना किसी पूर्व सूचना के नीलामी सूची से हटाने का अधिकार है.

ध्यान दें: बोलीकर्ताओं से निवेदन है कि वे पहचान पत्र, पैन कार्ड और पंजीकृत डीलरों के मामले में टिन नंबर प्रस्तुत करें. सफल बोलीकर्ता से पूरी नीलामी की राशि तुरंत आरटीजीएस/किसी अन्य अनुमत माध्यम से कंपनी को हस्तांतरित करने का निवेदन किया जाता है.

हस्ता./-
प्राधिकृत अधिकारी
एल&टी फाइनान्स लिमिटेड के लिए

उपरोक्त सूचना के बारे में किसी भी स्पष्टीकरण के लिए, कृपया 1800 268 0000 पर या संबंधित शाखा से संपर्क करें.

दिनांक: 13.03.2026
स्थान: उत्तर प्रदेश

यूपी बोर्ड: शिक्षक करते रहे इंतजार, नहीं आई परीक्षार्थी

बछरावां, रायबरेली

अमृत विचार : कस्बे के कुटी मोहल्ला में स्थित उत्कर्ष पब्लिक इंटर कॉलेज में आयोजित यूपी बोर्ड की इंटरमीडिएट परीक्षा के अंतिम दिवस के दौरान अजीब स्थिति देखने को मिली। संस्कृत विषय की परीक्षा के लिए केंद्र पर केवल एक छात्रा का पंजीकरण था, लेकिन वह भी परीक्षा देने नहीं पहुंची। इसके बावजूद परीक्षा ड्यूटी में 16 परीक्षा कर्मी तैनात रहे।

विदित हो कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की इंटरमीडिएट परीक्षा के तहत क्षेत्र के उत्कर्ष पब्लिक इंटर कॉलेज को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार गुरुवार को परीक्षा के अंतिम दिन दूसरी पाली में संस्कृत विषय की परीक्षा आयोजित होनी थी। केंद्र पर इस विषय की परीक्षा के लिए केवल एक छात्रा आस्था दीक्षित पुत्री अजय दीक्षित, निवासी बन्नावा का पंजीकरण था। जानकारी के अनुसार छात्रा पूर्व की परीक्षाओं में भी लगातार अनुपस्थित रही है। बुधवार को आयोजित संस्कृत की परीक्षा में भी वह केंद्र पर नहीं पहुंची। इसके बावजूद परीक्षा की व्यवस्था के तहत केंद्र पर 16 परीक्षा कर्मी और कक्ष निरीक्षक अपनी ड्यूटी पर मौजूद रहे। छात्रा के अनुपस्थित रहने के कारण परीक्षा कक्ष खाली ही रहा और निर्धारित समय तक केंद्र कर्मी अपनी ड्यूटी निभाते रहे।

मिथुन हत्याकांड के दो और आरोपी बंदी

निन्दूरा, बाराबंकी, अमृत विचार : कुर्सी क्षेत्र में हुए मिथुन हत्याकांड में बाकी बचे दो आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। बताते चलें कि लखनऊ के महिगवां के श्रीरामपुरवा मजरे सुभाषनगर निवासी मिथुन (22) की कुर्सी थाना क्षेत्र अंतर्गत दुर्गीपुरवा में हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने 10 लोगों को नामजद किया था। इनमें आठ को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। वहीं छह आरोपियों के घरों पर बुलडोजर भी चलवा दिया गया। हत्याकांड में पुलिस ने शेष बचे दो आरोपी शाहिल उर्फ बाली व गाटन उर्फ अब्दुल करीम निवासी ग्राम ब्राह्मणी टोला मजरे कुर्सी थाना कुर्सी को नहर कोठी के पास से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

तिरपाल में रह रही मंजू को मिलेगा आवास

रामसनेहीघाट, बाराबंकी, अमृत विचार : धरौली वार्ड नंबर-5 में रहने वाली विधवा मंजू अपनी चार मासूम बेटियों के साथ तिरपाल के नीचे रहने को मजबूर है। जानकारी मिलते ही एसडीएम अनुराग सिंह ने विधवा पेंशन का आवेदन स्वीकृत कराये जाने का निर्देश दिया। ईओ ने उसके घर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और आश्वासन दिया कि जल्द ही आवास उपलब्ध कराये जाने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

मंजू के पति सतनाम की करीब एक वर्ष पहले सड़क हादसे में मौत हो गई थी। पति के निधन के बाद परिवार का सहारा खत्म हो गया और चार छोटी-छोटी बेटियों की जिम्मेदारी अकेले मंजू के कंधों पर आ गई। ससुराल और मायके से कोई मदद न मिलने के कारण वह मजदूरी कर बेटियों का पेट भरने के लिए संघर्ष कर रही है। हालात इतने खराब हैं कि रहने के लिए पक्का घर तक नहीं है।

चलती बाइक पर गिरा पेड़, अधेड़ की मौत

मनकापुर, गोंडा, अमृत विचार : सड़क किनारे खड़ा सूखा कटहल का पेड़ अचानक गिर पड़ा, जिसकी चपेट में आने से बाइक सवार अधेड़ की मौके पर ही दबकर मौत हो गई। मछली बाजार चौकी पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल में जुट गई।

महेवानानकार गांव निवासी रामचंद्र पाल (45) पुत्र भग्गल शुक्रवार शाम करीब चार बजे बाइक से घर से निकले थे। वह तामापार में स्थित अपनी जमीन को देखने जा रहे थे। जैसे ही वह अमघटी के पास शांति फिलिंग सेंटर से कुछ दूरी आगे पहुंचे, तभी सड़क किनारे खड़ा सूखा कटहल का पेड़ अचानक गिर पड़ा और वह उसके नीचे दब गए। जब तक लोग उन्हें निकाल पाते, तब तक उनकी मौके पर ही मौत हो चुकी थी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची मछली बाजार चौकी पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ कर घटना की जानकारी जुटाई और आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

खंभे में उतरे करंट से किशोरी की मौत

करनैलगंज, गोंडा, अमृत विचार : ग्राम नकहरा में बुधवार शाम बिजली के खंभे में उतरे करंट की चपेट में आने से किशोरी की मौत हो गई। नकहरा निवासी स्व. पंचम लाल की पुत्री कामिनी (14) घर से कुछ सामान लेने दुकान गई थी। लौटते समय रास्ते में लगे बिजली के खंभे को छू लिया। उसमें करंट उतर रहा था। करंट की चपेट में आने से वह मौके पर ही गिर पड़ी और उसकी मौत हो गई।

18 को राम मंदिर की परिक्रमा करेंगे साधु-संत

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: नव संवत्सर की पूर्व संध्या पर होने वाली रामकोट की परिक्रमा को लेकर विक्रमादित्य महोत्सव समिति और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के साथ संतों की संयुक्त बैठक गुरुवार को श्रीराम वल्लभा कुंज में हुई। जिसमें नव संवत्सर में बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी इसको लेकर आह्वान किया। हनुमत सदन के महंत मिथलेश नंदनी शरण ने कहा परिक्रमा 18 मार्च को अपराह्न 3 बजे से मतगजेंद्र के पूजन के साथ प्रारंभ होगी। कहा कि अयोध्या जी की परिक्रमा पुरातन है।चौदह कोसी, पंचकोसी चौरासी कोसी के साथ रामकोट की परिक्रमा करने वाला भक्त मोक्ष प्राप्त करता है।

महंत जयराम दास महाराज ने कहा रामकोट की परिक्रमा में तो हमारे सभी आराध्य समाहित हैं। श्री सीतारामराम जी के साथ हनुमानजी और इस नगर के कोतवाल मतगजेंद्र स्वयं उपस्थित हैं। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ.अनिल मिश्रा ने कहा नव संवत्सर पर अयोध्या में चलने वाली इस परिक्रमा से लोगों की जनभावना जुड़े, इसकी एक बृहद योजना बनी हुई है। संतों के नेतृत्व में इस कार्य को पूरा किया जाएगा। बैठक में लक्ष्मण किला के महंत मैथिली रमण शरण ,श्री राम वल्लभा कुंज के अधिकारी राजकुमार, महंत रामशरण दास रामायणी, जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी अनंताचार्य, नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास, श्रीराम आश्रम के महंत जयराम दास, महामंडलेश्वर गणेशानंद दास समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

दो सगी बहनों समेत तीन लापता

बाराबंकी: अमृत विचार : ईंट भट्ठा मजदूर की दो बेटियों समेत तीन किशोरियां अचानक घर से लापता हो गईं। तलाश के बावजूद कुछ पता न लगने पर परिजनों ने इनकी गुमशुदगी दर्ज कराई है।

बड्डूपुर थाना पुलिस को दी गई तहरीर में मजदूर पिता ने बताया कि वह बिहार के नवादा जिले का रहने वाला है और वर्तमान में एक ईंट भट्ठे पर काम करता है। बुधवार सुबह करीब चार बजे उसकी दो नाबालिग बेटियां घर से बिना बताए कहीं चली गईं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर दोनों किशोरियों की तलाश शुरू कर दी है। कोतवाली रामसनेहीघाट पुलिस को पिता ने बताया कि नगर पंचायत क्षेत्र के एक वार्ड की रहने वाली युवती 11 मार्च की सुबह करीब 4 बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, निर्माण खण्ड–1, लो0नि0वि0, गोण्डा

पत्रांकः– 661/2ए   दिनांक– 10.03.2026

अल्पकालीन ई–निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आंमत्रित की जाती है।

विधानसभा मनकापुर के अन्तर्गत नवीनीकरण के कार्य

क्र0 सं0	जनपद /खण्ड का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (जी0एस0टी0 रहित लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्ष ऋतु सहित)	पात्र ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	कटरा किशुनदासपुर अकबरपुर मैनपुर दुर्जनपुर चौराहा मार्ग	19.52	1.96	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
2	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बन्धवा का मजरा चमारनपुरवा सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
3	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	भगोहर का मजरा बनियनपुरवा सम्पर्क मार्ग	3.67	0.37	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
4	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	पासिनपुरवा सम्पर्क मार्ग	1.96	0.20	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
5	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बन्दरहा सम्पर्क मार्ग	4.91	0.49	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
6	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बडकी खराहरी सम्पर्क मार्ग	6.74	0.67	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
7	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	वजीरगंज टिकरी मार्ग से कोठा सम्पर्क मार्ग	20.59	2.06	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
8	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	नगवा सम्पर्क मार्ग	26.46	2.65	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
9	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	गोण्डा फैजाबाद मार्ग से चिल्हापोखरा करनीपुर होते हुए रौजाटिकरी मार्ग तक सम्पर्क मार्ग	6.38	0.64	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
10	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	करदा सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
11	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	विरहमतपुर सम्पर्क मार्ग	29.40	2.94	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
12	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	जमलापुर चौराहा से सेहरिया सम्पर्क मार्ग	21.56	2.16	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
13	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बेइलिया सम्पर्क मार्ग	29.40	2.94	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
14	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	वित्तीय वर्ष 2018–19 में हाईस्कूल टापर योजनान्तर्गत मोहित कुमार सिंह के घर तक सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
15	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	लोहारनपुरवा सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
16	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	एम0डी0टी0 मार्ग से बाबा बलेश्वरनाथ मन्दिर तक सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
17	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बभनी सम्पर्क मार्ग	7.35	0.73	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
18	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	खीरीडीह गौरा से चोइवा सम्पर्क मार्ग	24.50	2.45	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
19	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	तालुकपुरवा सम्पर्क मार्ग	2.94	0.29	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
20	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	तुरकौली पक्की सडक से बढईपुरवा होते हुए सर्वजीतपुरवा तक सम्पर्क मार्ग	30.63	3.06	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
21	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	काजीपुर से कासिंमगंज सम्पर्क मार्ग	19.60	1.96	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
22	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	भोगचन्द्र टिकरी मार्ग से प्राथमिक स्कूल रीवा होते हुए सिंगहापुरवा सम्पर्क मार्ग	24.50	2.45	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
23	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	कासिमगंज चौराहा से कोल्हमपुर बाजार तक सम्पर्क मार्ग	26.95	2.70	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
24	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	कटरा किसुनदासपुर से मैनपुर सम्पर्क मार्ग	19.60	1.96	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
25	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	गौरिया सम्पर्क मार्ग	6.13	0.61	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
26	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	टिकरी बाजार से तिवारीपुरवा सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
27	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बैजलपुर से डिहवा होते हुए लालपुर सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
28	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बी0एफ0ए0 रोड से महेशपुर कटरा कुट्टी सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
29	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	मैनपुर का मजरा दुबौली छोटकी सम्पर्क मार्ग।	8.58	0.86	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
30	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	लक्ष्मनपुर का मजरा टिकरी सम्पर्क मार्ग।	11.02	1.10	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
31	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	सराय खत्री का मजरा पाण्डेयपुरवा सम्पर्क मार्ग।	11.63	1.16	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
32	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	यू0एफ0ए0 मार्ग किमी 50 से खत्री सम्पर्क मार्ग।	18.38	1.84	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
33	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	उतरौला–फैजाबाद इलाहाबाद मार्ग के किमी 40 से परसापुर धनवा सम्पर्क मार्ग से पाण्डेयपुरवा सम्पर्क मार्ग	14.09	1.41	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
34	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	रामापुर से चौबेपुर सम्पर्क मार्ग।	24.50	2.45	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
35	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	रामापुर सम्पर्क मार्ग।	19.60	1.96	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
36	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बैजलपुर लिंक रोड से कलापुरवा होते हुए धोबियनपुरवा सम्पर्क मार्ग।	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
37	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	कल्याणपुर सम्पर्क मार्ग।	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
38	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	भोगचन्द टिकरी मार्ग से काजीपुर सम्पर्क मार्ग।	11.63	1.16	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
39	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	तिवारीपुरवा भैरिया सम्पर्क मार्ग।	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
40	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	तेलियनपुरवा सम्पर्क मार्ग।	2.94	0.29	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
41	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	मंगलपुरवा सम्पर्क मार्ग।	1.96	0.20	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
42	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	दर्जीपुरवा सम्पर्क मार्ग।	2.94	0.29	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
43	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	पंडितपुरवा मनकापुर सम्पर्क मार्ग।	2.94	0.29	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
44	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	पाण्डेयपुरवा सम्पर्क मार्ग।	4.91	0.49	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
45	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	धोबियनपुरवा सम्पर्क मार्ग।	19.60	1.96	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
46	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	तुरकौली सम्पर्क मार्ग।	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
47	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	भोगचन्द टिकरी मार्ग किमी 11 से किसुनदासपुर दयालपुर होते हुए दौलतपुर सम्पर्क मार्ग।	18.13	1.81	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
48	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	कोटिया सम्पर्क मार्ग	3.67	0.37	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
49	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	महारानीपुरवा सम्पर्क मार्ग	6.13	0.61	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
50	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	परित्यक्त भाग से पूरे दुखी सम्पर्क मार्ग	10.42	1.04	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
51	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	उतलाहवा सम्पर्क मार्ग	6.13	0.61	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
52	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	होल्लापुर काजी का मजरा तेलियनपुरवा सम्पर्क मार्ग	6.74	0.67	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
53	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	परसाहना का मजरा परसाहना सम्पर्क मार्ग	8.58	0.86	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
54	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	कोल्हमपुर का मजरा कोटिया सम्पर्क मार्ग	11.02	1.10	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
55	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	रामापुर भगाही पहली सम्पर्क मार्ग	24.50	2.45	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
56	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	अकबरपुर चकिया से केवटनपुरवा होते हुए मिश्रौलिया सम्पर्क मार्ग	12.25	1.22	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
57	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बेलभरिया खास सम्पर्क मार्ग	30.63	3.06	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
58	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	महेश्वरसिह का पुरवा सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
59	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	वजीरगंज झिलाही मार्ग जमलापुर से विरहमतपुर से झौहना सम्पर्क मार्ग	19.60	1.96	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
60	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	भोगचन्द्र टिकरी मार्ग काजीपुर चौराहा से जंगबहादुर लाल इण्टर कालेज गडरियनपुरवा एतमादपुर बस्ती बार्डर तक सम्पर्क मार्ग	4.91	0.49	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
61	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	जटमलपुर सम्पर्क मार्ग	14.71	1.47	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
62	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	उतरौला फैजाबाद इलाहाबाद मार्ग किमी0 49 से मोहनपुर सरायखत्री जू0 हा0 स्कूल तक सम्पर्क मार्ग	12.25	1.22	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
63	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	करौदी सम्पर्क मार्ग	16.17	1.62	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
64	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बैजलपुर काली स्थान से बाबा गयादीन डिग्री कालेज तक सम्पर्क मार्ग	14.71	1.47	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
65	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	पूरे बृजघाट सम्पर्क मार्ग	6.86	0.69	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
66	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	अहिरनपुरवा सम्पर्क मार्ग	3.92	0.39	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
67	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	राज्य मार्ग मो0 हनीफ के घर से चला सम्पर्क मार्ग	2.45	0.24	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
68	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	पूरे हूबलाल सम्पर्क मार्ग	9.80	0.98	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी,ई
69	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	बाबापुर से बालापुर क्रासिंग सम्पर्क मार्ग।	19.60	1.96	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी
70	गोण्डा / निर्माण खण्ड–1	चकसिवरहा से गडरियनपुरवा सम्पर्क मार्ग।	18.13	1.81	900.00	02 माह	ए,बी,सी,डी

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट– http://etender.up.nic.in पर दिनांक 18.03.2026 से 25.03.2026 को सांय 3.00 बजे तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 25.03.2026 को दोपहर 12.00 बजे तक अपलोड/डाउनलोड किये जा सकते है। निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 25.03.2026 को दोपहर 12.30 बजे खोली जायेगी।

निविदा से संबंधित नियम/शर्तें तथा विवरण बेबसाइट http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। पंजीकृत निविदादाता द्वारा जो विवरण ई–टेण्डरिंग, एन0आई0सी0 की साइट पर अपलोड किया जाना है, को साथ ही साथ लोक निर्माण विभाग की बेवसाईट www.uppwd.gov.in के प्रहरी सॉफ़्टवेयर पर भी अपलोड करना होगा। निविदा की अन्तिम तिथि दिनांक 25.03.2026 के दोपहर 12.00 बजे तक शुद्धिपत्र यदि कोई हो, तो उसे ई–पोर्टल पर अपलोड कर दिया जायेगा।

(सुरेश राम)
अधिशासी अभियन्ता,
नि0ख0–1, लो0नि0वि0, गोण्डा

UP-247902 दिनांक 11.03.2026
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

न्यूज ब्रीफ

राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष आज करेंगी जनसुनवाई

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। 13 मार्च को विकास भवन सभागार में राज्य महिला आयोग चारु चौधरी उपाध्यक्ष द्वारा जनपद में महिला सुरक्षा एवं अधिकारों से संबंधित मुद्दों पर विशेष जनसुनवाई एवं समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी। उक्त बैठक में जनपद के समस्त संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिला उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम, पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाना तथा महिलाओं से जुड़े मामलों की प्रभावी ढंग से समीक्षा करना है। इस दौरान महिला उत्पीड़न से संबंधित लंबित प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे, ताकि पीड़ित महिलाओं को शीघ्र न्याय और उचित सहायता मिल सके। साथ ही महिला जनसुनवाई के दौरान जनपद की पीड़ित महिलाएं अपनी शिकायतें सीधे राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगी। प्राप्त शिकायतों पर मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए जाएंगे।

चार दशक पुराने हत्या के मामले में दो आरोपी बरी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अभियोजन में गंभीर खामियां मिलने पर संदेह का लाभ देकर किया दोषमुक्त

विधि संवाददाता, प्रयागराज

अमृत विचार। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने लगभग चार दशक पुराने हत्या मामले में दो आरोपियों की दोषसिद्धि रद्द कर उन्हें संदेह का लाभ देते हुए बरी करने का आदेश दिया। कोर्ट ने माना कि अभियोजन की कहानी कई गंभीर खामियों, विरोधाभासों और ठोस साक्ष्यों के अभाव से ग्रस्त है, इसलिए केवल संदेह के आधार पर आपराधिक दोषसिद्धि कायम नहीं रखी जा सकती। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने वर्ष 1984 में पारित ट्रायल कोर्ट के फैसले के विरुद्ध दाखिल अपीलों करते हुए दिया। ट्रायल कोर्ट, आगरा ने चारों आरोपियों-रघुवीर सिंह, नत्थी, जगराम और भरत को आईपीसी की धारा 302/34 और 307/34 के तहत दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा दी थी। अपील लंबित रहने के दौरान दो आरोपी रघुवीर सिंह और जगराम की मृत्यु हो गई, जिसके कारण उनके विरुद्ध अपील समाप्त हो गई। वर्तमान अपील नत्थी और भरत के संबंध में ही विचाराधीन है। मामले के अनुसार 25 मई 1983 की शाम गांव रायभा निवासी तेज सिंह, मृतक थान सिंह, शैतान सिंह और टीकम सिंह वानखंडी महादेव मंदिर के पास स्थित कुएं पर नहाने के लिए जा रहे थे। रास्ते में मृतक थान सिंह और गांव मदीहर निवासी नब्बा उर्फ नप्पा के दामाद के बीच विवाद हो गया। इसके बाद रघुवीर सिंह, भरत, नत्थी और जगराम हथियारों से लैस होकर पहुंचे और थान सिंह पर हमला कर दिया।अभियोजन के मुताबिक नत्थी और जगराम ने चाकू से वार किए, जबकि रघुवीर सिंह और भरत ने गोली चलाई। हमले में थान सिंह की मृत्यु हो गई और टीकम सिंह घायल हो गया। बाद में पुलिस ने मामला दर्ज कर चारों आरोपियों के विरुद्ध आरोपपत्र दाखिल किया। अपीलकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती देते हुए मामले में कई गंभीर खामियां बताईं।

लेखपाल की लापरवाही से विधवा का बीमा दावा खारिज करना अनुचित

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना के तहत एक किसान की मृत्यु के बाद उसकी पत्नी के बीमा दावे को केवल देरी के आधार पर खारिज किए जाने को अनुचित बताते हुए जिला प्रशासन का आदेश निरस्त कर दिया और कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों की लापरवाही के कारण लाभार्थी को योजना के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता। सामाजिक कल्याण योजनाओं का उद्देश्य संकटग्रस्त परिवारों को त्वरित आर्थिक सहायता देना है, इसलिए प्रशासन को "मानवीय और व्यावहारिक दृष्टिकोण" अपनाना चाहिए, न कि कठोर तकनीकी आपत्तियों के आधार पर दावे अस्वीकार करने चाहिए। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने लालसा देवी की याचिका स्वीकार करते हुए दिया। मामले के अनुसार याची के पति राम प्रवेश यादव एक सीमांत किसान थे, उनकी 6 सितम्बर 2016 को भैंस के हमले से मृत्यु हो गई थी। पंचनामा उसी दिन किया गया और 7 सितम्बर 2016 को पोस्टमार्टम हुआ। इसके बाद याची ने मुख्यमंत्री किसान एवं सर्वहित बीमा योजना के तहत दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया शुरू की। याची के अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि याची ने आवश्यक दस्तावेज नियमानुसार समयसीमा के भीतर संबंधित लेखपाल को दे दिए थे, लेकिन लेखपाल ने उन्हें आगे प्रेषित नहीं किया। बाद में उसका तबादला हो गया और उसने दस्तावेज नए लेखपाल को भी नहीं सौंपे, जिसके कारण दावा प्रक्रिया में देरी हुई। याची के अधिवक्ता ने यह भी बताया कि जब अंततः मामला अधिकारियों तक पहुंचा, तो बीमा समिति ने इसे मृत्यु के लगभग 20 महीने बाद दाखिल होने का हवाला देकर देरी से दाखिल मानते हुए खारिज कर दिया।

अवैध गिरफ्तारी पर जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई के निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी प्रक्रिया में गंभीर त्रुटियां और मजिस्ट्रेट द्वारा बिना न्यायिक विवेक के रिमांड आदेश पारित किए जाने को अवैध मानते हुए आरोपी की तत्काल रिहाई का आदेश दिया है। कोर्ट ने संबंधित जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू करने तथा संबंधित मजिस्ट्रेट से स्पष्टीकरण तलब किया। उक्त आदेश न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने अमन कुमार सिंह उर्फ मिक्की की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। वर्तमान याचिका में याची के खिलाफ थाना कोतवाली कोंच, जिला जालौन में दर्ज मुकदमे में अपनी गिरफ्तारी को अवैध घोषित करने तथा 6 सितंबर 2025 के रिमांड आदेश को निरस्त करने की मांग की गई थी। याची की ओर से अधिवक्ता ने तर्क दिया कि जांच अधिकारी द्वारा तैयार किया गया गिरफ्तारी मेमो पुलिस महानिदेशक के 3 जुलाई 2025 और 3 फरवरी 2026 के परिपत्रों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तारी के आधार से जुड़े कई कॉलम खाली छोड़ दिए गए हैं, जिससे पूरी गिरफ्तारी प्रक्रिया विधि के अनुरूप नहीं मानी जा सकती। इस पर कोर्ट ने माना कि उपलब्ध अभिलेखों से स्पष्ट है कि गिरफ्तारी और उसके आधार पर पारित रिमांड आदेश विधिसम्मत नहीं हैं। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के गौतम नवलखा बनाम एनआईए मामले का हवाला देते हुए कहा कि जब रिमांड आदेश पूर्णतः अवैध या यांत्रिक तरीके से पारित किया गया हो, तब बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका सुनवाई योग्य होती है। अदालत ने कहा कि इस मामले में मजिस्ट्रेट द्वारा रिमांड आदेश पारित करते समय आवश्यक न्यायिक विचार नहीं किया गया।

स्टांप रिपोर्टिंग सेक्शन में रजिस्ट्री को पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध कराने का निर्देश

विधि संवाददाता, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायालय में त्रुटिपूर्ण याचिकाएं प्रस्तुत करने के मामले में रजिस्ट्री से पूछा कि ऐसी त्रुटियां क्यों रह जा रही हैं। कोर्ट ने स्टाम्प रिपोर्टिंग सेक्शन के अधिकारियों की ऐसी लापरवाही पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि यदि याचिकाओं में पक्षकारों का विवरण, राहत प्रार्थना या दस्तावेजों में त्रुटियां रह जाती हैं तो अदालत का समय उन त्रुटियों को सुधारने में खर्च होता है। कोर्ट का काम मामलों के गुण-दोष पर निर्णय देना है, न कि याचिकाओं की तकनीकी खामियां ढूंढना। कोर्ट ने इस पर रजिस्ट्री अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा जिसके अनुपालन में स्टाम्प रिपोर्टिंग सेक्शन के तीन अधिकारियों ने सामूहिक रूप से कोर्ट के समक्ष स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया, जिसमें बताया गया कि प्रतिदिन 600-700 नई फाइलें रिपोर्टिंग के लिए आती हैं, जो छुट्टियों से पहले 900-1000 तक पहुंच जाती हैं। स्टाफ की कमी के कारण प्रत्येक रिपोर्टर को 70-80 फाइलें प्रतिदिन देखनी पड़ती हैं। रजिस्ट्रार जनरल के आदेश के अनुसार अगले ही कार्य दिवस तक रिपोर्ट लगाना अनिवार्य है। सेक्शन में कोई सेक्शन ऑफिसर तैनात नहीं है, इसलिए द्वितीय स्तर की जांच नहीं हो पाती। इस कारण अत्यधिक कार्यभार के चलते कभी-कभी अनजाने में त्रुटियां रह जाती हैं। इस पर कोर्ट ने स्टाम्प रिपोर्टरों के आचरण को उदारता से क्षमा किया, लेकिन चेतावनी दी कि यदि भविष्य में इसी प्रकार की त्रुटियां कोर्ट के समक्ष आईं तो इसे गंभीरता से लिया जाएगा। इसके साथ ही कोर्ट ने रजिस्ट्री को स्टाम्प रिपोर्टिंग सेक्शन में पर्याप्त स्टाफ और सेक्शन ऑफिसर तैनात करने का निर्देश दिया, जिससे मामलों की सही ढंग से जांच हो सके। बता दें कि अधिकारियों के अनुसार काम सुचारु रूप से चलाने के लिए सेक्शन में कम से कम 15 सहायक समीक्षा अधिकारी / समीक्षा अधिकारी, 5 सेक्शन ऑफिसर, तथा 3 चपरासियों की आवश्यकता है।

कुपोषित बच्चों की पहचान कर पहुंचाएं लाभ

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में जिला पोषण समिति की बैठक कैंप कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक में जनपद में संचालित विभिन्न पोषण संबंधी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से कहा कि जनपद में कुपोषित एवं अति कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें शासन द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ समय से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों के नियमित संचालन, बच्चों को मिलने वाले पूरक पोषण आहार के वितरण तथा गर्भवती महिलाओं की समय-समय पर स्वास्थ्य जांच और टीकाकरण की स्थिति की भी विस्तार से समीक्षा की। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि पोषण अभियान के अंतर्गत चलाए जा रहे जागरूकता कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में लोगों को संतुलित आहार, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, आशा बहुओं और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की आवश्यकता है। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि आंगनबाड़ी केंद्रों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए।

बैठक करते जिलाधिकारी। अमृत विचार

जिला स्तरीय समिति की बैठक संपन्न

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की अध्यक्षता में ब्राइवेट विलेज को कार्यान्वित किये जाने हेतु जिला स्तरीय समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समीक्षा किया गया। इसके अन्तर्गत बार्डर के 04 विकास खण्ड लोटन, बर्डपुर, शोहरतगढ़ तथा बढ़नी के 25 गांव को चयनित किया गया है। इन ग्रामों में सरकार की योजनाओं का शत-प्रतिशत अच्छादन करना है। बुनियादी सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण एवं उपलब्धता, सड़क, बिजली, पानी आदि की क्षमता वृद्धि एवं संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित करना।

दो दिन से लापता महिला का खेत में मिला शव

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर।

शारदा देवी की फाइल फोटो।

अमृत विचार। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के हाड़ापार गांव से दो दिन से लापता वृद्ध महिला की लाश गुरुवार को दक्षिण नहर के किनारे खेत में मिली। महिला के गले पर निशान थे और मुंह व नाक से खून निकला था। महिला के पहने जेवरात भी गायब थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भिजवाया। परिजनों ने गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जाहिर की।

हाड़ापार गांव की रहने वाली शारदा देवी (60) पत्नी स्वर्गीय रामललित यादव 10 मार्च की रात 8 बजे गांव स्थित समय माता मंदिर पर चल रहे विष्णु महायज्ञ में कथा सुनने गई थी। देर रात तक शारदा देवी घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने खोजबीन शुरु की। पीड़ित बेटे लक्ष्मीचंद ने बुधवार को कोतवाली खलीलाबाद में गुमशुदगी रिपोर्ट दर्ज कराई। गुरुवार की सुबह नहर किनारे गए एक व्यक्ति ने महिला का चप्पल देखा और शोर मचाया तो काफी लोग जुट गए। खोजबीन में नहर किनारे सरसों के खेत में शारदा देवी की लाश मिली। पीड़ित छोटे बेटे बबुंदर यादव का आरोप है कि मौके वारदात पर करीब 20 फिट तक उसकी मां को घसीटने जैसे हालात दिखाई दिए। उसकी मां के गले पर कालेपन के निशान थे और मुंह, नाक से खून निकला था। मां के जेवर गायब था। पूरी आशंका है कि मां की गला दबाकर हत्या की गई है। घटना की सूचना पर एएसपी सुशील कुमार सिंह, सीओ अमित कुमार, कोतवाल जय प्रकाश दूबे और फोरेसिंक टीम मौके पर पहुंच गई। एएसपी सुशील कुमार सिंह का कहना है कि डबल डॉक्टरों के पैनल से वीडियोग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम कराया गया। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद मौत की वजह स्पष्ट हो जाएगी। उसके बाद जैसी स्थिति होगी,आगे वैसी कार्रवाई की जाएगी।

छोटे बेटे की शादी का ख्वाब रहा अधूरा

17 साल पहले पति राम ललित यादव की बीमारी की वजह से मौत हो गई थी। पति की मौत के बाद घर सहेजने की जिम्मेदारी शारदा देवी ने उठाई। दो बेटे लक्ष्मीचंद यादव और रामचंदर यादव की शादी हो चुकी है। जबकि छोटे बेटे बबुंदर अविवाहित है। बेटे बबुंदर शहर में एक व्यवयायी की गाड़ी चलाते है। मां शारदा देवी की ख्वाइश थी कि छोटे बेटे की शादी भी धूमधाम से करे। पोस्टमार्टम हाऊस आए मुंडेरवा क्षेत्र के अमरडोभा गांव के रहने वाले पीड़ित भाई रामकृपाल यादव, हाड़ापार के प्रधान प्रेमचंद यादव, विजय यादव,ज्ञानचंद यादव ने भी हत्या की आशंका जाहिर की।

तालाब में डूबे छह वर्षीय बालक का शव दो दिन बाद हुआ बरामद

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। उस्का बाजार थाना क्षेत्र के संगलदीप गांव में नदी में डूबकर लापता हुए छह वर्षीय बालक का शव दो दिन बाद गुरुवार को बरामद हो गया। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया है।

गांव निवासी सुरेश ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया था कि सोमवार को अपराह्न लगभग एक बजे उनका करीब छह वर्षीय नाती ऋषिकेश पुत्र शैलेश यादव गांव के एक अन्य बच्चे के साथ नदी के पास खेल रहा था। इसी दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चला गया और डूब गया। घटना के बाद स्वजन व ग्रामीणों ने काफी खोजबीन की, लेकिन देर शाम तक बालक का कोई पता नहीं चल सका था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से तलाश शुरू कराई थी। गुरुवार को बालक का शव राप्ती नदी में बरामद हुआ। प्रभारी निरीक्षक हरेकृष्ण उपाध्याय ने बताया कि बालक ऋषिकेश के डूबने से मौत हुई है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और विधि विज्ञान प्रयोगशाला को भी सूचित किया गया है। अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ियों का होगा संचलन

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा 14 एवं 15 मार्च को आयोजित होने वाली उप निरीक्षक, नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की ऑफलाइन लिखित परीक्षा को ध्यान में रखते हुये अभ्यार्थियों की सुविधा हेतु अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ियों का संचलन किया जायेगा। 05179 छपरा-प्रयागराज रामबाग अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 13 एवं 14 मार्च को छपरा से 18.30 बजे प्रस्थान करेगी। 05180 प्रयागराज रामबाग-छपरा अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 14 मार्च को प्रयागराज रामबाग से 09.45 बजे प्रस्थान करेगी। 05180 प्रयागराज रामबाग-छपरा अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 15 मार्च को प्रयागराज रामबाग से 18.25 बजे प्रस्थान करेगी। 05192 आजमगढ़-गोरखपुर अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 13, 14 एवं 15 मार्च को आजमगढ़ से 14.00 बजे प्रस्थान करेगी। 05191 गोरखपुर-आजमगढ़ अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी गोरखपुर से 20.00 बजे प्रस्थान करेगी। 05185 गोरखपुर-बलिया अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 13, 14 एवं 15 मार्च को गोरखपुर से 20.30 बजे प्रस्थान करेगी। इन परीक्षा विशेष गाड़ियों में अनारक्षित श्रेणी के कोच लगाये जायेंगे। शाहगंज से 14 एवं 15 मार्च को चलने वाली 55134 शाहगंज-बलिया सवारी गाड़ी निर्धारित समय 15.20 बजे के स्थान पर 60 मिनट रि-शिड्यूल कर 16.20 बजे चलाई जायेगी। परीक्षा के कारण 65131 मऊ-प्रयागराज रामबाग सवारी गाड़ी 14 मार्च दिन को एवं 65132 प्रयागराज रामबाग-मऊ सवारी गाड़ी 15 मार्च को चलाई जायेगी।

सिगनलिंग की कमीशनिंग का कार्य संपन्न

गोरखपुर, अमृत विचार। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-भटनी रेल खंड पर स्थित देवरिया सदर-नूनखार स्टेशनों के मध्य 13.67 किमी. की ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग की कमीशनिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य बहुत ही सुगम तरीके से बिना ट्रेन परिचालन को प्रभावित किये सम्पन्न किया गया। इसके साथ ही, पूर्वोत्तर रेलवे पर अब तक 152.24 रूट किलोमीटर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है। वर्ष 2025-26 में अभी तक इस रेलवे पर गोविन्दनगर-बभनान (24.64 किमी.), बभनान-स्वामी नारायण छपिया (12 किमी.) तथा देवरिया सदर-नूनखार (13.67 किमी.) खंडों सहित कुल 50.31 किमी. ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूर्ण किया गया।

गाड़ियों के संचलन में परिवर्तन

गोरखपुर, अमृत विचार। गोरखपुर से 26 मार्च को चलने वाली 15031 गोरखपुर-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर गोमतीनगर 10.39 बजे पहुंचकर यात्रा समाप्त करेगी।

यह गाड़ी गोमतीनगर-लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी तथा लखनऊ जं. से 26 मार्च को चलने वाली 15032 लखनऊ जं.-गोरखपुर एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर गोमतीनगर से 16.40 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं.-गोमतीनगर के मध्य निरस्त रहेगी। बरौनी से 25 मार्च को चलने वाली 15203 बरौनी-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर बादशाहनगर में यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी बादशाहनगर-लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी तथा लखनऊ जं. से 26 मार्च को चलने वाली 15204 लखनऊ जं.-बरौनी एक्सप्रेस लखनऊ जं के स्थान पर ऐशबाग से 15.27 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं-ऐशबाग के मध्य निरस्त रहेगी। लखनऊ जं. से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 15205 लखनऊ जं.-जबलपुर एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग से 17.30 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं.-ऐशबाग के मध्य निरस्त रहेगी।

डीजल-पेट्रोल की कमी नहीं : डीएम

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर

- अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

अमृत विचार। जिले में डीजल और पेट्रोल की आपूर्ति को लेकर जिलाधिकारी आलोक कुमार ने अधिकारियों और पंप संचालकों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा है कि जनपद के सभी पेट्रोल पंपों पर ईंधन की कमी नहीं है। इसकी उपलब्धता हरहाल में सुनिश्चित की जाए और किसी भी स्थिति में जमाखोरी, कालाबाजारी या ओवररेटिंग न होने पाए।

डीएम आलोक कुमार ने बताया है कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के माध्यम से जनपद के 73 पेट्रोल पंपों पर उपभोक्ताओं के लिए डीजल और पेट्रोल की नियमित आपूर्ति की जा रही है। वर्तमान में जिले में ईंधन की उपलब्धता पर्याप्त है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। जिलाधिकारी ने सभी उपजिलाधिकारियों, पुलिस क्षेत्राधिकारियों और क्षेत्रीय खाद्य अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोल पंपों की नियमित निगरानी करें। कहीं भी डीजल-पेट्रोल का अनाधिकृत भंडारण, डायवर्जन या कालाबाजारी पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि किसी पेट्रोल पंप पर अनावश्यक भीड़ की स्थिति बनने पर संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचकर व्यवस्था सामान्य कराएं।

एसडीएम धनघटा ने जांची गैस एजेंसी की व्यवस्थाएं

संतकबीरनगर, अमृत विचार। धनघटा स्थित गैस एजेंसीज का गुरुवार को उपजिलाधिकारी धनघटा डॉ. सुनील कुमार और जिला पूर्ति अधिकारी राजीव कुमार ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान गोदाम में 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस के 231 भरे सिलेंडर तथा 19 किलोग्राम के पांच भरे गैस सिलेंडर पाए गए।

तेज एचपी एजेंसी के प्रोपराइटर ने अधिकारियों को बताया कि 11 मार्च को 14.2 किलोग्राम के कुल 450 घरेलू गैस सिलेंडर आए थे, जिनमें से शेष सिलेंडरों को मिलाकर 463 उपभोक्ताओं को डिलीवरी कर दी गई। वहीं 12 मार्च को 14.2 किलोग्राम के 810 घरेलू गैस सिलेंडर प्राप्त हुए हैं, जिनकी डिलीवरी कराई जा रही है। एजेंसी प्रतिनिधि ने बताया कि क्षेत्र में गैस की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त मात्रा में रिफिल उपलब्ध है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम व जिला पूर्ति अधिकारी ने एजेंसी संचालक को निर्देश दिया कि उपभोक्ताओं को बुकिंग के अनुसार ओटीपी सत्यापन कराकर ही गैस सिलेंडर की डिलीवरी सुनिश्चित कराई जाए। साथ ही चेतावनी दी कि घरेलू गैस का दुरुपयोग या कालाबाजारी पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गैस एजेंसी पर खड़े उपभोक्ता।

असम और नॉर्थईस्ट इलाके में कनेक्टिविटी होगी बेहतर

नई दिल्ली, अमृत विचार। इंडियन रेलवे असम और बड़े नॉर्थईस्ट इलाके में कनेक्टिविटी, एफिशिएंसी और इकोनॉमिक ग्रोथ को मजबूत करने के लिए कई बड़े कदम उठाने वाला है, क्योंकि 13-14 मार्च को प्रधानमंत्री के राज्य दौरे के दौरान कई रेलवे प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन, देश को समर्पित और लॉन्च किया जाएगा। ये पहलें इस इलाके में रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर को मॉडर्न बनाने, पैसेंजर मोबिलिटी को बेहतर बनाने, ट्रेड को सपोर्ट करने और यह पक्का करने के लिए एक बड़े कदम का हिस्सा हैं कि नॉर्थईस्ट नेशनल रेलवे नेटवर्क के साथ और भी आसानी से जुड़ जाए।

सौगात | हरिहरपुर नगर पंचायत के जगदीशपुर गौरा में 25 एकड़ भूमि उपलब्ध

संतकबीरनगर जिले में बनेगा स्पोर्ट्स कॉलेज

संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। जनपद में खेल प्रतिभाओं को नया मंच बहुत जल्द ही मुहैया होगी । मंडलायुक्त बस्ती अखिलेश सिंह के प्रयास से जिले में मंडलीय स्पोर्ट्स कॉलेज के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसके लिए नगर पंचायत हरिहरपुर के अंतर्गत राजस्व ग्राम जगदीशपुर गौरा में 25 एकड़ भूमि उपलब्ध करा दी गई है।

जिलाधिकारी आलोक कुमार ने बताया कि मंडलायुक्त के निर्देश के क्रम में तहसील धनघटा के तप्पा माडर क्षेत्र स्थित गाटा संख्या 337 में करीब 10.000 हेक्टेयर (लगभग 25 एकड़) भूमि स्पोर्ट्स कॉलेज के निर्माण के लिए मंडलायुक्त को उपलब्ध करा दी गई है। डीएम के बताया कि,मंडलायुक्त की ओर से इस संबंध में प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा। शासन स्तर से स्वीकृति मिलने के बाद कॉलेज के निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। वहीं, जिले में स्पोर्ट्स कॉलेज बनने से स्थानीय खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाएं मिल सकेंगी। साथ ही यहां के युवाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने का अवसर भी मिलेगा। इससे जनपद में खेल संस्कृति को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

जगदीशपुर गौरा में 25 एकड़ भूमि की उपलब्धता के बारे में जानकारी लेते कमिश्नर बस्ती अखिलेश सिंह और डीएम आलोक कुमार।

गाड़ियों का संचलन में किया गया बदलाव

गोरखपुर, अमृत विचार। रेलवे प्रशासन द्वारा वाराणसी मंडल के औंड़िहार-भटनी रेल खंड पर स्थित लार रोड-सलेमपुर-पिवकोल स्टेशनों के मध्य पैच डबलिंग कार्य हेतु प्री-नान इंटलॉक एवं नान इंटरलॉक कार्य किये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, मार्ग परिवर्तन, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन एवं नियंत्रण/पुनर्निर्धारण किया जायेगा। नॉन इंटरलॉक कार्य पूर्ण होने के उपरान्त इस खंड का रेल संरक्षा आयुक्त, पूर्वोत्तर परिमंडल द्वारा 25 मार्च, 2026 को संरक्षा परीक्षण किया जायेगा। इस दौरान इस रेलखंड पर चलने वाली गाड़ियों के संचलन में परिवर्तन किया जाएगा।

ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जिला संवाददाता, संतकबीरनगर।

अमृत विचार। लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर दुर्गा मंदिर मगहर के पास हुए हादसे में घायल गोरखपुर के सहजनवा क्षेत्र के युवक की बुधवार की देर शाम मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हाऊस भेज दिया।

गोरखपुर जनपद के सहजनवां थाना क्षेत्र के कुसमौल के रहने वाले 43 वर्षीय रामभजन पांडेय पुत्र राम प्रसन्न पांडेय बुधवार की शाम 04 बजे निजी काम से बाइक से सहजनवा जा रहे थे। मगहर दुर्गा मंदिर तिराहा हनुमान मंदिर के पास पहुंचे ही थे कि सड़क दुर्घटना में गंभीर रुप से घायल हो गए। घटना के बाद आस-पास के लोग जुट गए। सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए और घायल को एबुलेंस से जिला अस्पताल ले गए। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर ने देखते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम हाऊस आ पीड़ित भांजे रिंकू दूबे और कुसमौल निवासी अनूप शर्मा ने बताया कि ट्रेलर की टक्कर बाइक सवार रामभजन पांडेय घायल हो गए थे। जिन्हें रेफर किए जाने पर मेडिकल कॉलेज गोरखपुर ले जाने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। मृतक तीन भाईयों में सबसे छोटे थे।

बुग्गी की टक्कर से महिला की मौत

संतकबीरनगर, अमृत विचार। दुधारा थाना क्षेत्र के मठियापार गांव की रहने वाली एक महिला की घोड़ा-बुग्गी की टक्कर से मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गुरुवार को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष दुधारा अरविंद शर्मा ने बताया कि क्षेत्र के मठियापार गांव निवासी 55 वर्षीय कतवारी पत्नी रामरूप प्रतापति बुधवार की शाम करीब साढ़े पांच बजे घर के सामने टहल रही थीं। इसी दौरान वहां से गुजर रही घोड़ा-बुग्गी ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में उनके सिर में गंभीर चोट लग गई। परिजन घायल अवस्था में उन्हें तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

वर्ल्ड ब्रीफ

असंसदीय शब्दों की समीक्षा कर सकता है लोकसभा सचिवालय

नई दिल्ली। लोकसभा सचिवालय सदन की कार्यवाही से संबंधित असंसदीय शब्दों की सूची की समीक्षा कर सकता है। सूत्रों ने बताया, असंसदीय शब्दों की सूची में बहुत सारे शब्द शामिल हैं। सदस्य यदि इनका पूरी तरह से पालन करें तो भाषण देना मुश्किल होगा। सूची की समीक्षा किए जाने के बारे में विचार किया जा रहा है। संसद के दोनों सदनों, लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान सदस्यों को चर्चा के दौरान जिन शब्दों के इस्तेमाल से प्रतिबंधित किया गया है, उनमें जुमलाजीवी, बाल बुद्धि सांसद, शकुनि, जयचंद, लॉलीपॉप, चांडाल चौकड़ी, गुल खिलाए, पिट्ठू' जैसे शब्द शामिल हैं। ऐसे शब्दों के प्रयोग को अमर्यादित आचरण माना जाता है।

बांग्लादेश की संसद में मनमोहन सिंह और खालिदा को श्रद्धांजलि

ढाका। बांग्लादेश की संसद ने बृहस्पतिवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया और दिवंगत ईरानी नेता अयातुल्ला अली खामेनेई समेत कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय नेताओं के निधन पर शोक व्यक्त किया। देश की 13वीं संसद के पहले सत्र में शोक व्यक्त करने के लिए एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें शुरू में दिवंगत पोप फ्रांसिस और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग की पूर्व सांसद और नेता मतिया चौधरी सहित 31 नाम शामिल थे। मुख्य विपक्षी दल जमात-ए-इस्लामी के आग्रह पर 1971 के युद्ध अपराधियों के नाम भी इसमें शामिल किए गए, जिन्हें देश के मुक्ति युद्ध के दौरान फांसी दी गई थी।

पीएमएलए कोर्ट ने आईएएस अफसर की जमानत याचिका रद्द की

अहमदाबाद। विशेष पीएमएलए अदालत ने बृहस्पतिवार को आईएएस अधिकारी और सुरेंद्रनगर के पूर्व कलेक्टर राजेंद्रकुमार पटेल की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी। पटेल को जनवरी में ईडी ने रिश्वतखोरी से जुड़े धनशोधन मामले में गिरफ्तार किया था। पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश केएम सोजित्रा की अदालत ने कहा कि वह 2015 बैच के आईएएस अधिकारी पटेल द्वारा दायर नियमित जमानत याचिका को स्वीकार करने के लिए इच्छुक नहीं है।

पश्चिम एशिया संकट: युद्ध खत्म होने के आसार नहीं

ईरान के नए नेता मोजतबा खामेनेई के बयान के बाद बढ़ी अनिश्चितता, हॉर्मुज पर निर्भरता का लाभ उठाने की तैयारी

तेहरान, एजेंसी

ईरान के नए मोजतबा खामेनेई की ओर से जारी पहले बयान ने स्पष्ट संकेत दिया है कि दुनिया भर में तेल संकट की वजह बने युद्ध के अभी खत्म होने के कोई आसार नहीं हैं। उनके बयान से उस युद्ध को जारी रखने की इच्छा का संकेत मिलता है जिसने वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति, अंतरराष्ट्रीय यात्रा और खाड़ी अरब देशों को प्राप्त सापेक्ष सुरक्षा को बाधित कर दिया है।

युद्ध शुरू होने के बाद से मोजतबा खामेनेई को सार्वजनिक रूप से नहीं देखा गया है। हालांकि उनका पहला ही बयान काफी आक्रामक माना जा रहा है। युद्ध में ईरान के नेतृत्व, सैन्य और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम पर भारी असर पड़ने के बावजूद उन्होंने पीछे न हटने की मंशा जताई है। खामेनेई के बयान से पहले, ईरान के शिया धर्मतंत्र में अपेक्षाकृत उदारवादी माने जाने वाले राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने ऑनलाइन सुझाव दिया था कि युद्ध को समाप्त करने के लिए, दुनिया को ईरान के वैध अधिकारों को मान्यता देनी होगी, हर्जाना देना होगा और भविष्य में होने वाले हमलों के खिलाफ सुरक्षा की गारंटी देनी होगी।

दरअसल, ईरान वैश्विक स्तर पर इतना आर्थिक नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रहा है जिससे अमेरिका और इजराइल पर बमबारी रोकने का दबाव पड़े। ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि जब तक ईरान को किसी अन्य हमले के खिलाफ सुरक्षा गारंटी नहीं मिल जाती, तब तक उसके हमले जारी रहेंगे, जिससे यह संकेत मिलता है कि युद्धविराम या अमेरिका द्वारा जीत की घोषणा के बावजूद संघर्ष रुकेगा नहीं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने काम जल्द पूरा करने का वादा किया है, हालांकि उन्होंने दावा किया है कि ईरान लगभग पूरी तरह से नष्ट हो चुका है।

साउथ कोरिया के सियोल में बृहस्पतिवार को ईरान के स्कूल पर हमले में मारी गई बच्चियों को श्रद्धांजलि दी गई।

वैश्विक स्तर पर भारी आर्थिक नुकसान पहुंचाकर अमेरिका-इजराइल को बैकफुट पर लाने की मंशा

ईरान में अब तक 32 लाख लोग विस्थापित

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने कहा है कि ईरान में चल रहे युद्ध के कारण लगभग 32 लाख लोग विस्थापित हुए हैं। एजेंसी ने बताया कि इनमें से अधिकांश लोग तेहरान और अन्य प्रमुख शहरों से भागकर देश के उत्तरी भाग या ग्रामीण क्षेत्रों की ओर चले गए हैं। ईरानी अधिकारियों ने पीछे हटने की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया है।

लेबनान में विस्थापित साढ़े सात लाख के पार

एजेंसी की ओर से कहा गया है कि लेबनान में कम से कम 759,000 लोग आंतरिक रूप से विस्थापित हुए हैं। बृहस्पतिवार को इजराइल की सेना ने दक्षिणी लेबनान के एक और बड़े इलाके के निवासियों को उनके घर छोड़ने की चेतावनी दी। उसने कहा कि उन्हें जहरानी नदी के उत्तर में चले जाना चाहिए, जिसका मध्य बिंदु इजराइल की सीमा से लगभग 56 किलोमीटर दूर है।

तेल की कीमतों से ज्यादा महत्वपूर्ण ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को कहा कि ईरान में दमनकारी साम्राज्य को रोकना उनके लिए तेल की कीमतों से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। पश्चिम एशिया में जहाजों और तेल अवसंरचना पर ईरानी हमलों के कारण कच्चे तेल की कीमतें 100 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई हैं। ट्रंप ने 'ट्रुथ सोशल' पर एक पोस्ट में कहा, अमेरिका दुनिया का सबसे बड़ा तेल उत्पादक देश है, इसलिए जब तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो हमें बहुत फायदा होता है लेकिन राष्ट्रपति के रूप में मेरे लिए कहीं अधिक महत्वपूर्ण मुद्दा ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है, ताकि वह पश्चिम एशिया और वास्तव में पूरी दुनिया को नष्ट न कर दे। ईरान पर हमले शुरू होने के बाद से विदेश मंत्री मार्को रुबियो समेत व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने सांसदों के साथ वार्ता की हैं। हालांकि, ऐसी खबरें भी हैं कि ट्रंप युद्ध में हासिल की गई प्रगति को लेकर मिलेजुले संकेत दे रहे हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में मीडिया पर 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के उद्देश्यों के बारे में मिलीजुली जानकारी फैलाने का आरोप लगाया।

- तेल कीमतें बढ़ती हैं तो अमेरिका को होता है लाभ

अमेरिका को बहुत महंगा पड़ रहा है युद्ध

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) ने अमेरिकी सांसदों को जानकारी दी है कि ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के पहले छह दिनों में ही 11.3 अरब अमेरिकी डॉलर से ज्यादा का खर्च आ चुका है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा कांग्रेस को प्राप्त अब तक का सबसे व्यापक प्रारंभिक अनुमान है। हालांकि, इसमें हमले शुरू होने से पहले सैन्य साजो-सामान और कर्मियों की तैनाती पर हुआ खर्च शामिल नहीं है। सांसदों का मानना है कि जैसे-जैसे पेंटागन पहले सप्ताह के खर्चों की पूरी गणना करेगा, यह संख्या काफी बढ़ सकती है। अभियान के शुरुआती दिनों में अमेरिका ने अत्यधिक सक्षम और सटीक निशाना लगाने वाले 'एजीएम-154 ग्लाइड बम' जैसे हथियारों का इस्तेमाल किया है। इनमें से एक अकेले बम की कीमत 5.7 लाख डॉलर से 8.3 लाख डॉलर के बीच होती है। अमेरिकी नौसेना ने करीब दो दशक पहले ऐसे 3,000 बम खरीदे थे, जिनका अब बड़े पैमाने पर उपयोग किया जा रहा है।

इससे पहले एक रिपोर्ट में बताया था कि 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल द्वारा संयुक्त रूप से शुरू किए गए हमलों के पहले दो दिनों में ही लगभग 5.6 अरब डॉलर के हथियारों का इस्तेमाल कर लिया गया था। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि जिस तेजी से युद्ध का खर्च बढ़ रहा है, वह अमेरिकी बजट और घरेलू राजनीति के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकता है।

पेंटागन की रिपोर्ट

प्रारंभिक गणना के मुताबिक पहले छह दिनों का खर्च 11.3 अरब डॉलर, पूरी गणना के बाद और बढ़ेगी ये राशि

बजट और घरेलू राजनीति के लिए एक बड़ी चुनौती

शुरू में एजीएम 154 ग्लाइड बम का किया इस्तेमाल, आठ लाख डॉलर का है एक बम

रणनीतिक भंडार से 17.2 करोड़ बैरल तेल जारी करेगा अमेरिका

न्यूयॉर्क। ईरान के साथ जारी संघर्ष के बीच बढ़ती तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका ने अपने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व से 17.2 करोड़ बैरल तेल बाजार में जारी करने की घोषणा की है।

अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने एक बयान में बताया कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के 32 सदस्य देश राष्ट्रपति ट्रंप के उस अनुरोध पर सर्वसम्मति से सहमत हो गए हैं, जिसमें ऊर्जा की कीमतों को कम करने के लिए एक समन्वित प्रयास के तहत अपने संबंधित भंडारों से कुल 40 करोड़ बैरल तेल और रिफाइंड उत्पाद जारी करने की बात कही गई थी। ऊर्जा मंत्री के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऊर्जा मंत्रालय को अपने हिस्से के 17.2 करोड़ बैरल तेल जारी करने के लिए अधिकृत कर दिया है। यह प्रक्रिया अगले सप्ताह से शुरू होगी और योजनाबद्ध डिस्चार्ज रेट के आधार पर इसे बाजार तक पहुंचाने में लगभग 120 दिन लगेंगे।

तेल की कीमतें फिर 100 डॉलर के पार

दुबई। फारस की खाड़ी में पोत परिवहन और ऊर्जा अवसंरचना पर ईरान के लगातार हमलों के कारण बृहस्पतिवार को तेल की कीमतें फिर 100 अमेरिकी डॉलर बैरल से ऊपर पहुंच गईं। अमेरिकी और इजराइली हमलों ने इस्लामिक गणराज्य पर कहर बरपाया। युद्ध के अंत के कोई स्पष्ट संकेत नजर नहीं आ रहे हैं।

ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों की मदद कर रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत सरकार ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों की मदद कर रही है। जो भारतीय अजरबैजान और आर्मेनिया के रास्ते वापस भारत आना चाहते हैं, उन्हें वीजा दिलाने और जमीन के रास्ते सीमा पार कराने में भी सहायता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि ईरान में करीब 9,000 भारतीय नागरिक मौजूद थे या अभी भी हैं। इनमें छात्र, नाविक, कारोबारी, पेशेवर लोग और कुछ तीर्थयात्री शामिल हैं। कई भारतीय नागरिक, खासकर छात्र, देश छोड़कर वापस भारत पहुंच चुके हैं।

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा- भारत-ईरान के विदेश मंत्रियों ने तीन बार बातचीत की

जायसवाल ने कहा कि भारत और ईरान के विदेश मंत्रियों के बीच पिछले कुछ दिनों में तीन बार बातचीत हुई है। उन्होंने कहा कि भारत के विदेश मंत्री अपने ईरानी विदेशमंत्री के साथ लगातार संपर्क में हैं। युद्ध का असर हर जगह दिखाई दे रहा है और इससे कई देशों के लोगों का जीवन प्रभावित हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संघर्ष का असर केवल एक देश तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर के कई देशों और लोगों पर पड़ रहा है। जायसवाल ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खाड़ी देशों के कई नेताओं से बातचीत की है। प्रधानमंत्री ने संवाद और कूटनीति के जरिए जल्द शांति बहाल करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने बातचीत में नागरिकों को होने वाले नुकसान से बचाने और आम लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

विदेश मंत्रालय के मुताबिक खाड़ी सहयोग परिषद देशों में बड़ी संख्या में भारतीय समुदाय रहता है, इसलिए उनकी सुरक्षा और कल्याण भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

पूर्व सीजेआई को बचाया था, केंद्र सरकार से दिलाएं एक करोड़ का खर्च

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने बृहस्पतिवार को एक अधिवक्ता की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें केंद्र को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि उन्हें 2018 में तत्कालीन सीजेआई दीपक मिश्रा को बचाने'' के लिए दायर किए गए छह मामलों के लिए शुल्क और खर्च के रूप में उसे एक करोड़ रुपये का भुगतान किया जाए। सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ ने याचिका को पूरी तरह गलत धारणा पर आधारित बताया। सुप्रीम कोर्ट लखनऊ के अधिवक्ता अशोक पांडे की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई कर रहा था जिसमें उन्होंने पिछले साल मार्च में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ के एक आदेश को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने केंद्र को उनके की ओर से दायर किए गए छह मामलों के लिए शुल्क और खर्च के रूप में एक करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश देने का अनुरोध किया था। पांडे ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि उन्होंने तत्कालीन सीजेआई मिश्रा का बचाव करने के लिए छह मामले दायर किए थे। उन मामलों में मुकदमेबाजी के लिए दो लाख रुपये का खर्च आया था और उन्होंने इसके लिए अपनी बेटी से पैसे लिए थे। सीजेआई ने पूछा, न्यायाधीशों के खिलाफ तरह-तरह के आरोप लगाने के बाद, अब आप माननीय शब्द का इस्तेमाल क्यों कर रहे हैं। याचिकाकर्ता ने जनवरी 2018 में सुप्रीम कोर्ट के तत्कालीन चार वरिष्ठतम न्यायाधीशों की ओर से आयोजित संवाददाता सम्मेलन का हवाला दिया। उन्होंने कहा, न्यायाधीश प्रधान न्यायाधीश के खिलाफ संवाददाता सम्मेलन नहीं कर सकते और यह नियमों के खिलाफ था। सीजेआई ने कहा, आपने संस्था को समाज सेवा प्रदान की। समाज सेवा हमेशा अमूल्य होती है। इसका मूल्यांकन एक करोड़ या दो करोड़ में कैसे किया जा सकता है।

पश्चिम बंगाल में दो चरणों में हो सकते हैं चुनाव

कोलकाता। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा है कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव दो चरणों में होने की संभावना है। अधिकारियों ने कहा कि निर्वाचन आयोग के नई दिल्ली कार्यालय में एक और दौर की बैठक के बाद इस संबंध में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। निर्वाचन आयोग के अधिकारी ने कहा, पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव अगले महीने से दो चरणों में होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस को छोड़कर राज्य की अधिकतर राजनीतिक पार्टियों ने कोलकाता में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ अपनी हालिया बैठक के दौरान एक या दो चरणों में चुनाव कराने की मांग की थी। अधिकारियों से भी इसी तरह के सुझाव मिले थे। उन्होंने कहा, चुनाव दो चरणों में कराने से चुनाव संबंधी हिंसा को रोकने में मदद मिलेगी क्योंकि उपद्रवियों को एक जगह से दूसरी जगह जाने का समय नहीं मिलेगा। अंतिम निर्णय लेने से पहले इस पहलू पर भी विचार किया जाएगा। पश्चिम बंगाल में एक ही चरण में मतदान होगा या नहीं इस सवाल पर उन्होंने कहा, हमने 2024 में 288 सीट वाले महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव एक ही चरण में कराया थे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना
मैं सनोज कुमार पुत्र ठाकुरदीन पता 62/9 बी भाभा नगर सनिगवा रोड कानपुर नगर उ0 प्र0 मैने अपने पुत्र का नाम श्रेयस सनोज निषाद पुत्र सनोज कुमार का नाम परिवर्तित करके अभिराज सिंह कर दिया है। अत: श्रेयस सनोज निषाद के स्थान पर परवर्तित नाम अभिराज सिंह के नाम से संम्बोधित किया जाए।

सूचना
सूचित किया जाता है की मैने पी.एन.बी. मेट लाइफ से पालिसी 21396035 कराया था। जिसमे मेरे पिता का नाम लखिलेश लिखा है जो की गलत है। जबकि हमारे समस्त डाक्युमेंट पैन , आधार और बैंक मे राम अभिलाख लिखा है। जिसे सत्य माना जाये। **प्रयाग दत्त पुत्र राम अभिलाख ग्राम पुरे बसई चितई जिला गोंडा**

सूचना
मेरा नाम उमेश सिंह है पासपोर्ट में जैसराज सिंह लिख गया है मेरा ही दोनों नाम है , **उमेश सिंह पुत्र ओमकार सिंह सोमरहा ,रेहरा बाजार बलरामपुर**

सूचना
मैं **रईस अहमद पुत्र अब्दुल मजीद, निवासी 371/129, सुल्तानपुर गढैइया,, थाना सआदतगंज, लखनऊ, उ0प्र0**, मैं अपने छोटे पुत्र शब्बीर अहमद व उसकी पत्नी राजिया के गलत चाल चलन से अत्याधिक शारीरिक व मानसिक रूप पीड़ित रहता हूँ उन दोनों का चालो चलन ठीक नहीं है वह आये दिन मुझसे गाली गलौज व लड़ते झगड़ते रहते है, जान से मारने की धमकी देते हैं उनकी इन हरकतो से तंग आकर अपने छोटे पुत्र शब्बीर अहमद व उसकी पत्नी राजिया के गलत व्यवहार एवं आचरण के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। अब मेरा उपरोक्त से कोई वास्ता व सरोकार नही रहेगा, उपरोक्त छोटे पुत्र व पुत्रवधू के समस्त क्रिया कलापों एवं खराब आचरण के प्रति वह स्वयं जिम्मेदार होगा।

सूचना
मेरा बैंक आफ़ बड़ौदा खाता सं0 00610100039493 में नाम गायत्री व पता शुक्लागंज दक्षिण उन्नाव अंकित है। सही नाम गायत्री शुक्ला पुत्री स्व0 रामसुन्दर तथा पता मं. सं. 4/139, आर्यावर्त ग्रामीण बैंक, राजधानी मार्ग, नेतुवा, उन्नाव है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

Public Notice
I Mohammad Wafi Ansari s/o Mohammad Akhtar r/o Khatrana road near champa devi Raebareli U. P. Have changed my name and shall hereafter be known Mohd Wafi Ansari S/O Mohd Akhtar

सूचना
हमारे आधार कार्ड सहित समस्त पहचान अभिलेखों में मेरा नाम सर्वेश कुमार मौर्य अंकित है, जबकि मेरी पत्नी सुष्मिता मौर्य के पासपोर्ट में सर्वेश मौर्य लिखा है। हमें इन दोनों नामो से जाना व पहचाना जाता है। अत: मेरी पत्नी के पासपोर्ट में मेरा नाम सर्वेश कुमार मौर्य अंकित किया जाना आवश्यक है। **सर्वेश कुमार मौर्य पुत्र राम सुन्दर मौर्य निवासी मौर्य क्लॉथ स्टोर शांति नगर पानी टंकी के पास लालगंज जिला रायबरेली उ0 प्र0।**

सूचना
मेरे आधार कार्ड, पासपोर्ट आदि में मेरा नाम SHAHID ALI अंकित है। मेरी पत्नी MARIYAM TAHIRA, पुत्र MOHAMMAD AHMAD व पुत्रियों TUBA SHAHID एवं TAYYABA SHAHID के आधार कार्ड, पासपोर्ट आदि में मेरा नाम SYED SHAHID ALI अंकित है। SHAHID ALI व SYED SHAHID ALI दोनो नाम एक ही व्यक्ति के अर्थात मेरे ही हैं। **शाहिद अली पुत्र अनवार अली निवासी-425/019 ए, बिस्मिल नगर अम्बर गंज, लखनऊ।**

कार्यालय-मुख्य पशु चिकित्साधिकारी बाराबंकी
पत्रांक: 2517 /लेखा/टेण्डर / 2026-27 दिनांक : 12/03/2026
प्रकाशनार्थ
ई-टेण्डर नोटिस
वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद बाराबंकी के अन्तर्गत बृहद गोसंरक्षण केन्द्र एवं विभिन्न विकास खण्डों में स्थापित अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल पर संरक्षित पशुओं के भरण-पोषण हेतु चारे की व्यवस्था अन्तर्गत दिनाँक 01-04-2026 से 31-03-2027 तक साइलेज (मक्का / ज्वार) की आपूर्ति हेतु प्रति कुन्तल की दर अनुबन्ध में एकरूपता बनाये रखने एवं न्यूनतम दर वाली फर्म के चयन हेतु विभिन्न फर्मो/एजेन्सियों से आनलाइन ई-निविदा उ0प्र0 की वेबसाइट (http://etender.up.nic.in) के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता द्वारा निविदा की समस्त नियम व शर्ते उक्त वेबसाइट से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है। दिनाँक 13-03-2026 से निविदा प्रस्तुत किया जा सकता है। निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 25-03-2026 (अपरान्ह 12.00 बजे तक) होगी तथा निविदा उसी दिन दिनाँक 25-03-2026 (अपरान्ह 2.00 बजे) को खोली जायेगी।
(डा0 विनोद कुमार)
मुख्य पशु चिकित्साधिकारी
बाराबंकी।

कार्यालय-मुख्य पशु चिकित्साधिकारी बाराबंकी
पत्रांक: 2516 /लेखा/टेण्डर / 2026-27 दिनांक : 12/03/2026
प्रकाशनार्थ
ई-टेण्डर नोटिस
वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद बाराबंकी के अन्तर्गत बृहद गोसंरक्षण केन्द्र एवं विभिन्न विकास खण्डों में स्थापित अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल पर संरक्षित पशुओं तथा दैवीय आपदा (बाढ / सूखा) के समय बाढ/सूखा प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के भरण-पोषण हेतु चारे की व्यवस्था अन्तर्गत दिनाँक 01-04-2026 से 31-03-2027 तक भूसे (गेहूँ) की आपूर्ति हेतु प्रति कुन्तल की दर अनुबन्ध में एकरूपता बनाये रखने एवं न्यूनतम दर वाली फर्म के चयन हेतु विभिन्न फर्मो/एजेन्सियों से आनलाइन ई-निविदा उ0प्र0 की वेबसाइट (http://etender.up.nic.in) के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता द्वारा निविदा की समस्त नियम व शर्ते उक्त वेबसाइट से निविदा प्रपत्र डाउनलोड कर प्राप्त किया जा सकता है। दिनाँक 13-03-2026 से निविदा प्रस्तुत किया जा सकता है। निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 24-03-2026 (अपरान्ह 12.00 बजे तक) होगी तथा निविदा उसी दिन दिनोंक 24-03-2025 (अपरान्ह 2.00 बजे) को खोली जायेगी।
(डा0 विनोद कुमार)
मुख्य पशु चिकित्साधिकारी
बाराबंकी।

गूगल मैप्स में बदलाव, अब एआई की मदद से सुझाएगा सटीक रास्ता

न्यूयॉर्क, एजेंसी

- आस्क मैप्स और इमर्सिव नेविगेशन नाम की दो नई सुविधाएं जुड़ेंगी इस एप में

दिग्गज कंपनी गूगल ने बृहस्पतिवार को अपने डिजिटल मानचित्र मंच ''गूगल मैप्स'' में बड़े बदलाव की घोषणा करते हुए कहा कि अब यह सेवा लोगों को कहीं जाने की योजना बनाने और वहां पहुंचने का बेहतर तरीका बताने के लिए एआई का अधिक इस्तेमाल करेगी।

गूगल की 'जेमिनी' प्रौद्योगिकी से संचालित इस बदलाव के तहत मैप्स में दो नई एआई आधारित सुविधाएं जोड़ी जाएंगी। दुनिया भर में 200 करोड़ से अधिक लोग इस सेवा का इस्तेमाल करते हैं। पहली सुविधा 'आस्क मैप्स' है, जो उपयोगकर्ताओं को बातचीत के अंदाज में सुझाव देगी। इसके जरिये उपयोगकर्ता मोबाइल चार्ज करने की नजदीकी जगह, कम भीड़ वाले कैफे या कई ठहराव वाली सड़क यात्रा के लिए विस्तृत यात्रा कार्यक्रम जैसी जानकारी पूछ सकेंगे। कंपनी ने बताया कि जेमिनी के सुझाव 30 करोड़ से अधिक स्थानों के डेटाबेस और 50 करोड़ से ज्यादा योगदानकर्ताओं की समीक्षा पर आधारित होंगे। ''आस्क मैप्स'' सुविधा शुरुआत में गूगल मैप्स के मोबाइल ऐप पर अमेरिका और भारत में आईफोन एवं एंड्रॉयड उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध होगी। इसे बाद में कंप्यूटर और अन्य देशों में भी शुरू किया जाएगा।

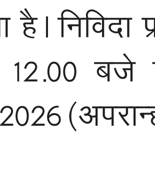

दूसरी नई सुविधा 'इमर्सिव नेविगेशन' है, जिसे गूगल ने मैप्स के ड्राइविंग निर्देशों में अब तक का सबसे बड़ा बदलाव बताया है। यह सुविधा तीन-आयामी दृश्य के माध्यम से उपयोगकर्ताओं को रास्ते की बेहतर समझ देगी। इसमें जेमिनी द्वारा तैयार 3डी दृश्य में प्रमुख इमारतें, सड़क के बीच बने डिवाइडर और आसपास का भू-भाग भी दिखेगा, जिससे वाहन चालकों को रास्ता समझने में आसानी होगी। यह सुविधा एक ही गंतव्य तक पहुंचने के लिए अलग-अलग मार्गों के फायदे एवं नुकसान भी बताएगी। इसके अलावा गंतव्य पर पहुंचने के बाद पार्किंग के बेहतर स्थानों की जानकारी भी दे सकेगी। गूगल ने कहा कि उसका एआई सुरक्षा ढांचा इतना मजबूत हो गया है कि जेमिनी प्रौद्योगिकी अब गलत या अस्तित्वहीन स्थान दिखाने जैसी समस्या से बच सकेगी।

कार्यालय नगर निगम अयोध्या
पत्रांक: 1108/न0नि0 अयो0 / ई-निविदा / 2026 दिनांक: 12/03/2026
ई-निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)
नगर निगम अयोध्या के निर्माण विभाग द्वारा पुनरोद्वार /विस्तारीकरण एवं मेला मद की स्वीकृति के प्रत्याशा मे कुल 03 कार्यो (सी0सी0 सड़क एवं नाली एवं शौचालय हेतु) की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यो के लिए निविदा दे सकते है। निविदादाता को प्रत्येक कार्य हेतु निविदा मूल्य तथा जमानत धनराशि अलग-अलग आनलाइन Net Banking (NEFT/RTGS)/UPI/Debit/Credit card के माध्यम से Link-httbs:// emdnagarnigamayodhya.in/loginwithotp से अन्तरित करना होगा। तत्कम में ई-निविदा निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी ई-प्रक्योरमेन्ट की बेबसाइट www:// etender.up.nic-in से प्राप्त की जा सकती है। उपरोक्त के संबंध में व्यक्तिगत रुप से जानकारी निर्माण विभाग नगर निगम अयोध्या से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त की जा सकती है।

वेवसाइट पर निविदा अपलोड होने की तिथि	13.03.2026
निविदा की अन्तिम तिथि	24.03.2026 दोपहर 02.00 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	24.03.2026 दोपहर 04.00 बजे

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम अयोध्या

सवाल करने की शक्ति सभी मानव प्रगति का आधार है।
-इंदिरा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री

यह सख्ती जरूरी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सूबे में पेट्रोल-डीजल तथा घरेलू और व्यावसायिक गैस के बारे में भारी किल्लत की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ सख्त दंड की चेतावनी दी है, तो वहीं प्रधानमंत्री ने भी कहा है कि अफवाहों पर ध्यान न दें। बेशक, आपदा में अवसर तलाशने वाले जब मात्र आशंका को संकट बता कर अपने लाभ के लिए विभिन्न माध्यमों के जरिए अफवाह फैलाकर उसे भुना रहे हों और जब इससे आम जनता में भारी अफरातफरी की मच सकती हो, तब सरकार का यह सख्त कदम अत्यंत उचित और सामयिक है।

इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता कि पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध ने तेल संकट गहरा दिया है और इसकी वजह से वैश्विक स्तर पर तेल और गैस ईंधन की किल्लत आ सकती है। देश के कई राज्यों में कमर्शियल गैस सिलेंडरों को प्राथमिकता और आवश्यकतानुसार ही आपूर्ति हो रही है। कुछ राज्यों और शहरों के होटल संगठनों ने गैस की आपूर्ति कम होने और व्यवसाय के संकट की बात दर्ज कराई है। गैस एजेंसियों ने घरेलू गैस बुकिंग में चार दिन के बढ़ोतरी कर दी है। पर यह सब होने के बावजूद अभी यह संकट इतना नहीं गहराया है कि देश में जीवाश्म ईंधन का अकाल पड़ गया हो, सरकार के अनुसार हमारे पास अभी भी काफी रिजर्व है और हम दूसरे देशों तथा रास्तों से तेल और गैस आपूर्ति के तरीके तलाश चुके हैं। दो एलएनजी कार्गो भारत पहुंच रहे हैं, रूस से तेल खरीद 50 फीसद बढ़ा दी गई है। इसके अलावा तेल गैस समस्या के दूसरे समाधानों पर भी प्रयास जारी है। निःसंदेह, तेल और गैस संबंधी अफवाहें बाजार और सियासत की चालें ज्यादा लगती हैं, वास्तविकता कम। असल में किसी जिंस या वस्तु की कमी की अफवाहें फैला कर जमाखोरी, मुनाफाखोरी और आमजन का भयादोहन कर पैसे बनाने के प्रवृत्ति हमारे बाज़ार में पुरानी है। आज तो संकट की प्रत्यक्ष आशंका भी है, पर कभी-कभी देश के किसी राज्य अथवा किसी क्षेत्र में अचानक, नमक, खाद्य तेल, अथवा ऐसे ही रोजमर्रा के अत्यावश्यक सामान की आवक न आने अथवा कमी की अफवाह उड़ा कर जनता को अतिरिक्त खरीदारी के लिए उकसाया जाता है। देखते-देखते ही जमाखोरों के कारण सामान की वास्तव में किल्लत हो जाती है, उसके दाम महंगे। देश में बहुत से लोग तकरीबन रोज की कमाई पर जिंदा हैं। उनके पास अतिरिक्त या अधिक खरीद की क्षमता ही नहीं है। वे अलग मुश्किल में पड़ जाते है, फिलहाल वैश्विक तेल संकट के मद्देनजर इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा इमरजेंसी तेल स्टाक, 40 करोड़ बैरल तेल उपलब्ध कराने जा रहा है। भारत भी घरेलू संकट निवारण की पूर्व नियोजित आवश्यक कार्रवाई कर रहा है।

सोशल मीडिया के समय में अफवाहें आसानी से और प्रभावी तरीके से फैला, सरकार की अक्षमताओं को परिवर्धित कर दिखाना आसान है। ऐसे गाढ़े समय का राजनीतिक लाभ लेना कतई उचित नहीं है। जनता में भय फैलाने के बजाए ईंधन के विवेकपूर्ण इस्तेमाल के लिए जागरूकता फैलाना जरूरी है। उम्मीद है, मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद अफवाहों पर रोक लगेगी।

प्रसंगवश

भारत में धुंधली पड़ रही है मौसम की सीमा रेखा

भारत की पारंपरिक पहचान उसके विविध ऋतु-चक्र से रही है, लेकिन अब यह चक्र पूरी तरह से टूट चुका है। 'सेंटर फार साइंस एंड एनवायरनमेंट' (सीएसई) एवं 'डाउन टू अर्थ' की नई रिपोर्ट 'इंडिया क्लाइमेट 2025' ने एक डरावनी तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत अब एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुका है, जहां 'चरम मौसम' कोई अपवाद नहीं, बल्कि रोजमर्रा की हकीकत बन गया है। मौसम के ताजा आंकड़ों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में अधिकतम तापमान लगभग 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। यह तापमान इस समय के लिए सामान्य से अधिक माना जा रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी तेज गर्मी मार्च के शुरुआती दिनों में कम ही देखने को मिलती है।

रोहित माहेश्वरी
स्वतंत्र पत्रकार

सीएसई ने मौसम विभाग, गृह मंत्रालय के आपदा प्रबंधन विभाग एवं विभिन्न राज्यों की एजेंसियों की रिपोर्ट के आधार पर विश्लेषण किया है। साथ ही साल 2022 से सितंबर 2025 तक लगभग 1500 दिनों की भारत की मौसम संबंधी आपदाओं का एक नया नक्शा तैयार किया है। अध्ययन का सबसे चौंकाने वाला निष्कर्ष यह है कि भारत में ऋतुओं का आपस में विलय हो रहा है। सर्दी, गर्मी और वर्षा के बीच की स्पष्ट रेखाएं अब धुंधली पड़ चुकी हैं।

आंकड़े बताते हैं कि साल 2025 के पहले नौ महीनों (जनवरी से सितंबर) के दौरान देश ने लगभग 99 प्रतिशत दिन चरम मौसम की मार झेली है। इसका मतलब है कि इन 273 दिनों में से शायद ही कोई ऐसा दिन रहा हो, जब भारत के किसी न किसी हिस्से में भारी वर्षा, लू, ओलावृष्टि या चक्रवात जैसी आपदा न आई हो। उत्तर प्रदेश में भी गर्मी का असर तेजी से बढ़ने लगा है। तीन साल बाद मार्च के पहले सप्ताह में ही तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस महीने तापमान 40 डिग्री तक पहुंच सकता है। 2025 में, मार्च के पहले सप्ताह के दौरान, उत्तर प्रदेश के अधिकांश शहरों में दिन का तापमान 29 से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि रात का तापमान लगभग 14 से 19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, पहली मार्च 2026 को दिन का अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो पिछले तीन वर्षों में मार्च की शुरुआत का उच्चतम तापमान है। इससे पहले 2023 में, पहली मार्च को दर्ज किया गया अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस था। मौसम विज्ञानियों के अनुसार, मार्च की शुरुआत में इतना अधिक तापमान इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में गर्मी तेजी से बढ़ सकती है।

जाहिर है मौसम के मिजाज में आ रहे इस असामान्य बदलाव का हमारे जीवन और आजीविका पर गहरा प्रभाव आने वाले दिनों में नजर आएगा, जिसको लेकर देशव्यापी चर्चा जारी है। विशेषकर उत्तर भारत के कृषि क्षेत्र में इसके नकारात्मक आर्थिक परिणामों को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। वास्तव में, मौसमी बदलाव फलों के नाजुक जैविक चक्र को बाधित कर रहा है, जिसके चलते उपज में भारी नुकसान के साथ-साथ गुणवत्ता में गिरावट की आशंका व्यक्त की जा रही है।

कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि मार्च का महीना किसानों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है। तापमान में वृद्धि से रबी की फसलों, विशेषकर गेहूं पर असर पड़ेगा। गर्मी के कारण अनाज का पूर्ण विकास नहीं हो पाएगा, जिससे पैदावार कम होगी। गर्म हवाओं से सरसों, चना और मटर जैसी फसलों को नुकसान हो सकता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

वैश्विक तनाव और घरेलू चिंताएं बढ़ाता युद्ध

विवेक सक्सेना
अयोध्या

पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष, तनाव और होर्मुज जल मार्ग के रास्ते होने वाली तेल और गैस आपूर्ति पर छाए गहरे संकट से कच्चे तेल की कीमतें जिस तरह आसमान छू रहीं हैं, उससे न सिर्फ विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष संकट गहराता जा रहा है, अपितु इसका असर अब भारत पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। देशभर में एलपीजी की किल्लत से आम आदमी के साथ-साथ होटल और रेस्टोरेंट संचालक परेशान हैं। वर्तमान संकट ने साबित किया है कि देश केवल तेल उत्पादक देशों में अस्थिरता के कारण ईंधन की कमी झेलने को मजबूर हो सकता है।

पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कमी ने होटलों, रेस्तरां और भोजनालयों को बुरी तरह प्रभावित किया है, जिससे उन्हें मेन्यू में कटौती करनी पड़ रही है या वैकल्पिक ईंधन का उपयोग करना पड़ रहा है। भारतीय रेलवे का खानपान एवं पर्यटन निगम भी इससे अछूता नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, रेलवे ट्रेनों में पका हुआ भोजन परोसना अस्थायी रूप से बंद करने पर विचार कर रहा है, जिन यात्रियों ने टिकट बुक करते समय भोजन पहले से बुक किया था, उन्हें रिफंड जारी किया जाएगा।

रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार यह मुद्दा गंभीर हो गया है और अगर एलपीजी की आपूर्ति में कमी बनी रहती है, तो स्थिति और बिगड़ सकती है। ट्रेनों में खानपान सेवाएं आईआरसीटीसी के बेस किचन में तैयार किए गए भोजन पर निर्भर करती हैं। एलपीजी की उपलब्धता में किसी भी तरह की रुकावट भोजन तैयार करने और ट्रेनों में आपूर्ति को सीधे प्रभावित करती है। सरकार ने घरेलू आपूर्ति को प्राथमिकता देने के लिए 'आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955' का उपयोग किया है। साथ ही, बुकिंग की अवधि को 21 दिन से बढ़ाकर 25 दिन कर दिया है, जिससे कि जमाखोरी को रोका जा सके।

> पश्चिम एशिया में बढ़ते सैन्य संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतें जिस तरह आसमान छू रहीं हैं, उससे न सिर्फ विश्व अर्थव्यवस्था के समक्ष संकट गहराता जा रहा है, बल्कि इसका असर अब भारत पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है।

यह कदम सही है कि घर के चूल्हे न बुझें, लेकिन मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बजट फिर से अनियंत्रित हो गया है और छोटे व्यवसायों के लिए अस्तित्व का संकट खड़ा हो गया है। देश में 33 करोड़ से ज्यादा घरेलू एलपीजी कनेक्शन हैं और सरकार की प्राथमिकता है कि इनकी जरूरत पूरी होती रहे। युद्ध की वजह से दुनिया के कई हिस्सों में तेल की किल्लत होने लगी है। इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी ने प्रमुख देशों से अपने रणनीतिक तेल भंडार खोलने की अपील की है, ताकि कमी की भरपाई की जा सके। अभी कहना बहुत मुश्किल है कि तेल और गैस की वैश्विक सप्लाई चेन पूरी तरह से कब तक बहाल होगी। ऐसे में किसी भी संभावित स्थिति के लिए तैयारी रखना बहुत जरूरी है।

भारत क्रूड ऑयल के आयात में विविधता लेकर आया है। इसकी वजह से अभी तक देश में तेल का कोई संकट नहीं दिखा। सरकार भी भरोसा दिला रही है कि पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोत्तरी नहीं की जाएगी, लेकिन रसोई गैस के मामले में परेशानी बढ़ती दिख रही है। सरकार ने इसी वजह से आवश्यक सेवा रख-रखाव अधिनियम लागू किया है, ताकि जमाखोरी रोकी जा सके और आपूर्ति निर्बाध रहे। सरकार ने विकल्पों पर काम शुरू कर दिया है, पर उसमें तेजी की जरूरत है।

दिक्कत यह है कि तेल की तरह गैस के लिए भी भारत आयात पर बहुत ज्यादा निर्भर है। भारत अपनी जरूरत का लगभग 60 फीसदी एलपीजी आयात करता है। इसमें से सबसे बड़ा हिस्सा लगभग 85-90 फीसदी होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आता है। संकट में ऑयल रिफाइनरियों को प्रॉडक्शन बढ़ाने के लिए कहा गया है, लेकिन अगर बाहर से सप्लाई सुचारू नहीं होती है, तो जरूरत को पूरा करना काफी मुश्किल होगा। देश की तमाम रिफाइनरियों और पेट्रो केमिकल यूनिट्स को अपने अन्य उत्पादों की तुलना में एलपीजी आपूर्ति को प्राथमिकता देनी होगी। इसके अलावा सरकारी तंत्र को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि गैस की न तो जमाखोरी होने पाए और न ही उसकी कालाबाजारी।

यह शुभ संकेत नहीं कि देश के कुछ शहरों में रसोई गैस की कालाबाजारी होने की आशंका उभर आई है। इसके अलावा इसका भी खतरा पैदा हो गया है कि मुनाफाखोर रसोई गैस सिलेंडरों की जमाखोरी कर सकते हैं। सरकारी तंत्र को इसके प्रति सतर्क रहना होगा कि गैस की किल्लत को लेकर अफवाहें न फैलने पाएं, क्योंकि जब-जब अफवाहें फैलती हैं, लोग अनावश्यक रूप से चिंतित हो जाते हैं। इस चिंता के कारण ही कहीं-कहीं गैस सिलेंडरों के लिए लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं। स्पष्ट है कि लोगों को भी धैर्य धारण करना होगा और अफवाहों को लेकर सचेत रहना होगा।

यह ध्यान रहे कि चंद दिनों पहले पेट्रोल एवं डीजल की कोई कमी न होने के बाद भी कुछ जगह ऐसी अफवाह फैल गई थी कि उनकी कमी होने जा रही है। इस स्थिति से तभी बचा जा सकता है, जब अफवाहों को फैलने से रोका जाए और संबंधित प्रशासन की ओर से आवश्यक सूचनाएं समय पर प्रसारित की जाती रहें। गैस की कमी रोकने के लिए केंद्र सरकार के साथ राज्य सरकारों को भी सचेत रहना होगा। उचित यह होगा कि जैसे केंद्र सरकार ने जमाखोरी-कालाबाजारी पर निगरानी के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित की है, वैसी ही समितियां राज्य सरकारें भी गठित करें।

इसी के साथ यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक है कि न तो घरेलू उपयोग के लिए रसोई गैस सिलेंडर में कमी आने पाए और न ही कॉमर्शियल सिलेंडर की किल्लत होने पाए, क्योंकि इसका व्यापक असर पड़ेगा, हालांकि इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि सरकार रूस, कनाडा के अलावा अफ्रीकी देशों से तेल के साथ गैस की आपूर्ति के हरसंभव जतन कर रही है। ईरान युद्ध ने एक बार फिर से ग्लोबल सप्लाई चेन की कमजोरी को सामने ला दिया है। सभी को अंदेशा था कि संघर्ष की सूरत में क्या हो सकता है, लेकिन उसकी तैयारी नहीं की जा सकीं। अब तो और भी जरूरी है कि भारत अपनी तेल-गैस जरूरत के मामले में रणनीतिक स्वायत्तता बरकरार रखे।

आमने सामने

21 वर्षों की एनडीए सरकार में बिहार विकास के सभी मानकों, मानदंड और सूचकांक में सबसे फिसड्डी है। बस पलटा-पलटी, प्रशासनिक तंत्र, सरकारी खजाने से वोट खरीदी, वोट की लूट और जातिवाद के सहारे कथित सुशासनी लोग सत्ता भोग रहे हैं।

-तेजस्वी यादव
आरजेडी नेता

बहुत दिनों बाद उन्होंने ट्वीट किया कि 'बिहार कैसा है?' बिहार कैसा है, ये बिहार की जनता ने बता दिया है। एक बार फिर जनता ने एनडीए की सरकार को भारी बहुमत देकर जवाब दे दिया कि बिहार कैसा है।

-दिलीप जायसवाल
मंत्री, बिहार

कैसे मिलें देश को सच्चे आईएएस-आईपीएस

विवेक शुक्ला
पूर्व सूचना अधिकारी यूएई एंबेसी

यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2025 के अंतिम परिणाम घोषित हो गए हैं। सफल अभ्यर्थी अब जल्द ही आईएएस, आईपीएस, आईएफएस जैसी प्रतिष्ठित सेवाओं में शामिल होंगे और देश की प्रगति, कानून-व्यवस्था तथा विदेश नीति जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में योगदान देंगे। यह क्षण न केवल व्यक्तिगत सफलता का है, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नई शुरुआत का भी है। इनके सामने जगमोहन, के सुब्रमण्यम (विदेश मंत्री एस जयशंकर के पिता), एके दामोदरन, टीएन शेषन, जेएन दीक्षित, वेद मारवाह, किरण बेदी जैसे अनेक अफसरों के उदाहरण मौजूद हैं, जिन्होंने अपने को अपने काम और ईमानदारी से साबित किया। ये नाम आज भी प्रेरणा के स्रोत हैं।

नए सफल अभ्यर्थियों को बधाइयां मिल रही हैं, लेकिन उनकी असली परीक्षा तब शुरू होती है, जब वे ट्रेनिंग पूरी कर जिलों, विभागों या फील्ड पोस्टिंग में तैनात होते हैं। ब्रिटिश काल में आईसीएस अधिकारियों को ब्रिटिश शासन को मजबूत करने के लिए तैयार किया जाता था, इसलिए अधिकांश पदों पर गोरे अधिकारियों को ही नियुक्त किया जाता था। वे जिले की हर छोटी-बड़ी जानकारी रखते थे। कृषि भूमि के प्रकार, उपजाऊपन, सिंचाई व्यवस्था, गांवों की आबादी, सामाजिक-आर्थिक संरचना, नदियां, वर्षा का औसत आदि। आज कितने अधिकारी अपने जिले या शहर के मोहल्लों तक की सही जानकारी रखते हैं?

> यूपीएससी में चुने गए नौजवानों की अभी यह महज व्यक्तिगत सफलता है। अहम यह कि यह भविष्य में अच्छे अफसर कैसे बनें!

एक महत्वपूर्ण सत्य यह है, यदि हम अधिकारियों से बेखौफ होकर काम करने की अपेक्षा करते हैं, तो उन्हें सुरक्षित माहौल और संरक्षण देना भी हमारा कर्तव्य है। ईमानदार अधिकारी अक्सर बड़े अवरोधों का सामना करते हैं। उन्हें प्रमोशन से वंचित किया जाता है, बार-बार ट्रांसफर किए जाते हैं। हरियाणा कैडर के आईएएस अधिकारी अशोक खेमका ने अपनी ईमानदारी की भारी कीमत चुकाई। 34 वर्ष की सेवा में उनका 57 बार ट्रांसफर किया गया। यह संख्या भारतीय नौकरशाही में सबसे अधिक में से एक है। ऐसे कई अधिकारी हैं, जिन्हें कड़वी सच्चाई बोलने के लिए समाज और सिस्टम दोनों से सजा मिलती है। ठीक कहा गया है, कड़वी दवा और कड़क ईमानदार अधिकारी कम लोगों को पसंद आते हैं। ज्यादातर लोग ऐसे 'बिकने वाले' बाबुओं को तरजीह देते हैं, जो उनके इशारे पर काम करें।

ईमानदार अफसरों की बात होगी तो टीएन शेषन की याद कैसे नहीं आएगी? यह मानना होगा कि यदि टीएन शेषन भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त न बनते, तो देश में चुनावों के नाम पर धोखाधड़ी और धांधली का सिलसिला जारी रहता। 1990 के दशक में मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर रहते हुए उन्होंने चुनाव सुधारों को सख्ती से लागू करने का अभियान चलाया। शेषन ने गुंडा तत्वों, धनबल और बाहुबल पर ऐसी चाबुक चलाई कि धन-बल से सियासत करने वाले जमीन पर उतर आए। उन्होंने अपने साथियों में यह विश्वास जगाया कि चुनाव प्रक्रिया को पूरी ईमानदारी से अंजाम देना चाहिए।

उनसे पहले कुछ चुनाव आयुक्तों पर आरोप लगते थे कि वे सरकार के इशारों पर चुनाव करवाते हैं। शेषन ने साबित किया कि सिस्टम में रहते हुए भी बहुत कुछ सकारात्मक किया जा सकता है। वे सिर्फ दफ्तर में बैठकर काम करने वाले अफसर नहीं थे, वे चुनाव सुधारों से लोकतंत्र को मजबूत करना चाहते थे। उन्होंने कठिन राह चुनी और विश्व भर में नाम कमाया। 1994 से 1996 के बीच उन्होंने देश भर में सैकड़ों जनसभाओं को संबोधित कर देश को जगाया।

क्या हम सत्येंद्र दुबे और शनमुगम मंजूनाथ की कहानियां भूल गए? सत्येंद्र दुबे ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में फैले भ्रष्टाचार के खिलाफ तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को सीलबंद पत्र लिखा। उन्होंने भ्रष्ट अधिकारियों, इंजीनियरों और ठेकेदारों के गठजोड़ का पर्दाफाश किया, लेकिन इस पत्र के कारण ही 27 नवंबर 2003 को उनकी हत्या कर दी गई।

इसी तरह, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारी शनमुगम मंजूनाथ ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक पेट्रोल पंप पर मिलावटी ईंधन बेचने की गड़बड़ी पकड़ी। 13 सितंबर 2005 को उन्होंने पंप सील किया। 19 नवंबर 2005 को दोबारा निरीक्षण के दौरान पंप मालिक के बेटे और उसके साथियों ने गोली मारकर उनकी हत्या कर दी। ऐसे ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारियों को बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। अक्सर अपनी जान गंवानी पड़ती है।

दिल्ली के सिविल लाइंस में स्थित मेटकॉफ हाउस भारत की शीर्ष नौकरशाही का प्रतीक है। यहीं 21 अप्रैल 1947 को सरदार पटेल ने स्वतंत्र भारत के पहले बैच के आईएएस-आईपीएस अधिकारियों को संबोधित किया था। उन्होंने कहा था कि अधिकारी जनता के हित में काम करें और किसी भी तरह की कोताही न बरतें। इसी दिन को लोक सेवक दिवस के रूप में मनाया जाता है। 1947 से पहले यहीं आईसीएस परीक्षाएं होती थीं और 1958 तक ट्रेनिंग भी। बाद में ट्रेनिंग मसूरी में शुरू हुई।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

हम रोज गढ़े जा रहे हैं

कभी-कभी लगता है समय नदी नहीं, कुम्हार है। हर दिन हमें थोड़ा-थोड़ा घुमाता है, दबाता है, आकार देता है। हम सोचते हैं हम भाग रहे हैं, पर सच यह है कि हम गढ़े जा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कौन मिट्टी बना रहता है और कौन आकार लेने की हिम्मत करता है।

मनोज अभिज्ञान
ब्लॉगर

पिछले दिनों में आपने कितनी बार खुद को टाला? और कितनी बार खुद को पकड़ा? यह सवाल किसी और के लिए नहीं है। दुनिया आपकी उपलब्धियों की तालिका देखती है, पर असली कहानी उन क्षणों में लिखी जाती है, जब आपने आसान रास्ता छोड़कर सही रास्ता चुना, या कम से कम कोशिश की।

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम बड़े अवसरों का इंतज़ार करते रहते हैं, जबकि असली बदलाव छोटे फैसलों में छिपा होता है। एक पन्ना और पढ़ लेना... किसी विचार पर गंभीरता से सोचना... यही छोटे कदम भविष्य की रीढ़ बनाते हैं।

कई लोग कहेंगे कि समय तेज़ भाग रहा है। सच तो यह है कि समय हमेशा अपनी रफ्तार से चलता है। बेचैनी हमारी है। हम तुलना में उलझे रहते हैं। किसी की नौकरी, किसी की गाड़ी, किसी की लोकप्रियता...! लेकिन किसी की शांति? उस पर कम ही नज़र जाती है और वही सबसे बड़ी पूंजी है।

अगर कुछ छूटा है, तो उसे बोझ मत बनाइए। उसे बीज बना दीजिए। हर छूटा हुआ काम संकेत है कि उसमें अब भी संभावना बची है। जो खत्म हो गया, वह सिर्फ एक अध्याय था। किताब अभी बाकी है।

ज़िंदगी स्प्रिंट नहीं, लंबी बातचीत है... खुद से, अपने लोगों से, अपने विचारों से। अगर कुछ अधूरा रह गया है, तो वह आपकी अक्षमता का प्रमाण नहीं, यात्रा का संकेत है। अधूरापन ही तो हमें आगे बढ़ने की वजह देता है। पूरी हो चुकी कहानी में उत्साह नहीं बचता। जो करना है, वह धीरे और लगातार करना है। बड़े पेड़ भी एक दिन में नहीं बढ़ते, पर रोज़ बढ़ते हैं।

समय किसी के लिए रुकता नहीं; वह हर उस व्यक्ति के साथ चलता है जो चलने का निर्णय लेता है। सवाल यह नहीं कि कितना समय बीत गया। सवाल यह है कि आपने उसमें कितना जीवन जोड़ा। अब अगला कदम आपका है। घड़ी चल रही है, पर कहानी भी चल रही है और कहानी तब तक ज़िंदा है, जब तक आप उसे आगे लिखने का साहस रखते हैं। -फेसबुक वॉल से

सामयिकी

उत्तराखंड: एक लाख करोड़ बजट से बढ़ेगी विकास गति

उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट स्पष्ट करते हैं कि प्रदेश आर्थिक प्रगति के पद पर तेज गति से दौड़ रहा है, राज्य का सकल घरेलू उत्पाद पिछले चार वर्षों में तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2021-22 में सकल घरेलू उत्पाद 2.54 लाख करोड़ था, जो वर्ष 24-25 में बढ़कर 3.82 लाख करोड़ हो गया है और वर्ष 26-27 में इसके 4.30 लाख करोड़ रहने का अनुमान है। राज्य की प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2021-22 में 1.95 लाख थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2.73 लाख से अधिक हो गई और आगामी वर्ष में प्रति व्यक्ति आय 3.60 लाख रुपये होने का अनुमान है।

उत्तराखंड शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन की दृष्टि से देश के विभिन्न क्षेत्र से आने वाले यात्रियों व नागरिकों की पसंदीदा जगह बन रहा है। यहां के शिक्षण संस्थान, विश्वविद्यालय, तकनीकी संस्थान, आयुर्वज्ञान संस्थान व चिकित्सा सुविधा हर वर्ग के लोगों को आकर्षित करती है। पर्यटन के लिहाज से उत्तराखंड के हरिद्वार, ऋषिकेश, नैनीताल, मसूरी, कैंची धाम के साथ ही सुप्रसिद्ध चार धाम, हेमकुंठ साहिब, आदि कैलाश जैसे तीर्थ स्थल व यहां की शांत-खूबसूरत प्राकृतिक छटा- हिमखंड, बुग्याल, बन अभ्यारण्य, विश्व प्रसिद्ध जिम कॉर्बेट पार्क एवं राजाजी पार्क देश और दुनिया के यात्रियों, पर्यटकों और तीर्थ दर्शन करने वालों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं।

प्रो. एचसी पुरोहित
दून यूनिवर्सिटी

उत्तराखंड स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, स्वास्थ्य शिक्षा के लिए देश एवं विदेश के युवाओं को लुभा रहा है और बड़ी संख्या में वे राज्य के शिक्षण संस्थाओं का रुख कर रहे हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता के कारण विभिन्न राज्यों से बड़ी संख्या में प्रतिदिन लोग यहां आते हैं, विशेष तौर पर हिमाचल, पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न कस्बों, नगरों व गांवों से बड़ी संख्या में लोग प्रतिदिन पर्यटन के साथ-साथ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं रोजगार की तलाश में उत्तराखंड के विभिन्न शहरों व नगरों का रुख कर रहे हैं।

उत्तराखंड में औद्योगिक संरचनाओं का विस्तार एवं विकास बहुत तेज गति से हो रहा है और यहां उन्हें रोजगार के अधिक अवसर उपलब्ध हैं। राज्य में विभिन्न प्रकार की सेवा प्रकल्पों या छोटे व मझले उपक्रमों का संचालन करने में उनकी खास रुचि रहती है, जिसमें ऑटोमोबाइल, आईटी एवं पर्यटन क्षेत्र से जुड़े उद्यम प्रमुख हैं। जैसे रैपिडो, ओला, उबर के अलावा स्विग्गी, जोमैटो व ब्लिंकिट जैसी सेवाएं. जो गिग इकोनामी से संबंधित हैं, का संचालन युवाओं को लुभा रहा है।

औद्योगिक विकास की तेज रफ्तार से रोजगार के अवसर भी तेजी से सृजित हो रहे हैं। राज्य में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम क्षेत्र के उद्योगों का तेजी से विस्तार हुआ है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में प्रदेश में लगभग साढे चौदह हजार उद्यम स्थापित थे, जो अब बढ़कर तीन लाख इकासी हजार से अधिक हो चुके हैं। राज्य की जीडीपी में 13% अंशदान इसी क्षेत्र के उद्योगों का है। वर्ष 2022 से 2025 के बीच साढ़े 19 हजार नये एमएसएमई उद्यम स्थापित हुए, जिससे एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। वर्ष 2017 से पहले राज्य में कोई भी स्टार्टअप इकाई पंजीकृत नहीं थी, लेकिन आज 1750 स्टार्टअप पंजीकृत हैं। राज्य में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार से स्थानीय निवासियों को पर्यटन आधारित स्वरोजगार योजना का लाभ मिलना स्वाभाविक है, पिछले तीन वर्षों में पर्यटकों की संख्या में 62 लाख की वृद्धि हुई है। राज्य गठन के समय पर्यटकों की संख्या लगभग एक करोड़ थी, जो 2024-25 में बढ़कर छह करोड़ से अधिक हो गई है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 से मुद्रित एवं 25/16-ए, जापलिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत*** 0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

खोज

ऐसे हुआ फ्रिज का आविष्कार

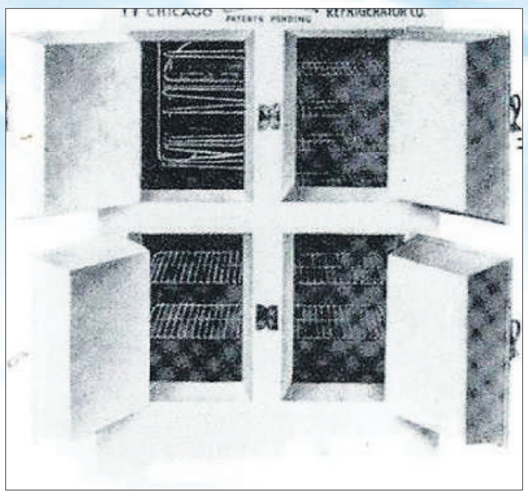

रेफ्रिजरेटर का आविष्कार एक लंबी वैज्ञानिक यात्रा का परिणाम है, जिसमें कई आविष्कारकों का योगदान रहा है। भोजन को लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए कृत्रिम शीतलन तकनीक विकसित करने के प्रयास सदियों से होते रहे हैं। इस दिशा में पहला महत्वपूर्ण प्रयोग 1748 में स्कॉटलैंड के प्रोफेसर और चिकित्सक विलियम कुलेन ने किया। उन्होंने यह प्रदर्शित किया कि किसी तरल को तेजी से वाष्पीकृत करने पर शीतलन प्रभाव उत्पन्न होता है। यद्यपि उनके प्रयोग का तत्काल व्यावहारिक उपयोग नहीं हो सका, फिर भी इसने आगे के शोध की नींव रखी।

19 वीं शताब्दी में कई वैज्ञानिकों और आविष्कारकों ने इस तकनीक को आगे बढ़ाया, जिसके परिणामस्वरूप आधुनिक यांत्रिक प्रशीतन प्रणाली का विकास संभव हुआ। 1834 में अमेरिकी आविष्कारक जैकब पर्किन्स ने पहला वाष्प-संपीड़न आधारित प्रशीतन उपकरण बनाया। बाद में जर्मन वैज्ञानिक कार्ल वॉन लिंडे ने गैसों को द्रवीकृत करने की प्रभावी विधि विकसित की, जिसने प्रशीतन तकनीक को नई दिशा दी। 20 वीं शताब्दी की शुरुआत तक प्रशीतन तकनीक में इतनी प्रगति हो चुकी थी कि इसका उपयोग उद्योगों में होने लगा, विशेषकर शराब बनाने और मांस प्रसंस्करण कारखानों में। 1913 में अमेरिकी फ्रेड डब्ल्यू. वुल्फ ने पहला घरेलू इलेक्ट्रिक रेफ्रिजरेटर बनाया। इसके बाद 1918 में विलियम सी. ड्यूरेंट ने सेल्फ-कंटेन्ड कंप्रेसर वाला रेफ्रिजरेटर पेश किया, जिससे घरेलू रेफ्रिजरेटरों का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू हुआ। प्रारंभिक दौर में इनकी कीमत काफी अधिक होने के कारण इन्हें विलासिता की वस्तु माना जाता था, लेकिन 1930 के दशक में सुरक्षित रेफ्रिजरेंट फ्रियोन के विकास के बाद घरेलू रेफ्रिजरेटर तेजी से लोकप्रिय हो गए।

वैज्ञानिक के बारे में

फ्रेड डब्ल्यू. वुल्फ अमेरिका के एक आविष्कारक और इंजीनियर थे, उनका जन्म 19वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में संयुक्त राज्य अमेरिका में हुआ था। बचपन से ही उन्हें यांत्रिक उपकरणों और नई तकनीकों में गहरी रुचि थी। उस समय दुनिया तेजी से औद्योगिक विकास की ओर बढ़ रही थी और इसी वातावरण ने उनके भीतर प्रयोग और आविष्कार की प्रवृत्ति को मजबूत किया। उनका यह आविष्कार आधुनिक रेफ्रिजरेटर के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था। बाद के वर्षों में अन्य वैज्ञानिकों और कंपनियों ने इसी तकनीक को और विकसित किया, जिससे आज के उन्नत रेफ्रिजरेटर संभव हो पाए।

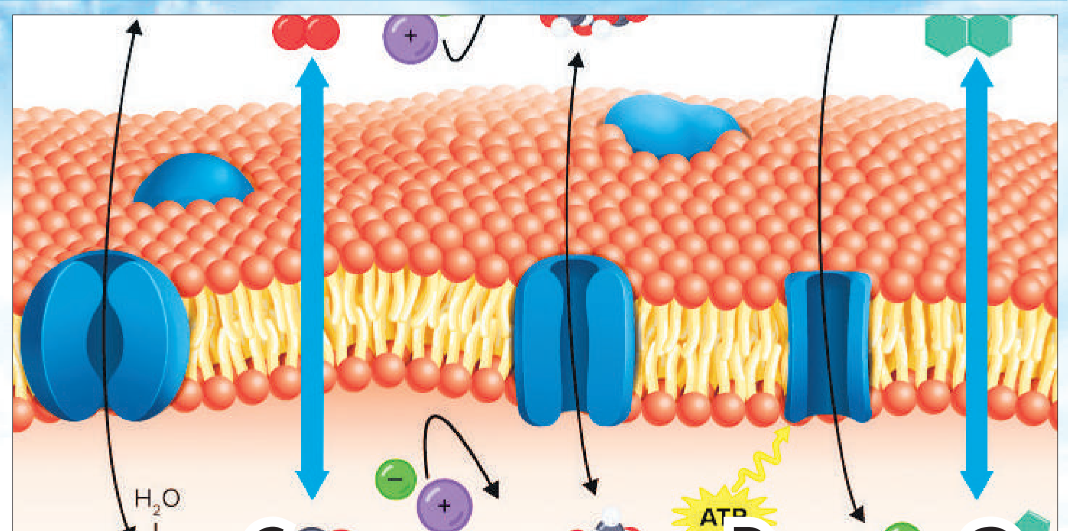

चिकनाई हजम करने वाली 131 प्रोटीन

वसा या फैट इंसानी डाइट का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। भोजन घी-तेल के बिना भी बनाया जा सकता है, लेकिन मनुष्य ने बहुत पहले ही वसा के स्वाद और उपयोगिता को पहचान लिया था। इसी कारण भोजन को या तो वसा में फ्राई किया जाता है या वसा में पकाया जाता है, जिससे उसका स्वाद बढ़ता है और उसे चबाना-निगलना भी आसान हो जाता है, लेकिन आम आदमी को यह विज्ञान बहुत कम मालूम है कि वह वसा का सेवन आखिर क्यों करता है और शरीर उसके साथ क्या करता है। दरअसल शरीर को वसा बहुत अधिक मात्रा में नहीं चाहिए। सामान्य परिस्थितियों में लगभग 45 से 75 ग्राम वसा 24 घंटे में पर्याप्त होती है। इसके बावजूद हम अक्सर जरूरत से ज्यादा वसा खा लेते हैं, क्योंकि स्वाद और आदत हमें इसके लिए प्रेरित करती है। कोलेस्ट्रॉल को आम तौर पर लोग वसा ही समझते हैं, जबकि वैज्ञानिक दृष्टि से यह एक प्रकार का लिपिड है।

लिपिड का रासायनिक ढांचा

लिपिड एक व्यापक श्रेणी है, जिसमें विभिन्न प्रकार के फैट शामिल होते हैं। शरीर में कोलेस्ट्रॉल की महत्वपूर्ण भूमिका है। यह कोशिकाओं की झिल्ली अर्थात सेल मेंब्रेन का एक जरूरी घटक है और कई हार्मोन तथा विटामिन-डी के निर्माण में भी मदद करता है। इसलिए कोलेस्ट्रॉल को केवल हानिकारक मान लेना वैज्ञानिक दृष्टि से सही नहीं है।

लिपिड का रासायनिक ढांचा मुख्य रूप से फैटी एसिड और ग्लिसरॉल से बना होता है। ये कार्बन, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन परमाणुओं से निर्मित लंबी हाइड्रोकार्बन श्रृंखलाएं होती हैं। लिपिड के तीन प्रमुख प्रकार माने जाते हैं- ट्राइग्लिसराइड्स, फॉस्फोलिपिड्स और स्टेरोल्स। ट्राइग्लिसराइड्स में ग्लिसरॉल के साथ तीन फैटी एसिड जुड़े होते हैं। फॉस्फोलिपिड्स में एक ऐसा सिरा होता है, जो पानी को आकर्षित करता है और दूसरा ऐसा जो पानी से दूर रहता है। यही संरचना कोशिकाओं की झिल्ली बनाने में मदद करती है। स्टेरोल्स का ढांचा अपेक्षाकृत जटिल रिंग संरचना वाला होता है, जिसमें कोलेस्ट्रॉल भी शामिल है। इन संरचनाओं की वजह से लिपिड जैविक प्रणालियों में कई तरह के काम करते हैं। ऊर्जा का भंडारण, कोशिका झिल्ली का निर्माण और कई जैव रासायनिक प्रक्रियाओं को स्थिर रखना। जब हम भोजन के साथ वसा लेते हैं, तो शरीर के भीतर उसे संभालने के लिए कई जटिल प्रक्रियाएं शुरू हो जाती हैं। इनमें पहली प्रक्रिया है लिपोजेनेसिस। यह फैट बनाने की प्रक्रिया है, जिसमें कोशिकाओं के साइटोप्लाज्म में एसिटाइल कोएंजाइम-ए से फैटी एसिड का निर्माण होता है। यह प्रक्रिया दो-दो कार्बन परमाणु जोड़ते हुए चलती रहती है, जब तक फैटी एसिड आवश्यक लंबाई तक न पहुंच जाए। इसके बाद अगला चरण आता है लिपोलिसिस। इसमें वसा छोटे-छोटे अणुओं मोनोग्लिसराइड्स और फ्री फैटी एसिड में टूटती है। इन अणुओं का उपयोग शरीर ऊर्जा के लिए करता है या उन्हें एडिपोज टिश्यू में जमा कर देता है। एडिपोज टिश्यू शरीर का एक विशेष ऊतक है, जिसमें ऊर्जा को भविष्य के लिए सुरक्षित रखा जाता है। यह संग्रह उस समय काम आता है, जब शरीर को लंबे समय तक भोजन नहीं मिलता या कोई संकट की स्थिति पैदा होती है। इसके बाद आता है एब्जॉर्प्शन अर्थात अवशोषण का चरण। छोटी आंत की भीतरी परत के एपिथेलियल सेल्स फैटी एसिड को अपने भीतर लेते हैं और उन्हें पैक करके शरीर के विभिन्न हिस्सों में भेजने के लिए तैयार करते हैं। यह पैकिंग प्रक्रिया अत्यंत व्यवस्थित होती है। जब यह 'माल' पैक हो जाता है, तो इसे शरीर के अलग-अलग हिस्सों तक पहुंचाने के लिए वाहनों की जरूरत पड़ती है। शरीर में यह काम लिपोप्रोटीन्स करते हैं। लिपोप्रोटीन्स को उनके आकार और घनत्व के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है। इन्हें मोटे तौर पर उस गाड़ी की तरह समझा जा सकता है, जो लिपिड को एक जगह से दूसरी जगह पहुंचाती है। जब यह लिपिड अपने गंतव्य तक पहुंच जाते हैं, तब उनका भंडारण होता है ताकि जरूरत पड़ने पर उन्हें फिर से ऊर्जा के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। ट्राइग्लिसराइड्स और अन्य लिपिड तब तक एडिपोज टिश्यू में रहते हैं, जब तक शरीर को उनकी आवश्यकता न हो। ये सारी प्रक्रियाएं शरीर में ऊर्जा संतुलन बनाए रखने, कोशिका झिल्ली की संरचना को स्थिर रखने और हार्मोन निर्माण को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं। लिपिड मेटाबॉलिज्म का सही संचालन हमारी समग्र सेहत के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आहार, व्यायाम और कई चयापचय संबंधी रोग इस पर प्रभाव डाल सकते हैं। यदि यह प्रक्रिया असंतुलित हो जाए, तो शरीर में कई बीमारियां जन्म लेने लगती हैं।

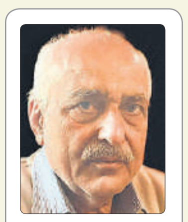

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

लगातार काम करती हैं मानव कोशिकाएं

मानव कोशिकाएं हजारों प्रकार के लिपिड बनाती हैं। इन सभी का सामूहिक रूप लिपिडोम कहलाता है। लिपिडोम की संरचना कोशिका की जरूरतों के अनुसार बदलती रहती है और यह कोशिका की पहचान तथा उसके विशेष कार्यों को निर्धारित करने में मदद करती है। लिपिड का वितरण कोशिका के भीतर अलग-अलग स्थानों पर होता है। कुछ लिपिड विशेष ऑर्गेनेल या माइक्रोडोमेन की झिल्लियों का निर्माण करते हैं। इस पूरे सिस्टम को व्यवस्थित रखने में कई प्रकार के लिपिड मेटाबॉलिज्म और ट्रांसपोर्ट सिस्टम शामिल होते हैं। इनमें एक महत्वपूर्ण भूमिका लिपिड ट्रांसफर प्रोटीन्स (LTPs) निभाते हैं। इन प्रोटीन्स की संरचना अलग-अलग होती है, लेकिन उनका काम लगभग समान होता है। वे कोशिका झिल्ली की परतों से विशेष लिपिड अणुओं को निकालते हैं और उन्हें अपने भीतर मौजूद हाइड्रोफोबिक पॉकेट में रख लेते हैं। इस तरह पानी में घुलने योग्य प्रोटीन-लिपिड कॉम्प्लेक्स बनते हैं, जो लिपिड को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाते हैं। इस प्रक्रिया को लिपिड मोबिलाइजेशन कहा जाता है। कई बार ये प्रोटीन केवल मुख्य लिपिड ही नहीं, बल्कि सहायक लिपिड भी साथ ले जाते हैं, जो विनिमय मुद्रा या सह-कारक की तरह काम करते हैं। इससे यह तय होता है कि लिपिड किस दिशा में जाएगा और किस जैव रासायनिक प्रक्रिया में भाग लेगा। लिपिड मेटाबॉलिज्म और उसका परिवहन वास्तव में सूक्ष्म स्तर

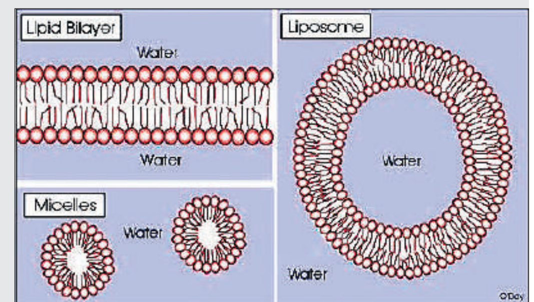

पर चलने वाली अद्भुत रासायनिक प्रक्रियाएं हैं, जिनका हमें सामान्य जीवन में एहसास भी नहीं होता। हम भोजन के माध्यम से पशु और वनस्पति स्रोतों से वसा ग्रहण करते हैं। इन दोनों में फैटी एसिड की श्रृंखलाएं अलग-अलग लंबाई की होती हैं। शरीर में ये अणु विभिन्न एंजाइमों और अम्लों की सहायता से टूटते-बनते रहते हैं। यह सब कुछ हमारी कोशिकाएं लगातार करती रहती हैं। वे कभी आराम नहीं करतीं। पुरानी और थकी हुई कोशिकाओं की जगह नई कोशिकाएं बनती रहती हैं और जीवन की यह रासायनिक मशीन चुपचाप चलती रहती है।

क्या कहते हैं वैज्ञानिक शोध

हाल के वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि मनुष्य के शरीर में कम से कम 131 प्रकार के लिपिड ट्रांसफर प्रोटीन होते हैं। इनकी गड़बड़ी कई बीमारियों से जुड़ी पाई गई है। वैज्ञानिक इन प्रोटीनों और उनके लिपिड कॉम्प्लेक्स को समझने के लिए उन्नत तकनीकों जैसे एफिनिटी प्यूरिफिकेशन और मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग कर रहे हैं। इन अध्ययनों से यह समझने की कोशिश की जा रही है कि कोशिकाओं के भीतर लिपिड का परिवहन और संतुलन कैसे बना रहता है। जब हम अपनी सेहत की जांच कराने डॉक्टर के पास जाते हैं, तो वह कई प्रकार के रक्त परीक्षण करवाने की सलाह देता है। रक्त में लगभग दो सौ से अधिक प्रकार के सूक्ष्म मेटाबोलाइट्स होते हैं, जिनकी उपस्थिति और मात्रा का पता आधुनिक मशीनों से लगाया जाता है। सामान्यत: किए जाने वाले परीक्षणों में पूर्ण रक्त गणना (CBC), रक्त शर्करा परीक्षण, लिपिड प्रोफाइल, लिवर फंक्शन टेस्ट और कॉम्प्रिहेंसिव मेटाबोलिक पैनल शामिल हैं। ये परीक्षण एनीमिया, मधुमेह, हृदय रोग, लिवर और किडनी की स्थिति जैसी कई बातों का संकेत देते हैं। इन जांचों के आधार पर डॉक्टर यह समझने की कोशिश करता है कि शरीर के भीतर चल रही जैव रासायनिक प्रक्रियाएं सही ढंग से काम कर रही हैं या नहीं, लेकिन सच यह है कि जब तक शरीर की प्राकृतिक क्षमता मजबूत रहती है, तब तक यह जटिल तंत्र अपने-आप संतुलित रहता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है और जीवनशैली असंतुलित होती है, यह संतुलन बिगड़ने लगता है। तब दवाइयों का सहारा लेना पड़ता है। आयुर्वेद में भी कहा गया है कि अधिकांश रोगों की शुरुआत पेट से होती है। आधुनिक विज्ञान भी अब इस बात की पुष्टि कर रहा है कि भोजन और चयापचय की प्रक्रिया हमारे स्वास्थ्य का मूल आधार है। इसलिए संतुलित आहार, सीमित वसा सेवन और नियमित व्यायाम शरीर की इन सूक्ष्म जैव रासायनिक प्रक्रियाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए आवश्यक हैं। शरीर हमें अक्सर संकेत देता रहता है कि कौन-सी चीज हमारे लिए ठीक है और कौन-सी नहीं। इन संकेतों की अनदेखी करना लंबे समय में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

वाइल्ड लाइफ

मकाऊः वर्षा वनों का रंगीन और बुद्धिमान प्रहरी

मकाऊ तोते प्रकृति के सबसे आकर्षक और रंगीन पक्षियों में गिने जाते हैं। बड़े आकार, चमकीले रंगों और लंबी, खूबसूरत पूंछ के कारण ये तुरंत ध्यान खींच लेते हैं। तोते परिवार के अन्य पक्षियों से इन्हें अलग पहचान देने वाली एक खास विशेषता इनके चेहरे का वह हिस्सा है, जहां पंख नहीं होते। यह बिना पंखों वाला भाग हर प्रजाति में अलग-अलग आकार और पैटर्न में दिखाई देता है, जिससे उनकी पहचान और भी विशिष्ट हो जाती है। मकाऊ का आकार भी काफी विविध होता है। सबसे छोटे हैन मकाऊ की लंबाई लगभग 30 सेंटीमीटर (करीब 12 इंच) होती है, जबकि हायसिंथ मकाऊ दुनिया के सबसे बड़े तोतों में गिना जाता है और इसकी लंबाई लगभग 102 सेंटीमीटर (करीब 40 इंच) तक पहुंच सकती है।

इस विशालकाय मकाऊ का वजन लगभग 1550 से 1600 ग्राम तक होता है। अपने आकर्षक रूप और प्रभावशाली आकार के कारण यह पक्षी प्रकृति प्रेमियों के बीच विशेष लोकप्रिय है। भोजन की बात करें तो अधिकांश मकाऊ मुख्य रूप से बीज, मेवे और फलों पर निर्भर रहते हैं। उनकी मजबूत और शक्तिशाली चोंच उन्हें कठोर खोल वाले खाद्य पदार्थों को भी आसानी से तोड़ने में सक्षम बनाती है। ब्राजील नट्स जैसे सख्त छिलके वाले मेवे भी उनके लिए कोई बड़ी चुनौती नहीं होते। यही वजह है कि मकाऊ की चोंच को प्रकृति की अद्भुत रचनाओं में से एक माना जाता है। प्रजनन के समय मादा मकाऊ आमतौर पर एक से तीन अंडे देती है। अंडों से बच्चे निकलने में लगभग 26 से 29 दिन का समय लगता है, हालांकि यह अवधि प्रजाति के अनुसार थोड़ी अलग हो सकती है। रोचक बात यह है कि नर और मादा दोनों मिलकर अपने अंडों और चूजों की रक्षा करते हैं। वे अपने घोंसले आमतौर पर ऊंचे पेड़ों के खोखलों या चट्टानों की दरारों में बनाते हैं, जहां उनके बच्चों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। मकाऊ सामाजिक और अत्यंत संवेदनशील पक्षी होते हैं।

मध्य और दक्षिण अमेरिका के वर्षावन इनके प्रमुख निवास स्थान हैं, हालांकि कुछ प्रजातियां अपेक्षाकृत शुष्क क्षेत्रों में भी पाई जाती हैं। जंगली इलाकों में मकाऊ अक्सर मिट्टी के ऊंचे ढेरों या पहाड़ियों पर इकट्ठा होते हैं, जिन्हें 'मकाऊ लिक्स' कहा जाता है। यहां वे झुंड बनाकर मिट्टी खाते हैं, जो उनके पाचन तंत्र के लिए लाभकारी मानी जाती है। इन पक्षियों की बुद्धिमत्ता भी उल्लेखनीय है। मकाऊ चंचल और जिज्ञासु होते हैं तथा वे मनुष्यों की आवाजों की नकल करने में भी सक्षम होते हैं। उड़ान में भी ये कम नहीं, ये लगभग 56 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ सकते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

गुरुत्वाकर्षण को चुनौती देती हीलियम

हीलियम प्रकृति का एक अत्यंत रोचक और वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण तत्व है। सामान्य परिस्थितियों में यह एक हल्की और निष्क्रिय गैस के रूप में जानी जाती है, लेकिन अत्यधिक कम तापमान पर इसके गुण आश्चर्यजनक रूप से बदल जाते हैं। वैज्ञानिक प्रयोगों से पता चला है कि जब तरल हीलियम को उसके क्वथनांक, लगभग -60 डिग्री फारेनहाइट (लगभग - 268.9 डिग्री सेल्सियस) से कुछ ही डिग्री कम तापमान तक ठंडा किया जाता है, तो यह एक विशेष अवस्था में पहुंच जाता है जिसे अतितरल (Superfluid) कहा जाता है। अतितरल अवस्था में हीलियम का व्यवहार सामान्य द्रवों से बिल्कुल अलग हो जाता है। इस अवस्था में वह बिना किसी घर्षण के प्रवाहित हो सकता है। यही कारण है कि यह किसी पात्र में डाले जाने पर केवल नीचे नहीं रहता, बल्कि धीरे-धीरे गिलास या बर्तन की भीतरी दीवारों पर चढ़कर ऊपर की ओर बढ़ने लगता है और किनारों से बाहर बह भी सकता है। देखने वाले को ऐसा लगता है मानो यह गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध कार्य कर रहा हो। इसके अतिरिक्त अतितरल हीलियम की एक और अद्भुत विशेषता यह है कि वह अत्यंत सूक्ष्म दरारों या अणु-आकार की पतली जगहों से भी रिस सकता है। सामान्य द्रव जिन दरारों से नहीं गुजर पाते, हीलियम उनसे आसानी से निकल जाता है। यही कारण है कि वैज्ञानिक प्रयोगशालाओं में इसे संभालना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। इन अद्भुत गुणों के कारण हीलियम का उपयोग अत्यंत निम्न तापमान वाले वैज्ञानिक प्रयोगों, क्वांटम भौतिकी के अध्ययन और शक्तिशाली चुंबकों को ठंडा रखने के लिए किया जाता है। हीलियम के बारे में एक और रोचक तथ्य यह है कि यह ब्रह्मांड में हाइड्रोजन के बाद दूसरा सबसे अधिक पाया जाने वाला तत्व है। सूर्य और अन्य तारों में इसकी बड़ी मात्रा मौजूद है। पृथ्वी पर भी यह प्राकृतिक गैस के कुछ स्रोतों में पाया जाता है और इसका उपयोग गुब्बारों, मौसम संबंधी उपकरणों तथा विभिन्न वैज्ञानिक उपकरणों में किया जाता है। हालांकि हीलियम को आमतौर पर सुरक्षित गैस माना जाता है, फिर भी इसका अनुचित उपयोग खतरनाक हो सकता है।

'इंजरी प्रिवेंशन' नामक पत्रिका में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति हीलियम को सीधे गुब्बारे से अंदर खींचता है, तो यह शरीर के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है। ऐसा करने पर कुछ क्षणों के लिए आवाज तीखी और पतली हो जाती है, क्योंकि हीलियम हवा की तुलना में हल्की होती है और ध्वनि की गति को बदल देती है, लेकिन यह मजाक कभी-कभी जोखिम भरा भी हो सकता है, क्योंकि हीलियम ऑक्सीजन की जगह ले सकती है और इससे सांस लेने में समस्या उत्पन्न हो सकती है। इसलिए, भले ही जन्मदिन की पार्टी में हीलियम भरे गुब्बारों से आवाज बदलकर सुनना लोगों को मनोरंजक लगे, फिर भी सुरक्षा की दृष्टि से उनसे दूरी बनाए रखना ही समझदारी है। हीलियम का वास्तविक महत्व उसके वैज्ञानिक गुणों और प्रयोगों में है, जो हमें प्रकृति के अद्भुत रहस्यों को समझने में मदद करते हैं।

ह्यूमैनॉइड रोबोट्सः विज्ञान की कल्पना से हकीकत तक

कृत्रिम बुद्धि के तेजी से बढ़ते विकास ने विज्ञान और तकनीक की दुनिया में एक नया अध्याय खोल दिया है। अब मशीनें केवल आदेश मानने वाले उपकरण नहीं रहीं, बल्कि वे समझने, प्रतिक्रिया देने और संवाद करने की क्षमता भी विकसित कर रही हैं। हाल ही में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो 2026 में प्रस्तुत ह्यूमैनॉइड रोबोट्स ने यह दिखा दिया कि भविष्य की दुनिया कितनी तेजी से बदल रही है। मानव की तरह दिखने वाले और कृत्रिम बुद्धि से संचालित ये रोबोट आपस में स्वतंत्र रूप से बातचीत कर सकते हैं, कई भाषाओं को समझ सकते हैं और मनुष्यों की भावनाओं को भी पहचान सकते हैं। यह प्रयोग केवल तकनीकी प्रदर्शन नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं की एक झलक भी है।

डॉ. राजीव अग्रवाल
वरिष्ठ लेखक

अब कृत्रिम बुद्धि से संचालित ह्यूमैनॉइड रोबोट्स अर्थात् मानव के समान दिखाई पड़ने वाले और कृत्रिम बुद्धि से युक्त यंत्र के विकास ने एक नई दिशा पकड़ ली है। ये रोबोट अब केवल आदेशों का पालन करने वाली मशीनें भर नहीं रह गए हैं, बल्कि वे स्वयं संवाद करने और परिस्थितियों को समझने की क्षमता भी प्राप्त कर रहे हैं। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो 2026 के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका के फ्रैंकफर्ट में आयोजित एक प्रदर्शन में रियलबॉटिक्स कंपनी के दो ह्यूमैनॉइड रोबोट्स के बीच हुई बातचीत ने वैज्ञानिक जगत का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

Aria और David नाम के इन दोनों रोबोट्स ने लगभग दो घंटे तक एक-दूसरे से निरंतर बातचीत की। इस पूरी बातचीत में न तो किसी पूर्व-लिखित स्क्रिप्ट का उपयोग किया गया था और न ही किसी मनुष्य का हस्तक्षेप था। दोनों रोबोट्स ने अपने कृत्रिम बुद्धि तंत्र के आधार पर स्वयं ही संवाद किया। इस बातचीत की एक विशेषता यह भी थी कि उन्होंने केवल अंग्रेजी में ही नहीं, बल्कि स्पेनिश, फ्रेंच और जर्मन भाषाओं में भी संवाद किया। यह दर्शाता है कि आधुनिक कृत्रिम बुद्धि प्रणालियां भाषा को केवल शब्दों के रूप में नहीं, बल्कि विचारों और अर्थों के रूप में भी समझने लगी हैं।

इसी प्रदर्शन में एक तीसरे रोबोट ने मनुष्यों के साथ भी संवाद किया। यह रोबोट सामने खड़े व्यक्ति की पहचान कर सकता था, उसकी गतिविधियों को ट्रैक कर सकता था और उसकी आवाज तथा चेहरे के भावों से उसकी भावनाओं का अनुमान लगा सकता था। विशेष बात यह थी कि इन रोबोट्स ने बातचीत के लिए इंटरनेट का सहारा नहीं लिया। उनके भीतर स्थापित कृत्रिम बुद्धि प्रणाली और स्थानीय डेटा ही इस संवाद का आधार थे।

इसका अर्थ यह है कि अब ऐसे रोबोट विकसित किए जा रहे हैं, जो स्वतंत्र रूप से सोचने और प्रतिक्रिया देने की क्षमता प्राप्त कर रहे हैं। इस प्रकार के प्रयोगों का महत्व केवल इतना नहीं है कि रोबोट आपस में बातचीत कर लेते हैं। असल महत्व इस बात का है कि ऐसे प्रयोग आगे आने वाले बड़े आविष्कारों की आधारशिला रखते हैं। विज्ञान के इतिहास में हम देखते हैं कि छोटे-छोटे प्रयोग और खोजें ही आगे चलकर बड़े परिवर्तन का कारण बनती हैं। कम्प्यूटर का आरंभ भी एक सीमित प्रयोग

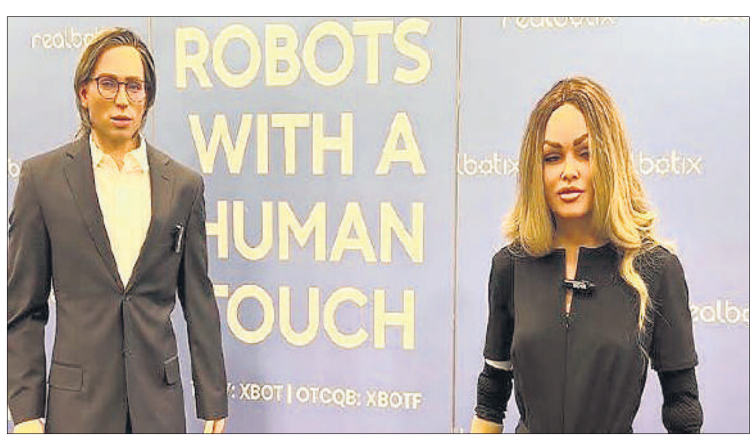

के रूप में हुआ था, लेकिन आज वही तकनीक पूरी दुनिया के जीवन को बदल चुकी है। मुझे एक प्रसिद्ध घटना याद आती है। बिजली के आविष्कार के बाद जब थॉमस अल्वा एडिसन एक बल्ब जलाने का प्रदर्शन कर रहे थे, तब एक महिला ने उनसे पूछा- "यह सब तो ठीक है, पर इसका लाभ क्या है?" इस पर एडिसन ने मुस्कराते हुए कहा-"मैडम, जब कोई बच्चा जन्म लेता है, तो उसका तत्काल लाभ क्या होता है?" इस उत्तर में एक गहरी सच्चाई छिपी थी।

कोई भी नई खोज अपने प्रारंभिक रूप में अधूरी और सीमित दिखाई दे सकती है, लेकिन समय, श्रम और निवेश के साथ वही खोज भविष्य की बड़ी उपयोगी तकनीक बन जाती है। आज ह्यूमैनॉइड रोबोट्स के साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है। अभी वे प्रयोगशालाओं और प्रदर्शनियों तक सीमित दिखाई देते हैं, लेकिन धीरे-धीरे उनके उपयोग के नए क्षेत्र खुलते जा रहे हैं। महान वैज्ञानिक और विज्ञान कथा लेखक आइजक एसीमोव ने अपनी प्रसिद्ध 'रोबोट्स' और 'फाउंडेशन' श्रृंखला में जिस प्रकार के उन्नत रोबोट्स की कल्पना की थी, वह आज धीरे-धीरे वास्तविकता की ओर बढ़ती प्रतीत होती है।

बाजार	सेंसेक्स	निफ्टी
बंद हुआ	76,034.42	23,639.15
बढ़त	829.29	227.70
प्रतिशत में	1.08	0.95

सोना 1,65,200 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,76,500 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, शुक्रवार, 13 मार्च 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बिजनेस ब्रीफ

बैंक ऑफ बड़ौदा ने जुटाया 50 करोड़ डॉलर का ऋण

नई दिल्ली। बैंक ऑफ बड़ौदा ने गिफ्ट सिटी स्थित अपने अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र (आईएफएससी) बैंकिंग इकाई के माध्यम से 50 करोड़ डॉलर का पांच साल का ऋण जुटाया है। इस ऋण में एशिया के प्रमुख बाजारों के निवेशकों ने भागीदारी की। यह करीब एक वर्ष के अंतराल के बाद वैश्विक कर्जदाताओं के समूह के ऋण बाजार में बैंक की वापसी को दर्शाता है। इस तरह का ऋण एक ऐसी वित्तीय व्यवस्था है जिसमें ऋणदाताओं का एक समूह (जिसे सिंडिकेट कहा जाता है) मिलकर एक ही उधारकर्ता को बड़ी राशि का ऋण प्रदान करता है। बैंक ने बृस्पतिवार को बयान में कहा कि इस सुविधा से प्राप्त राशि का उपयोग सामान्य बैंकिंग और कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

साउथ इंडियन बैंक ने ईपीएफओ के साथ शुरू की ईपीएफ भुगतान सेवा

चेन्नई। निजी क्षेत्र के साउथ इंडियन बैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के साथ मिलकर अपने इंटरनेट बैंकिंग मंच 'साइबरनेट' के जरिये कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) भुगतान सेवा शुरू की है। बैंक ने बयान में कहा कि इस एकीकरण से नियोक्ता और संस्थान अब बैंक के डिजिटल बैंकिंग मंच के माध्यम से ईपीएफ अंशदान का भुगतान आसानी से कर सकेंगे। नियोक्ता और संस्थान अब ईपीएफओ पोर्टल के जरिये बैंक की नेट बैंकिंग सुविधा का उपयोग कर ईपीएफ अंशदान, बकाया और संबंधित शुल्क का सीधे भुगतान कर सकते हैं।

अल्फाग्रेप को म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने को सेबी की मंजूरी

नयी दिल्ली। निवेश कंपनी अल्फाग्रेप को बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से म्यूचुअल फंड कारोबार शुरू करने की मंजूरी मिल गई है। इसके साथ ही कंपनी खुदरा परिसंपत्ति प्रबंधन क्षेत्र में प्रवेश करेगी। कंपनी ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि अल्फाग्रेप म्यूचुअल फंड के माध्यम से उसका उद्देश्य 'एल्गोरिदम' आधारित निवेश को अधिक लोगों तक पहुंचाना है, ताकि खुदरा निवेशकों को भी उन उन्नत एवं व्यवस्थित निवेश उपकरणों तक पहुंच मिल सके जो अब तक मुख्य रूप से संस्थागत निवेशकों तथा अत्यधिक उच्च संपत्ति वाले व्यक्तियों के लिए उपलब्ध थे।

टीवीएस ऑर्बिटर वी1 लॉन्च

लखनऊ। दो और तीन पहिया वाहनों के क्षेत्र में वैश्विक अग्रणी टीवीएस मोटर कंपनी (टीवीएसएम) ने अपने इलेक्ट्रिक वाहन पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए 1.8 kWh बैटरी के साथ टीवीएस ऑर्बिटर वी1 लॉन्च किया है। यह कंपनी की लाइन-अप में सबसे किफायती इलेक्ट्रिक स्कूटर है। साथ ही कंपनी ने अपने पूरे ईवी पोर्टफोलियो में बैटरी-एज़-ए-सर्विस (BaaS) मॉडल भी पेश किया है, जो ग्राहकों को अधिक लचीला ओनरशिप विकल्प देता है। टीवीएस ऑर्बिटर वी1 और BaaS मॉडल के साथ कंपनी की ईवी स्कूटर रेंज अब 49,999 (एक्स-शोरूम दिल्ली, पीएम ई-ड्राइव सहित) से शुरू होती है। वहीं, जो ग्राहक बिना BaaS के ऑर्बिटर वी1 खरीदना चाहते हैं, वे इसे 84,500 (एक्स-शोरूम दिल्ली, पीएम ई-ड्राइव सहित) में खरीद सकते हैं।

हड़ताल

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट में लुफ्थांसा के पायलट दो दिन की हड़ताल पर हैं। गुरुवार को एयरपोर्ट पर पार्क किए गए लुफ्थांसा एयरक्राफ्ट के पास से गुजरता एक आदमी। ● फोटो : एजेंसी

कीमतें घटाने को करेंगे 'स्ट्रैटेजिक पेट्रो रिजर्व' का इस्तेमाल : ट्रंप

पेरिस, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान युद्ध के कारण बढ़ी पेट्रोल की कीमतों को कम करने के लिए अमेरिका के 'स्ट्रैटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व' का इस्तेमाल किया जाएगा।

सिनसिनाटी में एक स्थानीय चैनल को बुधवार को दिए साक्षात्कार में ट्रंप से जब भंडार के उपयोग के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हम ऐसा करेंगे और फिर बाद में इसे फिर से भर देंगे।

उन्होंने कहा कि अभी हम इसे थोड़ा कम करेंगे और इससे कीमतें नीचे आएंगी। राष्ट्रपति ने हालांकि यह नहीं बताया कि अमेरिका अपने रिजर्व भंडार से कितने बैरल तेल जारी करेगा।

निवेशक की मृत्यु के बाद वारिसों के लिए दावा प्रक्रिया सरल बनाएगा सेबी

नयी दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने बृहस्पतिवार को निवेशक की मृत्यु के बाद वारिसों को प्रतिभूतियों के हस्तांतरण की प्रक्रिया को सरल बनाने का प्रस्ताव किया। इससे नामांकित व्यक्ति और कानूनी वारिस वित्तीय संपत्तियों पर आसानी से दावा कर सकेंगे।

सेबी के परामर्श पत्र के अनुसार, नियामक ने सरलीकृत दस्तावेजीकरण के लिए मौद्रिक सीमा में संशोधन करने और छोटे दावों के लिए सीधा और निर्बाध प्रसंस्करण (एसटीपी) तंत्र शुरू करने का सुझाव दिया है ताकि कागजी कार्रवाई कम हो सके और दावों के निपटान में तेजी

आए। सेबी ने कहा कि सरलीकृत दस्तावेजीकरण के लिए मौजूदा सीमाएं बहुत पहले तय की गई थीं और प्रतिभूति बाजार की भारी वृद्धि और संपत्तियों की बढ़ी हुई कीमतों को देखते हुए मौजूदा सीमाओं की समीक्षा करने की तत्काल आवश्यकता है।

प्रस्तावित ढांचे के तहत एक सत्यापन योग्य मृत्यु प्रमाण पत्र में मूल प्रमाण पत्र, नामांकित व्यक्ति द्वारा सत्यापित प्रति, नोटरी या राजपत्रित अधिकारी द्वारा प्रमाणित प्रति या क्यूआर कोड वाला प्रमाण पत्र शामिल हो सकता है। कानूनी उत्तराधिकार प्रमाण पत्र तहसीलदार के पद से नीचे के राजस्व अधिकारी द्वारा जारी नहीं होना चाहिए।

सेबी ने मौद्रिक सीमा में संशोधन का प्रस्ताव दिया है। एसटीपी के तहत बहुत छोटे दावों के लिए सीमा भौतिक प्रतिभूतियों के लिए 10,000 रुपये और डीमैट प्रतिभूतियों के लिए 30,000 रुपये होगी। सरलीकृत दस्तावेजीकरण की सीमा भौतिक होल्डिंग के लिए बढ़ाकर 10 लाख रुपये और डीमैट होल्डिंग के लिए 30 लाख रुपये की जाएगी।

पश्चिम एशिया संकट से घबराया शेयर बाजार तेज गिरावट जारी, 829 अंक लुढ़का सेंसेक्स

निफ्टी भी 227.70 अंक गिरा, विशेषज्ञ बोले- फिलहाल अनिश्चितता बरकरार रहने के आसार

मुंबई, एजेंसी

ईरान युद्ध लम्बा खिंचने और खाड़ी क्षेत्र में तेल टैंकरों पर हमले की बढ़ती घटनाओं के बीच स्थानीय शेयर बाजारों में गिरावट का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा और प्रमुख सूचकांक एक प्रतिशत के दायरे में लुढ़क गये। बाजार कल भी गिरावट में था। बीएसई30 में बिजली क्षेत्र की एनटीपीसी और पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, टेक महिंद्रा और एचसीएल-इन छह शेयरों को छोड़ कर बाकी 24 कंपनियों के शेयर घाटे में बंद हुए।आज के कारोबार में बैंकिंग एवं वित्तीय सेवा, एयरलाइन, वित्तीय सेवा और वाहन कंपनियों के शेयरों में बिकवाली का जोर था। उपभोक्ता क्षेत्र के शेयर भी गिरावट में दिखे। बीएसई 30 सेंसेक्स बुधवार की तुलना में गुरुवार को और 829.29 अंक (1.08 प्रतिशत) गिर कर 76,034.42 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 भी 227.70 अंक (0.95 प्रतिशत) गिरकर 23,628.65 पर बंद हुआ।

बुधवार को भी सेंसेक्स 1,342.27 अंक लुढ़ककर 76,863.71 अंक और निफ्टी-50 सूचकांक 394.75 अंक टूटकर 23,866.85 अंक पर बंद हुआ था। बीएसई30 आज 76,369.65 पर खुला और कारोबार के दौरान ऊपर में 76,681.71 तथा नीचे में 75,871.18 तक गया। इसी तरह आज निफ्टी-50 सूचकांक 23,674.85 पर खुल कर ऊपर में 23,833.15 और नीचे में 23,556.30 तक गया था। आज के कारोबार में गिरावट महिंद्रा एंड महिंद्रा में दिखी। यह शेयर 4.23 प्रतिशत टूट कर 3032.80 पर बंद हुआ। मारुति 3.60 प्रतिशत टूट कर 13016 रुपये पर टिका। एल एंड टी और अल्ट्राटेक सीमेंट भी 3 प्रतिशत से अधिक के घाटे में बंद हुए। इंडिगो का शेयर 2.26 प्रतिशत नीचे आया। बैंकिंग शेयरों में सबसे ज्यादा 2.19 प्रतिशत की गिरावट आईसीआईसीआई बैंक में रही। कोटक बैंक, एक्सिस बैंक एसबीआई ओर एचडीफसी बैंक भी हानि में बंद हुए। बजाज फिन सर्व भी हानि में रहा। रोजमर्रा के उपभोक्ता सामान बेचने वाली दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान लीवर का शेयर 1.22 प्रतिशत टूट गया। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के सम्पत्ति प्रबंध प्रभाग के अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा कि घरेलू शेयर बाजार के निकट भविष्य में अस्थिर बने रहने के आसार हैं।

पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद से निवेशकों की संपत्ति 23.44 लाख करोड़ रुपये घटी

नयी दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद से अब तक निवेशकों की संपत्ति 23.44 लाख करोड़ रुपये घट गयी है। अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमले से शेयर बाजारों में तेज गिरावट आई है और बीएसई सेंसेक्स छह प्रतिशत से अधिक नीचे आया है। इस संघर्ष के कारण फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित संकरे जलमार्ग, होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 6.66 प्रतिशत बढ़कर 98.11 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गया। शेयर बाजार में 27 फरवरी से, 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 5,252.77 अंक यानी 6.46 प्रतिशत नीचे आया है। इस दौरान बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 23,44,237.26 करोड़ रुपये घटकर 4,40,06,434.01 करोड़ रुपये (4,770 अरब डॉलर) हो गया।

बाजार पर पश्चिम एशिया के संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली का प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा आपूर्ति में संभावित बाधा की चिंताएँ तब बढ़ गईं जब ब्रेंट क्रूड लगभग 9 प्रतिशत उछलकर 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। यह वृद्धि उन खबरों के बाद आयी है कि ईरान की विस्फोटक से लैस नौकाओं ने दो ईंधन टैंकर-पोत पर हमले किये और कुछ तेल बंदरगाहों पर संचालन रोक दिया गया। इसने वहां संघर्ष के बीच आपूर्ति को लेकर चिंताओं को और बढ़ा दिया है। श्री खेमका ने कहा कि आज मिडकैप 100 सूचकांक में 0.4 प्रतिशत और स्मॉलकैप 100 में में 0.7 प्रतिशत की गिरावट यह दर्शाती है कि बाजार में व्यापक स्तर पर बिकवाली हुई।

मार्च में अब तक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजार में लगातार शुद्ध बिकवाल बने हुए हैं। एफआईआई ने स्थानीय बाजार से अब तक लगभग 39,116 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की है।

ग्रामीणों के लिए हमेशा उपलब्ध रहने वाले बनें ग्रामीण बैंक: वित्त मंत्रालय

कहा-आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करें

नयी दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) को सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचनाओं यानी आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बनाने तथा मिल कर काम करने के लिए कंसोर्टियम आधारित दृष्टिकोण अपनाने को कहा ताकि वे ग्रामीण अर्थव्यवस्था की दिन-रात बेहतर सेवा कर सकें।

भारतीय बैंक संघ (आईबीए) ने डीएफएस के मार्गदर्शन में राजधानी में आरआरबी में अगली पीढ़ी के सुधार-चुनौतियां और अवसर विषयक सम्मेलन में इन बैंकों के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों की दिशा में अवसरों, चुनौतियों और रोडमैप पर विचार-विमर्श किया गया। इसका उद्देश्य उनकी अवसंरचना और कार्यप्रणाली मजबूत बनाना है।

विकसित भारत 2027 के लक्ष्य

में आरआरबी की भूमिका के महत्व पर भी चर्चा की गयी। वित्त मंत्रालय की आरे से गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इस कार्यक्रम में डीएफएस के संयुक्त सचिव आशीष माधवराव मोरे ने कंसोर्टियम आधारित दृष्टिकोण को मजबूत करने और आईटी अवसंरचना के आधुनिकीकरण पर जोर दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि सभी आरआरबी का दृष्टिकोण ऐसा होना चाहिए कि वे ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए हमेशा उपलब्ध रहने वाले बैंक के रूप में कार्य करें।

उ.प्र. पावर ट्रान्समिशन कारपोरेशन लिमिटेड

ई–निविदा सूचना दिनांक 12.03.2026

निविदा संख्या एवं कार्य का संक्षिप्त विवरण

1. अति–अल्पकालिक ई–निविदा संख्या 24–वि0पा0खं0 (प्र0) ल0 / 2025–26, विद्युत पारेषण खण्ड–I, लखनऊ के क्षेत्रान्तर्गत बिजनेस प्लान वर्ष 2025–26 के तहत विभिन्न उपकेन्द्रों पर स्थापित विभिन्न 132 के0वी0 एस0एफ0–6 सर्किट ब्रेकर की सर्विसिंग एवं ओवर हालिंग सम्बन्धी कार्य। निविदा प्रपत्र शुल्क रू0 590.00 एवं धरोहर धनराशि रू0 8500.00 मात्र।

ई–निविदा की अन्तिम तिथि–19.03.2026 समय 12:00 बजे।

विस्तृत जानकारी एवं प्रपत्र वेबसाइट–http//etender.up.nic.in पर उपलब्ध है। अग्रेतर समस्त सूचनाएँ वेबसाइट पर ही प्रदर्शित की जायेगी। **अधिशासी अभियन्ता, विद्युत पारेषण खण्ड–प्रथम, कमरा सं0 115–120, पारेषण भवन, विभूति खण्ड–II, निकट मन्त्री आवास, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (उ0प्र0) 'राष्ट्र हित में बिजली बचायें' पत्रांक: 338/वि0पा0ख0(प्र0) ल0/ई– निविदा दिनांक: 12.03.2026**

चार करोड़ लीटर अतिरिक्त कैरोसिन राज्यों को आवंटित

नयी दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) के विकल्प के रूप में राज्यों को अतिरिक्त 40,000 किलोलीटर केरोसिन (मिट्टी का तेल) आवंटित किया गया है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने यहां संवाददाताओं को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकारों द्वारा चिह्नित लाभार्थियों को कुछ और वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि देश में कच्चे तेल की आपूर्ति की स्थिति फिलहाल

संतोषजनक है और करीब एक लाख पेट्रोल पंप में कहीं भी ईंधन खत्म होने की स्थिति नहीं है।

यह बयान पश्चिम एशिया संकट के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आने वाले तेल एवं गैस आयात के काफी हद तक बाधित हो जाने के बीच आया है। इसकी वजह से रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत की शिकायतें सामने आ रही हैं।

अमेरिका ने शुरू की भारत, जापान चीन और यूरोपीय संघ के खिलाफ जांच

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● **अमेरिका के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं ये सभी, बांग्लादेश, कंबोडिया, इंडोनेशिया समेत कुल 16 देश हैं जांच के दायरे में**

अमेरिका ने भारत, चीन, जापान और यूरोपीय संघ जैसे अपने प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के खिलाफ जांच शुरू की है। इसका उद्देश्य उन अनुचित विदेशी प्रथाओं का पता लगाना है जिनसे अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्र पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) जैमीसन ग्रीर ने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 301(बी) के तहत विभिन्न देशों की नीतियों, कार्यों तथा प्रथाओं की जांच शुरू करने की घोषणा की। यह जांच विनिर्माण क्षेत्रों में संरचनात्मक अतिरिक्त क्षमता एवं अत्यधिक उत्पादन से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित है। यह जांच बांग्लादेश, कंबोडिया, चीन, यूरोपीय संघ, भारत, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, थाईलैंड और वियतनाम के खिलाफ शुरू की गई है। यूएसटीआर ग्रीर ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि जांच के दौरान यह तय किया जाएगा कि इन देशों की नीतियां और प्रथाएं अनुचित या भेदभावपूर्ण हैं या नहीं और क्या वे अमेरिकी व्यापार पर बोझ डालती हैं या उसे सीमित करती हैं। ग्रीर ने कहा कि अमेरिका अब अपने औद्योगिक आधार को उन देशों के लिए बलिदान नहीं करेगा, जो अतिरिक्त उत्पादन एवं क्षमता की अपनी समस्याएं हमारे यहां निर्यात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह जांच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस संकल्प को दर्शाती है, जिसके तहत महत्वपूर्ण आपूर्ति श्रृंखलाओं को फिर से अमेरिका में स्थापित करने एवं अमेरिकी विनिर्माण क्षेत्रों में बेहतर वेतन वाली नौकरियां उत्पन्न करने का प्रयास किया जा रहा है।

यूएसटीआर ने इन देशों की सरकारों से परामर्श का अनुरोध किया है। इन जांचों पर टिप्पणियां 17 मार्च से दर्ज की जाएंगी जबकि सुनवाई पांच मई 2026 से शुरू होगी।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें!

विशेष रेलगाड़ी – 2026

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर रेलवे द्वारा विशेष रेलगाड़ी सं. 04432 आनंद विहार (टर्मिनल) – टाटानगर जं. एक्सप्रेस संचालित करने का निर्णय लिया गया है। इस रेल सेवा की समय–सारणी निम्नानुसार है:–

रेलगाड़ी सं. 04432 आनंद विहार (टर्मिनल) – टाटानगर जं. विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 01 फेरा

स्टेशन	गाड़ी सं. 04432 आगमन	गाड़ी सं. 04432 प्रस्थान
आनंद विहार (टर्मिनल)	----	05:00
मुरादाबाद	08:15	08:25
बरेली	10:10	10:15
लखनऊ जं.	14:20	14:30
सुलतानपुर	17:10	17:20
वाराणसी	21:40	21:50
पंडित दीन दयाल उपाध्याय जं.	22:40	22:45
भभुआ रोड	23:24	23:26
सासाराम	23:53	23:55
डेहरी ऑन सोन	00:08	00:10
जपला	00:55	00:57
गढ़वा रोड जं.	02:30	02:35
डालटनगंज	03:13	03:15
बरवाडीह जं.	03:43	03:45
लातेहार	04:20	04:22
टोरी	05:15	05:17
बरकाकाना जं.	07:48	07:50
मूरी जं.	08:55	09:00
चाण्डिल जं.	11:50	11:55
टाटानगर जं.	13:00	----

चलने के दिन: 04432 आनंद विहार (ट.) से दिनांक 16.03.2026 (सोमवार) को।

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकॉनोमी, शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

837/2026 पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

आपकी सुविधा–हमारा ध्येय

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

ब्रेंट क्रूड बनाम डब्ल्यूटीआई : वैश्विक तेल बाजार के दो प्रमुख मानक

दोनों में क्या है अंतर और कैसे होता है इनका मूल्य निर्धारण, इनकी कीमतों में उतार-चढ़ाव से प्रभावित होता है शेयर बाजार

इन दिनों अमेरिका-ईरान युद्ध ने दुनिया के सामने क्रूड ऑयल यानी कच्चे तेल के कई अहम पहलुओं को रखा है। कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से पिछले कुछ ही दिनों में शेयर मार्केट में लोगों की सम्पत्ति करीब साढ़े 23 लाख करोड़ रुपये घट गयी। भारत में रोजाना करीब 55 से 58 लाख बैरल क्रूड ऑयल की खपत होती है और भारत इसका 88% आयात करता है।

क्रूड ऑयल का इतिहास 30 करोड़ साल पुराना है। प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले अपरिष्कृत तेल को क्रूड ऑयल कहते हैं। यह काले रंग का गाढ़ा द्रव होता है अर्थात यह एक तरह का डार्क हाइड्रोकार्बन पदार्थ है जो कि विश्व में जमीन और समुद्र के अंदर मिलता है। इस क्रूड ऑयल को निकालने के बाद विभिन्न रिफाइनरियों में मशीनों से परिष्कृत किया जाता है। इसमें पेट्रोल, डीजल, केरोसिन, नेचुरल गैस, ल्यूब्रिकेंट और वेसलीन आदि प्राप्त होता है। क्रूड ऑयल को मापने की इकाई को 'बैरल'कहते हैं। एक

जानकारी

बैरल में 159 लीटर तेल होता है।

दुनिया के कच्चे तेल बाजार में दो प्रमुख बेंचमार्क सबसे अधिक चर्चा में रहते हैं। पहला है ब्रेंट क्रूड ऑयल और दूसरा वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई)। वैश्विक तेल कीमतों को समझने और व्यापारिक निर्णय लेने में इन दोनों मानकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आइए! इन दोनों के बारे में समझने का प्रयास करते हैं-

ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई में अंतर

1. ब्रेंट क्रूड ऑयल को नार्वे और यूनाइटेड किंगडम ब्रिटे के पास नॉर्थ सी से निकाला जाता है जबकि डब्ल्यूटीआई बेंचमार्क वाले तेल को अमेरिकी तेल के कुओं से निकाला जाता है। दोनों को ही कम सल्फर वाला होने से हल्का और स्वीट कहा जाता है। इसका अर्थ है कि रिफाइनरियों में इनका परिशोधन आसान होता है।

2. ब्रेंट क्रूड ऑयल का मूल्य पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (OPEC) द्वारा उपयोग किया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय बेंचमार्क मूल्य है, जबकि डब्ल्यूटीआई क्रूड मूल्य अमेरिकी तेल की कीमतों के लिए एक बेंचमार्क है। ब्रेंट क्रूड ऑयल का वायदा कारोबार मुख्य रूप से लंदन में इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज (ICE) में जबकि WTI का वायदा कारोबार न्यूयॉर्क मर्केंटाइल एक्सचेंज (NYMEX) में किया जाता है।

3. दुनिया भर के दो तिहाई क्रूड कॉन्ट्रैक्ट इसी ब्रेंट क्रूड ऑयल बेंचमार्क में तय किये जाते हैं जबकि WTI का व्यापार मुख्य रूप से केवल अमेरिका में किया जाता है।

ब्रेंट क्रूड ऑयल क्या है?

ब्रेंट क्रूड ऑयल उत्तरी सागर से निकाले जाने वाले तेल का मिश्रण है, जिसमें ब्रेंट, फोर्टिस, ओसबर्ग और इकोफिस्क जैसे तेल क्षेत्र शामिल होते हैं। ब्रेंट को यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीका के तेल बाजारों के लिए प्रमुख बेंचमार्क माना जाता है और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसकी कीमतों को व्यापक रूप से संदर्भ के रूप में इस्तेमाल किया जाता है।

डब्ल्यूटीआई तेल क्या है?

वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) अमेरिका में मुख्य रूप से टेक्सास, लुइसियाना और नॉर्थ डकोटा जैसे क्षेत्रों से निकाला जाता है। इसका उपयोग अधिकतर गैसोलीन के उत्पादन में किया जाता है। डब्ल्यूटीआई को अमेरिकी तेल बाजार का प्रमुख बेंचमार्क माना जाता है।

मूल्य निर्धारण

इन दोनों की कीमतों के अंतर को ब्रेंट-डब्ल्यूटीआई स्प्रेड कहा जाता है। यह अंतर वैश्विक मांग-आपूर्ति, उत्पादन बाधाओं और भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण बदलता रहता है।

वर्ल्ड ब्रीफ

जम्मू: पाकिस्तानी ड्रोन से गिराई 12 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद

जम्मू। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराई गई करीब दो किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 12 करोड़ रुपये आंकी गई है। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू पुलिस और बीएसएफ की 101वीं बटालियन ने बुधवार देर रात बिश्नाह क्षेत्र के बहादुरपुरा गांव में एक खेत से यह हेरोइन बरामद की। पुलिस ने बताया कि सूचना पर कार्रवाई करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया गया। इस दौरान रस्सी और हुक से जुड़ा एक बैग बरामद हुआ जिसमें हेरोइन के छोटे पैकेट थे। पुलिस ने इस बरामदगी को मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि करार दिया है। जहां यह हेरोइन गिराई गई थी वह अंतरराष्ट्रीय सीमा से कुछ ही किलोमीटर दूर स्थित है।

इथियोपिया: भूस्खलन के कारण 50 लोगों की मौत, 125 लापता

अदीस अबाबा। दक्षिणी इथियोपिया के तीन जिलों में एक सप्ताह तक हुई भारी बारिश के बाद भूस्खलन के कारण 50 लोगों की मौत हो गई और 125 लापता हैं। गामो जोन के आपदा प्रतिक्रिया निदेशक मेसफिन मनुका के अनुसार, भूस्खलन गामो जोन में हुआ और तीन जिले गाचो बाबा, कम्बा और बोंके प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के दौरान एक व्यक्ति को कीचड़ से जिंदा बाहर निकाला गया। गाचो बाबा जिले के संचार प्रमुख अबेबे अगेना ने बताया कि मरने वालों में से ज्यादातर के शव कीचड़ में दबे हुए पाए गए। उन्होंने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि भूस्खलन से कितने मकान प्रभावित हुए हैं।

पाकिस्तान में मोर्टार में विस्फोट के कारण पांच लोगों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के अशांत उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अफगानिस्तान की सीमा से सटे एक रिहायशी इलाके में बुधवार देर रात मोर्टार का गोला फटने से एक परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। यह घटना अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर जिले की तिराह घाटी के सेरी कंदाओ इलाके में हुई। अज्ञात दिशा से दागा गया मोर्टार का गोला रिहायशी इलाके में आकर गिरा जिससे पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस हमले में नियाज बादशाह नाम का व्यक्ति, उसके दो बेटे, उसका भतीजा और पोता मारे गए। इस घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत फैल गई।

सेनेगल में समलैंगिक संबंधों पर अब होगी 10 साल तक की सजा

- संसद में विधेयक पारित, पहले 5 साल की सजा का था प्रावधान

दकार, एजेंसी

सेनेगल की संसद ने बुधवार को समलैंगिक संबंधों के लिए अधिकतम सजा को दोगुना करते हुए 10 साल तक की जेल का प्रावधान करने वाला विधेयक पारित कर दिया। नेशनल असेंबली में भारी बहुमत से पारित इस विधेयक को कानून बनने के लिए अब राष्ट्रपति बासिरौ डियोमाये फेय की मंजूरी मिलनी बाकी है।

इस विधेयक में समलैंगिक संबंधों को बढ़ावा देने या वित्तपोषित करने के दोषियों के लिए भी आपराधिक दंड शामिल है। विधेयक में ''प्रकृति के विरुद्ध कृत्य'' (समलैंगिक संबंधों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला शब्द) के लिए सजा को बढ़ाकर 5 से 10 साल कर दिया गया है, जबकि पहले यह 1 से 5 साल थी। इसके साथ ही, समलैंगिक संबंधों का समर्थन करने पर किसी भी व्यक्ति के लिए तीन से सात साल की जेल का प्रावधान है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, फरवरी से अब तक देश में समलैंगिक निरोधक कानूनों के तहत दर्जनों पुरुषों को गिरफ्तार किया गया है।

कई घंटों की बहस के बाद, सांसदों ने इसके पक्ष में 135 मत डाले, जबकि तीन सांसद अनुपस्थित रहे और विरोध में एक भी मत नहीं पड़ा। बहस के दौरान सांसद डियारे बा ने कहा, इस देश में अब समलैंगिक सांस नहीं ले पाएंगे। उन्हें अभिव्यक्ति की आजादी नहीं मिलेगी।

चर्चाओं में अटका हुआ एक कानून

समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी देश में कई वर्षों से चर्चाओं में है, लेकिन न अभी कानून की शक्ल ले पाया है, न ही केंद्रीय स्तर पर इसके लागू होने की कोई संभावना नजर आ रही है। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की केंद्र के लिए उल्लिखित टिप्पणी की कि देश में यूसीसी लागू करने का समय आ गया है। इससे से यह मुद्दा फिर चर्चा में आ गया। हालांकि इसके बाद केंद्र की ओर से अभी कोई स्थिति साफ नहीं की गई है कि वह इसे कानून का रूप देने के लिए क्या कदम उठाएगा। दरअसल, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में उल्लेख है कि राज्य पूरे भारत में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा। इसी आधार पर राजनीतिक रूप से यूसीसी लागू करने की घोषणाएं हुईं, लेकिन ठोस पहल नहीं हुई। इस बीच उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य जरूर बन गया।

यूसीसी का भविष्य

देश भर में हुआ था विरोध

घोषणाएं और वास्तविकता

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सेक्युलर सिविल कोड नाम देते हुए कहा था कि देश को एक ऐसा कानून चाहिए जो धार्मिक भेदभाव खत्म करे।
- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह स्पष्ट रूप से घोषणा कर चुके हैं कि भाजपा सरकार अपने कार्यकाल के भीतर देशभर में यूसीसी लागू करेगी।
- देश की विशाल धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता के कारण सर्वसम्मत कानून बनाना चुनौतीपूर्ण, राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी भी रही।

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी का क्या है मतलब

- सुप्रीम कोर्ट ने 10 मार्च 2026 को एक याचिका पर सुनवाई के दौरान टिप्पणी की कि अब देश में यूसीसी लागू करने का समय आ गया है।
- कोर्ट ने माना कि पर्सनल लॉ जैसे शरीयत एक्ट 1937 के कारण महिलाओं को विरासत जैसे अधिकारों में भेदभाव से जूझना पड़ता है।
- अलग-अलग पर्सनल लॉ कई बार कानूनी उलझनें पैदा करते हैं। इसलिए संसद को यूसीसी के जरिए नया ढांचा तैयार करना चाहिए।

यह हो सकता है सरकार का रुख

- सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी के बाद केंद्र सरकार पर संसद में राष्ट्रीय स्तर पर बिल को लाने का दबाव बढ़ा है।
- सरकार 22वें विधि आयोग के जरिए समावेशी मसौदा तैयार करने को धार्मिक समूहों के साथ चर्चा कर सकती है।
- उत्तराखंड की तरह अन्य भाजपा शासित राज्य भी अपने यहां यूसीसी लागू करने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं।

फिलहाल ये है स्थिति

- केंद्र सरकार और उसके मंत्रियों ने कई घोषणाएं तो की हैं लेकिन देश भर में यूसीसी लाने के लिए अभी तक कोई अंतिम आधिकारिक मसौदा सार्वजनिक नहीं किया है।
- 22वें भारतीय विधि आयोग को मसौदा तैयार करने का काम सौंपा गया था। आयोग ने जून 2023 में जनता और धार्मिक संगठनों से सुझाव मांगे थे, जिसमें 19 लाख प्रतिक्रियाएं मिलीं।
- रिपोर्ट्स के अनुसार, विधि आयोग का काम अंतिम चरण में है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर विधेयक पेश करने से पहले सरकार अभी भी विभिन्न समुदायों के साथ परामर्श चरण में है।

कानून का विरोध क्यों

- विरोधियों का तर्क है कि यह अनुच्छेद 25 यानी धर्म को मानने और अभ्यास करने की स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है।
- उनका कहना है कि यह भारत की अनेकता में एकता की भावना और समुदायों की विशिष्ट परंपराएं नष्ट कर सकता है।
- कई जनजातीय समूहों को डर है कि उनके विशेष रीति-रिवाज और सुरक्षात्मक कानून यूसीसी के आने से प्रभावित होंगे।

एलपीजी संकट : देश में 50 प्रतिशत से ज्यादा घटा स्विगी-जोमैटो का कारोबार

बेरोजगार हुए गिग वर्कर्स ने मांगी 10,000 रुपये की राहत और आईडी सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में एलपीजी संकट के चलते स्विगी और जोमैटो जैसे फूड डिलीवरी फार्मों की हालत खराब हो गई है। ऑर्डर में 50 से 60 प्रतिशत तक की गिरावट का हवाला देते हुए 'गिग एवं प्लेटफॉर्म सेवा कर्मचारी संघ' (जीआईपीएसडब्लूयू) ने गुरुवार को फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्मों से मुआवजे और आईडी निलंबन से सुरक्षा की मांग की है।

श्रम मंत्री मनसुख मांडविया को लिखे पत्र में संघ ने कहा कि कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडरों की कमी से रेस्तरां, ढाबों, क्लाउड किचन, कैटरिंग सेवाओं और स्ट्रीट फूड बंद हो गए हैं। इससे उनकी आजीविका गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। ज्यादातर गिग वर्कर्स घर के जरूरी खर्चों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। संघ के प्रवक्ता निर्मल गोराना ने कहा, हमारे सदस्य भुखमरी की कगार पर हैं। उननके परिवार दो वक्त की रोटी को तरस रहे हैं और बच्चे भूखे सो रहे हैं। तय वेतन और सामाजिक सुरक्षा न होने के कारण गिग कर्मचारी इस मंदी की सबसे ज्यादा मार झेल रहे हैं।

गोराना ने कहा, दिन भर में 30 डिलीवरी से गिरकर अब 5-10 रह गई हैं, ऊपर से कंपनियां आईडी निलंबित करने की धमकी दे रही हैं। संघ ने कहा कि इस मंदी का असर खाद्य आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े अन्य कर्मचारियों पर भी पड़ रहा है। टैक्सी सेवा ड्राइवरों को रेस्तरां से मिलने वाले फेरों में कमी आई है, क्लाउड किचन में काम करने वाले कर्मचारियों की नौकरियां जा रही हैं। गोराना ने कहा, लगभग एक करोड़ कर्मचारी इससे प्रभावित हो रहे हैं।

मुंबई में बृहस्पतिवार को सिर पर लादकर गैस सिलेंडर ले जाती एक महिला।

दिल्ली: कई रेस्टोरेंट पर पर सिर्फ राजमा-चावल

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में एलपीजी की अनुपलब्धता का रेस्टोरेंट और ढाबों पर पड़ने लगा है। कई रेस्टोरेंट ने अपने मेन्यू को सीमित कर दिया है। कनॉट प्लेस में एक प्रसिद्ध रेस्टोरेंट ने नोटिस लगाया गया है कि गैस सिलेंडर न होने की वजह से मेन्यू में विकल्प सीमित हैं। कई ढाबों पर लगाएगए पोस्टर पर लिखा है कि सिर्फ राजमा चावल और कढ़ी चावल ही उपलब्ध है क्योंकि गैस सिलेंडर उपलब्ध नहीं हैं। इस बीच, दिल्ली सरकार ने कहा है कि राजधानी में ईंधन आपूर्ति की कुल स्थिति सामान्य बनी हुई है।

निर्यात इकाइयों प्राथमिकता से मिले गैस : फियो

नई दिल्ली। निर्यातकों के निकाय फियो ने बृहस्पतिवार को सरकार से निर्यात-उन्मुख विनिर्माण इकाइयों को प्राथमिकता के आधार पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस आवंटित करने का आग्रह किया है। फियो के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा कि उन्होंने इस संबंध में वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय को पत्र लिखा है क्योंकि 'विनिर्माण निर्यातक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। इनके लिए ईंधन के रूप में एलपीजी और प्राकृतिक गैस का आवंटन प्राथमिकता के आधार पर करने की तत्काल आवश्यकता है।

संकट की आशंका से देशभर में लंबी कतारें

नई दिल्ली। ईंधन की कमी की खबरों के बीच बृहस्पतिवार को देश भर में लोग पेट्रोल पंपों और एलपीजी वितरण केंद्रों के बाहर लंबी कतारों में खड़े नजर आए। इस संकट से आम लोगों के साथ-साथ रेस्तरां, स्कूलों और खानपान सेवाओं का कामकाज भी प्रभावित होने लगा है। उत्तराखंड सरकार ने अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता पर वाणिज्यिक गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का निर्णय किया है, लकड़ी उपलब्ध कराने की तैयारी भी शुरू कर दी है। तमिलनाडु होटल्स एसोसिएशन' ने कहा, राज्य में छोटे-मध्यम रेस्तरां बुरी तरह प्रभावित हैं। चेन्नई के कई प्रतिष्ठित रेस्टोरेंटों को घटते गैस भंडार को बचाने के लिए डोसा और फ्राइड राइस जैसे ज्यादा गैस खपत वाले व्यंजन परोसना बंद करना पड़ा है। दिल्ली के एक रेस्तरां मालिक ने कहा, सिलेंडर दोगुनी कीमत करीब 1,500 से 2,000 रुपये देने पर भी नहीं मिल पा रहा है।

मार्च निकालेंगी ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बढ़ते उर्जा संकट के लिए केंद्र की नीतियों को जिम्मेदार ठहराते हुए अगले सप्ताह कोलकाता में विरोध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। पार्टी के अनुसार, ममता केंद्र द्वारा स्थिति को संभालने में नाकाम रहने के खिलाफ सोमवार को सड़कों पर उतरेंगी।

देश में घरेलू गैस के संकट के खिलाफ विपक्ष के सांसदों ने बृहस्पतिवार को संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया।

गैस संकट के खिलाफ संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने देश में एलपीजी के संकट को लेकर बृहस्पतिवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार के निकट कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसद एकत्र हुए और उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने 'मोदी जी एलपीजी' के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने गैस सिलेंडर की आकृति वाली तख्तियां भी ले रखी थीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि ईंधन संकट को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन वह खुद अलग कारणों से घबराए हुए नज़र आ रहे हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में एलपीजी संकट पर हंगामा, 30 विधायक निलंबित

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा में बृहस्पतिवार को मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस ने कहा कि राज्य में लोगों को रसोई गैस सिलेंडर किल्लत का सामना करना पड़ रहा है और इस विषय पर चर्चा की मांग की। सभापति ने उनकी मांग स्वीकार नहीं की, जिसके बाद कांग्रेस विधायक आसन के सामने आकर नारेबाजी करने लगे। सदस्यों के आसन के समीप आने पर नियमों के तहत उन्हें निलंबित कर दिया गया। बाद में सभापति ने कांग्रेस के 30 सदस्यों के निलंबित होने की जानकारी दी। कुछ ही देर बाद उनका निलंबन रद्द कर दिया गया। शून्यकाल के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए, विपक्ष के नेता चरणदास महंत ने कहा कि राज्य में रसोई गैस सिलेंडर की कमी हो रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने पहले भरोसा दिलाया था कि छत्तीसगढ़ में किसी भी तरह की कमी नहीं होगी, लेकिन अगले ही दिन कीमतें बढ़ा दी गईं।

ओडिशा में विधानसभा तीन बार हुई स्थगित

भुवनेश्वर। एलपीजी संकट और सिलेंडर की बढ़ती कीमतों के विरोध में विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण गुरुवार को ओडिशा विधानसभा की कार्यवाही काफी बाधित हुई। सदन में भारी हंगामे को देखते हुए विधानसभा अध्यक्ष सुरमा पाढ़ी को कार्यवाही तीन बार स्थगित करनी पड़ी और अंतत: सदन को शाम चार बजे तक के लिए निलंबित कर दिया गया। प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य हाथों में तख्तियां लिए सदन के बीचोंबीच आ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

अश्वेतों के मुद्दे पर दक्षिण अफ्रीका और अमेरिका के बीच तनातनी

- अमेरिकी राजदूत ने की थी अश्वेतों को सशक्त बनाने की नीतियों की आलोचना
- दक्षिण अफ्रीका ने तलब करके जताई नाराजगी ट्रंप भी कर चुके हैं विवादित टिप्पणी

प्रिटोरिया, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका ने अमेरिकी राजदूत को उनकी गैर-राजनयिक टिप्पणियों पर नाराजगी जताते हुए ष्टीकरण देने के लिए तलब किया है। यह विवाद दक्षिण अफ्रीका की नस्लीय नीतियों एवं अदालती फैसलों पर राजदूत की टिप्पणी के बाद शुरू हुआ है। कंजर्वेटिव दूत ब्रेंट बोझेल ने पिछले महीने ही यहां अपना पद संभाला है।

दक्षिण अफ्रीका के अमेरिकी सहयोगी इजराइल के खिलाफ नरसंहार का मामला दर्ज कराने और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विवादित बयान के बाद कि श्वेत अफ्रीकी प्रताड़ित किए जा रहे हैं, दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में पहले से ही दरार आ चुकी है। मंगलवार को अपने पहले सार्वजनिक संबोधन में नए राजदूत ने रंगभेद काल के नारे 'किल द बोअर, किल द फार्मर' को 'हेट स्पीच' करार दिया और अश्वेत दक्षिण अफ्रीकियों को सशक्त बनाने वाली नीतियों की आलोचना की। दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री रोनाल्ड लामोला ने कहा, हमने अमेरिका के राजदूत बोझेल को उनकी गैरराजनयिक टिप्पणियों पर स्पष्टीकरण देने के लिए बुलाया है। ट्रंप ने दक्षिण अफ्रीका में श्वेतों के नरसंहार के अपने निराधार दावों के समर्थन में इस नारे का इस्तेमाल किया है। पिछले साल मई में ह्वाइट हाउस में राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा के साथ बैठक में उन्होंने इसके वीडियो क्लिप भी दिखाए थे।

दक्षिण अफ्रीका में यह नारा विवादित है, लेकिन वहां की अदालतों ने फैसला सुनाया है कि यह 'हेट स्पीच' के दायरे में नहीं आता। अदालतों का मानना है कि इसे 1994 में समाप्त हुए श्वेत-अल्पसंख्यक शासन के खिलाफ संघर्ष के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। मंगलवार को व्यापारिक नेताओं की बैठक में बोझेल ने कहा था, मुझे खेद है, मुझे फर्क नहीं पड़ता कि आपकी अदालतें क्या कहती हैं, यह हेट स्पीच है। बुधवार को नए दूत अपने बयान से पीछे हटते नजर आए। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, मैं यह साफ कर देना चाहता हूं कि भले ही मेरी निजी राय कई दक्षिण अफ्रीकियों की तरह यही है कि 'किल द बोअर' हेट स्पीच है, लेकिन अमेरिकी सरकार दक्षिण अफ्रीका की न्यायपालिका की स्वतंत्रता और उसके फैसलों का सम्मान करती है।

भारत ने कहा- पाकिस्तान का बयान हास्यास्पद और बेतुका

- तालिबान के साथ सीमा संघर्ष के पीछे बताया था भारत का हाथ

नई दिल्ली। भारत ने पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर दिया है जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तानी सैनिकों और तालिबान के बीच हालिया झड़पों के पीछे भारत का हाथ है। भारत ने कहा कि किसी भी तरह की कहानी इस तथ्य को नहीं बदल सकती कि पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करता है।

भारत ने भारत-कनाडा यूरेनियम समझौते पर पाकिस्तान की आलोचना को भी खारिज कर दिया और उसकी प्रतिक्रिया को हास्यास्पद और उसके बेहद खराब प्रदर्शन से ध्यान भटकाने का प्रयास बताया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि अपनी गलतियों के लिए भारत को दोषी ठहराना पाकिस्तान की आदत बन गई है। जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक ब्रीफिंग में कहा, हम ऐसे निराधार आरोपों को खारिज करते हैं। उन्होंने कहा, दशकों से आतंकवाद को प्रायोजित करने वाले देश के रूप में सीमा पार आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान की विश्वसनीयता शून्य है। कोई कहानी इस वास्तविकता को नहीं बदल सकती और न पाकिस्तान के पीड़ित होने के दावों से कोई मूर्ख बन सकता है।

रूस का शिवलेचु ज्वालामुखी फटा

आठ किलोमीटर ऊंचाई तक उठा राख-धुएं का गुबार

व्लादिवोस्तोक। रूस के कामचटका प्रायद्वीप पर शिवेलुच ज्वालामुखी में विस्फोट के बाद आसमान में आठ किमी ऊंचाई तक धुएं और राख का गुबार फैल गया। रूसी विज्ञान अकादमी के ज्वालामुखी विज्ञान और भूकंप विज्ञान संस्थान की टीम ने गुरुवार को बताया, ज्वालामुखी में विस्फोट के साथ उत्सर्जन गैस और भाप भी निकली। विस्फोटों के कारण राख समुद्र तल से 8 किलोमीटर ऊपर तक पहुंच गई और राख का यह बादल ज्वालामुखी से 10 किलोमीटर पूर्व की ओर बढ़ गया।

अजीत पवार के विमान हादसे की हो निष्पक्ष जांच: राहुल

- पवार के भतीजे के आग्रह के बाद की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने महाराष्ट्र के बारामती विमान हादसे की जांच में बुनियादी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन नहीं होने के मामले में चिंता व्यक्त करते हुए घटना की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की है।

इस हादसे में महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और कई अन्य लोगों की मृत्यु हो गई थी। राहुल गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, रोहित पवार ने आज मुझसे मुलाकात की और मुझे एक पत्र दिया जिसमें उन्होंने बारामती विमान दुर्घटना की जांच पर गंभीर चिंता व्यक्त की। इस विमान दुर्घटना में अजीत पवार जी और अन्य लोगों की जान चली गई। इस मामले में जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने लिखा, कानून के बुनियादी सिद्धांतों का पालन नहीं किया गया है। यह मामला बहुत गंभीर था इसके बावजूद इसमें कोई प्राथमिकी तक दर्ज नहीं की गई। श्री गांधी ने इस मामले में जवाबदेही की मांग करते हुए घटना की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच की आवश्यकता पर बल दिया।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज का दिन विद्यार्थियों के लिये अच्छा रहने वाला है। व्यवसाय में प्रतिष्ठा की हानि हो सकती है। व्यर्थ की यात्रा से बचना चाहिए।

वृष — आज आपका मन अशांत हो सकता है। नए कार्यों को लेकर थोड़ी सावधानी बरतनी होगी। किसी के साथ झड़प होने की संभावना है।

मिथुन — आज नया वाहन खरीदने का विचार बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में समृद्धि का वातावरण रहेगा। बुजुर्गों के अनुभवों से सीखने का प्रयास करें।

कर्क — आज आपकी निर्णय क्षमता में वृद्धि होगी। अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है।

सिंह — आज कोई बनता हुआ काम बिगड़ सकता है। सरकारी अधिकारियों को अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। इंफेक्शन की समस्या हो सकती है।

कन्या — आज धन की कमी का सामना करना पड़ेगा। दिन आशाओं पर खरा उतरता प्रतीत नहीं होगा। जॉब में प्रतिस्पर्धा का वातावरण रहेगा।

तुला — आज व्यवसाय में आय की वृद्धि होगी। अपना लक्ष्य समय से पहले ही पूर्ण कर लेंगे। अपनी विचारधारा का प्रभाव लोगों पर छोड़ पाएंगे।

वृश्चिक — आज मित्रों के माध्यम से शुभ सूचना मिल सकती है। समाज में आपकी विशेषताओं पर चर्चा हो सकती है। घर में आपका मन नहीं लगेगा।

धनु — आज कोई मनोकामना पूर्ण हो सकती है। व्यापार में पुराने ऋणों से मुक्त हो सकते हैं। कारोबार में नए प्रयोग करना हितकर होगा।

मकर — आज बेरोजगारों को जॉब के अवसर मिल सकते हैं। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। अपनी क्षमताओं का मूल्यांकन करें।

कुंभ — आज संतान की उपलब्धियों से उत्साहित रहेंगे। समाज में सम्मान प्राप्त होगा। सोशल मीडिया पर आप काफी समय बिताएंगे।

मीन — आज व्यावसायिक अनुबंधों को समय से पूर्ण कर लेंगे। नए कार्यों में निवेश प्रारंभ कर सकते हैं। अपने स्वभाव में नम्रता बनाए रखें।

आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

आज की ग्रह स्थिति : 13 मार्च, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- चैत्र, पक्ष-कृष्ण पक्ष, नवमी 06 .28 तक तत्पश्चात दशमी।

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- वसंत।
चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र- पूर्वाषाढ़ा 14 मार्च 03 .03 तक तत्पश्चात उत्तराषाढ़ा।

सुडोकू - 86 का हल

5	3	4	6	1	7	2	8	9
1	6	2	8	9	5	4	3	7
8	9	7	2	3	4	1	6	5
4	2	8	9	7	3	6	5	1
6	1	3	5	8	2	7	9	4
9	7	5	4	6	1	8	2	3
3	8	1	7	2	9	5	4	6
2	4	9	1	5	6	3	7	8
7	5	6	3	4	8	9	1	2

सुडोकू -87

9		2	6				5	
				3			8	
1			4					6
		7		2		6		
			1		7			
4		3		8		6		
	2				9			3
	4			1				
	6				5	2		1

विश्व राजनीति

संयुक्त राष्ट्र में सहप्रायोजित किया खाड़ी देशों और जॉर्डन पर हमलों की निंदा का प्रस्ताव, रूस-चीन ने बनाई दूरी

ईरान के खिलाफ खड़े होने वाले देशों में शामिल हुआ भारत

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उस प्रस्ताव को सह प्रायोजित किया जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद के देशों और जॉर्डन के खिलाफ ईरान की ओर से किए गए भीषण हमलों की निंदा की गई है। इस प्रस्ताव में सभी ईरानी हमलों को तत्काल रोके जाने की मांग की गई है और होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की धमकियों की भी निंदा की गई है।

अमेरिका की अध्यक्षता वाली 15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद ने 13 मतों के साथ इस प्रस्ताव को बुधवार को पारित किया। इसके खिलाफ कोई मत नहीं पड़ा जबकि वीटो अधिकार वाले स्थाई सदस्यों चीन और रूस ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया। भारत ने 130 से अधिक देशों के साथ मिलकर बहरीन के नेतृत्व वाले इस प्रस्ताव को सह प्रायोजित किया। इस प्रस्ताव को प्रायोजित करने वाले देशों में ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, बांग्लादेश, भूटान, कनाडा, मिस्र, फ्रांस, जर्मनी, यूनान, इटली, जापान, कुवैत, मलेशिया, मालदीव, म्यांमा, न्यूजीलैंड, नॉर्वे, ओमान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, सिंगापुर, स्पेन, यूक्रेन, संयुक्त अरब अमीरात, ब्रिटेन, अमेरिका, यमन और जाम्बिया शामिल हैं। इस प्रस्ताव के कुल 135 सह-प्रायोजक थे।

प्रस्ताव में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और जॉर्डन की क्षेत्रीय अखंडता, संप्रभुता एवं राजनीतिक स्वतंत्रता के प्रति मजबूत समर्थन को दोहराया गया है। इसमें ईरान के भीषण हमलों की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा गया है कि इस प्रकार के कृत्य अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन हैं तथा अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। प्रस्ताव में मांग की गई है कि ईरान जीसीसी देशों एवं जॉर्डन के खिलाफ सभी हमलों को तत्काल रोके और पड़ोसी देशों के खिलाफ छद्म समूहों के इस्तेमाल समेत किसी भी उकसावे वाली या धमकाने वाली कार्रवाई को तुरंत और बिना शर्त रोके।

होर्मुज को बंद करने, पड़ोसी देशों के रिहायशी इलाकों पर हमलों की आलोचना

प्रस्ताव में ईरान की ओर से होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय नौवहन को बंद करने, बाधित करने या किसी भी तरह से हस्तक्षेप करने या बाब अल मंदाब में समुद्री सुरक्षा को खतरे में डालने के उद्देश्य से की गई हर प्रकार की कार्रवाई या धमकी की आलोचना की गई। कहा गया कि रिहायशी इलाकों और असैन्य साजो सामानों को निशाना बनाया गया जिसमें आम नागरिक हताहत हुए तथा असैन्य इमारतों को नुकसान पहुंचा। प्रस्ताव में उन देशों और लोगों के साथ एकजुटता जताई गई जो हमलों का शिकार हुए हैं। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के प्रतिनिधि राजदूत माइक वाल्ट्ज ने कहा कि इस प्रस्ताव को अपनाया जाना ईरान की क्रूरता की निंदा करने वाला खाड़ी देशों का स्पष्ट बयान है। ईरानी शासन की आम नागरिकों और असैन्य अवसंरचना को निशाना बनाने की प्रवृत्ति निंदनीय है।

"एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करना इस ग्रुप के लिए एक जरूरी माइलस्टोन है, और प्लेयर्स ने टूर्नामेंट में अब तक जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसके लिए वे बहुत क्रेडिट की हकदार हैं।
-शोर्ड मारिन, हॉकी टीम के मुख्य कोच

स्टेडियम

लखनऊ, शुक्रवार, 13 मार्च 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप में गुंजन, राधामनी और चंद्रिका जीते

बैंकॉक। गुंजन, राधामनी लोगजाम और चंद्रिका पुजारी ने विश्व मुक्केबाजी फ्यूचर्स कप के पांचवें दिन बृहस्पतिवार को अपने अपने मुकाबले जीते। सुबह के सत्र में गुंजन (48 किलो) ने पोलैंड की प्रतिद्वंद्वी पर 5-0 से जीत दर्ज की। राधामनी (57 किलो) ने इक्वाडोर की विरोधी को रैफरी द्वारा मुकाबला रोके जाने पर हराया। प्राची (60 किलो) को स्लोवाकियाई मुक्केबाज ने 5-0 से हराया जबकि प्रियांश सेहरावत (70 किलो) को मोरक्को के मुक्केबाज ने पुरुष वर्ग में 5-0 से मात दी। शाम के सत्र में चंद्रिका पुजारी (50 किलो) ने अमेरिकी मुक्केबाज को 5-0 से मात दी।

भ्रष्टाचार के आरोपों में दो अधिकारी निलंबित

ब्रिजटाउन। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बारबाडोस में 2023-24 बिम10 टूर्नामेंट के दौरान भ्रष्टाचार-रोधी नियमों के कई उल्लंघनों के कारण तेज गेंदबाज ऑलराउंडर जावोन सर्ल्स और एक फ्रेंचाइजी से जुड़े दो लोगों को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। सर्ल्स के अलावा आईसीसी ने टाइटन्स टीम के मालिक चित्रंजन राठौड़ और टीम अधिकारी ट्रेवन ग्रिफिथ को भी सभी प्रकार के क्रिकेट से निलंबित कर दिया है। बिम10 एक 10-10 ओवर की पारियों वाला टूर्नामेंट है जिसमें छह टीमें वॉयजर्स, गार्डियंस, टाइटन्स, सेटलर्स, वॉरियर्स और पेलिकन्स टीम खेलती हैं। यह टूर्नामेंट आखिरी बार 2023-24 में आयोजित हुआ था।

किरण जॉर्ज स्विस ओपन में हारकर बाहर

बासेल। भारतीय शटलर किरण जॉर्ज बृहस्पतिवार को यहां स्विस ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के प्री क्वार्टरफाइनल में हांगकांग के जेसन गुणावन से हारकर बाहर हो गए जबकि युवा थारुन मन्नेपल्ली ने जापान के अपने प्रतिद्वंद्वी कैंटा निशिमोटो के निर्णायक सेट में रिटायर होने के बाद दूसरे दौर में जगह बनाई। जॉर्ज ने कड़ी टक्कर दी लेकिन 70 मिनट तक चले राउंड 16 मैच में 18-21, 21-16, 16-21 से हार गए।

दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना है पसंद : बुमराह

अहमदाबाद, एजेंसी

भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी20 विश्व कप में खिताब का बचाव करना अपने करियर के सबसे संतोषजनक अनुभवों में से एक करार देते हुए कहा कि उन्हें दबाव वाली परिस्थितियों में जिम्मेदारी लेना अच्छा लगता है। बुमराह ने न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में चार विकेट लेकर भारत की 96 रन से जीत में अहम भूमिका निभाई। इससे भारत टी20 विश्व कप में अपने खिताब का बचाव करने और तीन बार यह ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई।

बीसीसीआई के वार्षिक पुरस्कार समारोह में गिल का 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना जाना तय

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का 15 मार्च को यहां होने वाले बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) के वार्षिक पुरस्कार समारोह में 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुना जाना तय है। इस 26 वर्षीय खिलाड़ी को हाल में विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली टी-20 टीम में नहीं चुना गया था, लेकिन उन्होंने अन्य दो प्रारूपों में शानदार प्रदर्शन किया। गिल ने 2025 में टेस्ट मैचों में 70 से अधिक के औसत से 983 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर ड्रॉ रही श्रृंखला में बनाए गए 754 रन भी शामिल हैं। गिल ने चैंपियंस ट्रॉफी वनडे टूर्नामेंट में भी भारत को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। गिल ने कुल मिलाकर तीनों प्रारूपों में 49 के औसत से 1,764 रन बनाए, जिसमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें बुमराह ने कहा मैं पर्दे के पीछे नहीं रहना चाहता हूं। मैं हमेशा सक्रिय रूप से भाग लेना चाहता हूं। मुझे शुरू से ही चुनौतियां पसंद हैं। बुमराह को फाइनल में शानदार प्रदर्शन करने के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया था। उन्होंने कहा मैंने क्रिकेट इसी मकसद से खेला है। मैंने क्रिकेट खेलना इसी मकसद से शुरू किया था। जब मैं कुछ बदलाव लाता हूं तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। इससे बेहतर कोई अहसास नहीं है। गुजरात में जन्में इस तेज गेंदबाज के लिए यह जीत भावनात्मक रूप से और भी महत्वपूर्ण थी क्योंकि यह जीत उसी स्थान पर मिली जहां से उनके क्रिकेट करियर की शुरुआत हुई थी। बुमराह ने कहा मैंने यहीं से क्रिकेट खेलना शुरू किया। मैंने अपना अधिकतर क्रिकेट यहीं खेला है। मैं यहीं गुजरात के लिए खेलते हुए आगे बढ़ा। यहीं विश्व कप जीता और मैन ऑफ द मैच बना। पिछली बार (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे विश्व कप 2023 का फाइनल) हम बस थोड़ा सा चूक गए थे, लेकिन इस बार जीत हासिल करने में सफल रहे। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं। बुमराह ने खिताबी जीत के दौरान अपने परिवार की मौजूदगी के बारे में भी बात की और उस पल को बेहद निजी बताया। उन्होंने कहा मेरा बेटा आया था। मेरी पिछली बार भी आया था। मेरी मां भी आई थीं, यह वाकई खास था। बुमराह ने कहा मुझे नहीं पता कि यह पूरा चक्र है या नहीं, लेकिन मैं सचमुच बहुत खुश हूं।

भारतीय क्रिकेट के लिए आगामी 12 महीने अतिव्यस्त

कई देशों के टूर के अलावा आईपीएल व एशियन गेम्स का भी आयोजन

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम का अगले 12 महीनों का कार्यक्रम बेहद व्यस्त रहेगा। इसमें आयरलैंड, श्रीलंका और जिम्बाब्वे में मैच के अलावा, एशियन गेम्स, इंग्लैंड, अमेरिका, बंगलादेश, जापान और आईपीएल जैसे घरेलू मुकाबले भी शामिल हैं।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली टीम जुलाई-अगस्त में श्रीलंका में तीन टी-20 मैच खेल सकती है, इसके अलावा आगामी कार्यक्रम में पहले दो टेस्ट मैच शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की प्रतिक्रिया पर विचार कर रहा है कि श्रीलंका में बाढ़ राहत के लिए फंड जुटाने के लिए तीन टी-20 मैच का कार्यक्रम है। टी-20 मैच और दो टेस्ट मैचों से पहले होने की संभावना है।

श्रीलंका टूर से पहले भारत एक से 19 जुलाई के बीच तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 मैच के लिए इंग्लैंड जाएगा और रास्ते में आयरलैंड में थोड़ा रुक सकता है। डबलिन में तीन मैचों की सीरीज को लेकर बातचीत चल रही है। एक सूत्र ने कहा बातचीत चल रही है। और भरोसा जताया कि सीरीज हो जाएगी। बीसीसीआई ने पहले भी सीआई को (2018, 2022 और 2023 में) डबलिन में छोटी सीरीज के लिए सहयोग किया है। अगर बातचीत कामयाब होती है, तो गेम जून के आखिरी हफ्ते में, इंग्लैंड टूर से पहले और अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद निर्धारित किए जा सकते हैं, जो दस से 20 जून के बीच एक टेस्ट और तीन एकदिवसीय खेलने वाले हैं। श्रीलंका सीरीज के बाद बीसीसीआई को शेड्यूलिंग में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। सितंबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज होनी है, जो इंडियन क्रिकेट के लिए पहले से ही एक व्यस्त महीना है। बंगलादेश के छह सफेद गेंद मैच - तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 के लिए दौरे की भी घोषणा की गई है।

यह सीरीज, दोनों देशों के बीच हाल के डिप्लोमैटिक तनाव को देखते हुए भारत सरकार से मंजूरी मिलने पर ही होगी। इस बीच, तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए जिम्बाब्वे के एक छोटे दौरे की भी बात हो रही है। हालांकि अभी तक कुछ भी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन यह दौरा सितंबर में हो सकता है, लगभग उसी समय जब वेस्ट इंडीज तीन एकदिवसीय और पांच टी-20 के लिए भारत का दौरा करने वाला है। वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ मैचों की सीरीज के अक्टूबर तक चलने की उम्मीद है। इसी बीच 2026 एशियन गेम्स भी है, जो 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान के नागोया में होने हैं। गेम्स में क्रिकेट प्रतियोगिता टी-20 प्रारूप में खेली जायेगी और भारतीय डिफेंडिंग गोल्ड मेडलिस्ट है। पुरुष मैच 25 सितंबर से तीन अक्टूबर तक चलेंगे, जिससे टी-20 स्क्वॉड के जापान में खेलने की संभावना बढ़ गई है, जबकि एक एकदिवसीय टीम उसी समय वेस्टइंडीज से खेलेगी। इसके बाद भारतीय टीम के 18 अक्टूबर को न्यूजीलैंड पहुंचने की उम्मीद है, जहां वह पांच एकदिवसीय, पांच टी-20 और दो टेस्ट के पूरे टूर पर जाएगा। ऐसा समझा जाता है कि बीसीसीआई और न्यूजीलैंड क्रिकेट हाल ही में एकदिवसीय की संख्या तीन से बढ़ाकर पांच करने पर सहमत हुए हैं। दो टेस्ट 10 सफेद गेंद मैचों के बाद होंगे, जिनमें से पहला 22 अक्टूबर से शुरू होगा। भारत के दिसंबर के पहले हफ्ते में न्यूजीलैंड से घर लौटने की उम्मीद है, जब वे श्रीलंका के खिलाफ घर पर तीन एकदिवसीय और तीन टी-20 मैच खेलेंगे। इसके बाद जनवरी-फरवरी 2027 में भारत में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जाएगी।

बीसीसीआई ने आईपीएल में अभ्यास सत्र के नए दिशा-निर्देश जारी किए

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अभ्यास सत्र के लिए नये दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा है कि कोई भी टीम उस पिच पर अभ्यास नहीं कर सकती जिसका इस्तेमाल दूसरी टीम ने अपने नेट सत्र के दौरान किया हो। बीसीसीआई की ओर से फ्रेंचाइजी के साथ साझा की गई प्रैक्टिस-सेशन गाइडलाइंस के अनुसार, अगर एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है, तो नए नेट तैयार करने होंगे। पांच पेज की गाइडलाइंस में कहा गया है हर टीम को उनके तय प्रैक्टिस सेशन के लिए नए नेट दिए जाने चाहिए। अगर एक साथ प्रैक्टिस सेशन होते हैं या जब एक टीम दूसरी के बाद प्रैक्टिस करती है, तो पहली टीम को दूसरी टीम के नेट इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। अगर एक टीम प्रैक्टिस जल्दी खत्म कर लेती है, तो दूसरी टीम को उनके रेंज-हिटिंग विकेट इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि अगर कोई टीम लाइट में अभ्यास मैच खेलना चाहती है, तो मैच साढ़े तीन घंटे से अधिक नहीं चलना चाहिए। टीमों को बीसीसीआई से पहले से इजाजत लेकर अधिक से अधिक दो अभ्यास मैच खेलने की इजाजत होगी और यह मेन स्क्वायर के किसी एक साइड विकेट पर होगा। उन्होंने कहा है कि मेन पिच पर अभ्यास मैच नहीं खेला जा सकता। सीजन के लिए पिच तैयार करने के लिए, संबंधित फ्रेंचाइजी के सीजन के पहले होम मैच से पहले के चार दिनों में मेन चौक पर कोई अभ्यास सत्र या अभ्यास मैच नहीं खेला जा सकता है। उन्होंने कहा, "इस दौरान, अगर घरेलू फ्रैंचाइजी कहती है, तो स्टेट एसोसिएशन को फ्रैंचाइजी को बिना किसी खर्च के एक दूसरा अभ्यास मैदान उपलब्ध कराना चाहिए। घरेलू टीम को विजिटिंग साइड पर प्रिफरेंस मिलेगी। हालांकि होम टीम को पसंदीदा सेशन की पहली चॉइस मिलनी चाहिए, लेकिन अवे टीम की रिक्वेस्ट पर ध्यान दिया जाएगा, खासकर अगर उसने पिछले दिन कोई मैच खेला हो और मेहमान टीम के ट्रैवल अरेंजमेंट को ध्यान में रखते हुए। अभ्यास सत्र को लेकर टकराव होने पर बीसीसीआई दखल देगा। अगर होम और मेहमान टीमें एक ही समय पर अभ्यास करना चाहें, तो बीसीसीआई दोनों टीम मैनेजर से डबल बुकिंग को सुलझाने की कोशिश करने के लिए कहेगा - या तो कोई एक टीम दूसरा सेशन ले या दोनों टीमें सत्र साझा करें।

चिन्नास्वामी स्टेडियम को निरीक्षण के बाद मिलेगी मंजूरी

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार की विशेषज्ञ समिति के 13 मार्च को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम का निरीक्षण के बाद मिलने वाली अंतिम मंजूरी के उपरांत इस मैदान पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के मैच खेले जा सकेंगे।

इससे पहले इस महीने की शुरुआत में आईपीएल सहित सभी मैचों के आयोजन के लिए जो मंजूरी दी गई थी, वह 'सशर्त' थी। हालांकि कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) को भरोसा है कि आईपीएल मैचों की मेजबानी में कोई रुकावट नहीं आएगी।

केएससीए, चिन्नास्वामी स्टेडियम का नवीनीकरण कर रहा है, जिसमें कई नए एंट्री गेट लगाना और कई मौजूदा गेटों को चौड़ा कराना शामिल है। इस काम में आसपास के ढांचे को भी अपग्रेड किया जा रहा है, जैसे- नए वॉकवे बनाना, पुराने नेशनल क्रिकेट एकेडमी परिसर के पास एक होल्डिंग एरिया बनाना और आपातकालीन सेवाओं के लिए सीधे प्रवेश और निकास रास्ते तैयार करना शामिल है। जस्टिस डी' कुन्हा समिति की सिफारिशों के अनुसार केएससीए के पास 15 मार्च तक इस 'शॉर्ट-टर्म' सुधार से जुड़े सभी काम पूरे करने का समय है।

रियल मैड्रिड की मैनचेस्टर सिटी पर आसान जीत

मैड्रिड, एजेंसी

चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट की दो दिग्गज टीमों के बीच हुई टक्कर

फेडेरिको वाल्वरडे की शानदार हैट्रिक की मदद से रियल मैड्रिड ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट की दो दिग्गज टीमों के बीच खेले गए अंतिम 16 के पहले चरण के मुकाबले में मैनचेस्टर सिटी को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए अपनी स्थिति मजबूत कर ली।

वाल्वरडे ने बर्नबेउ में खेले गए मैच के पहले हाफ में 20वें, 27वें और 42वें मिनट में गोल किए। उरुग्वे के इस अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी ने चोटिल होने के कारण नहीं खेल पाने वाले किलियन एमबाप्पे, जूड बेलिंगहैम और रोड्रिगो की अनुपस्थिति में रिकॉर्ड 15 बार के चैंपियन रियाल मैड्रिड की जिम्मेदारी बखूबी संभाली। रियल मैड्रिड के कोच अल्वारो अर्बेलोआ ने ब्रॉडकास्टर मोविस्टार से कहा हम रियल मैड्रिड हैं। हमें कभी चुका हुआ समझने की गलती नहीं करें। यह जीत और भी शानदार हो सकती थी, लेकिन विनीसियस जूनियर दूसरे हाफ में पेनल्टी को गोल में नहीं बदल पाए। उनके शॉट को जियानलुइगी डोनारुम्मा ने बचा लिया।

मुकाबला

कॉनकाकैफ चैंपियंस कप राउंड ऑफ 16 सॉकर मैच के पहले लैग में नैशविले एससी के डिफेंडर मैक्सवेल वोलेजी (3) के खिलाफ फुटबॉल को आगे बढ़ाते इंटर मियामी फॉरवर्ड लियोनेल मेसी। • एजेंसी

जैक ड्रेपर ने जोकोविच को हराया

इंडियन वेल्स (अमेरिका), एजेंसी

मौजूदा चैंपियन जैक ड्रेपर ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करके बीएनपी पारिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट के चौथे दौर में पांच बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच को 4-6, 6-4, 7-6 (5) से हराया। हाथ की चोट के कारण आठ महीने तक बाहर रहने के बाद वापसी करने वाले 24 वर्षीय ड्रेपर इस जीत से क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं जहां उनका मुकाबला दानिल मेदवेदेव से होगा।

नोवाक जोकोविच व जैक ड्रेपर। • एजेंसी

मेदवेदेव ने एक अन्य मैच में एलेक्स मिशेलसन को 6-2, 6-4 से पराजित किया। तीसरे सेट में जोकोविच 6-5 से आगे थे, लेकिन वह इसका फायदा नहीं उठा पाए और ड्रेपर ने वापसी करते हुए मैच को टाइब्रेकर तक पहुंचा दिया। ड्रेपर ने मैच के बाद कहा मुझे अब भी ऐसा नहीं लगता कि मैं उस तरह से खेल रहा हूं जैसा मैं खेलना चाहता हूं। लेकिन मैं अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

भांबरी पहली बार एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में

इंडियन वेल्स (अमेरिका)। भारत के युकी भांबरी ने स्वीडन के अपने साथी गोरान गोरानसन के साथ मिलकर सीधे सेटों में जीत दर्ज करके बीएनपी परिबास इंडियन वेल्स ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। यह पहला अवसर है जबकि भांबरी किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह दो बार मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके थे। भांबरी और गोरानसन ने क्वार्टर फाइनल में ऑस्ट्रिया के एलेक्जेंडर एरलर और इटली के एंड्रिया वावस्सोरी को सीधे सेटों में 6-3, 7-6 से हराया।

हल्द्वानी के प्राकृतिक नजारों ने श्रीलंकाई क्रिकेटर तिलकरत्ने दिलशान को लुभाया

पवन सिंह कुंवर, हल्द्वानी

अमृत विचार। श्रीलंका क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और विस्फोटक सलामी बल्लेबाज तिलकरत्ने दिलशान इन दिनों हल्द्वानी के गौलापार अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) में प्रतिभाग कर रहे हैं। अपने आक्रामक खेल और विश्वप्रसिद्ध 'दिलस्कूप' शॉट के लिए जाने जाने वाले दिलशान ने गुरवार को स्टेडियम और उसके आसपास के क्षेत्र का दौरा कर यहां के प्राकृतिक सौंदर्य व वातावरण की खुलकर सराहना की।

• गौलापार स्टेडियम में लीजेंड्स लीग क्रिकेट में पहुंचे

• कहा-प्रकृति की गोद में बना स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए आदर्श

प्राकृतिक नजारों को देखकर प्रभावित हुए दिलशान ने कहा कि उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में आकर उन्हें बेहद सुकून और सकारात्मक ऊर्जा का अनुभव हो रहा है। यहां की स्वच्छ हवा, हरियाली और शांत वातावरण उन्हें बहुत अच्छा लग रहा है।

उन्होंने स्टेडियम के समीप बह रही गौला नदी की ओर इशारा करते हुए कहा कि यदि नदी का बहता पानी और स्टेडियम का दृश्य एक साथ दिखाई दे तो यह नजारा और भी अद्भुत बन सकता है। प्राकृतिक सुंदरता के बीच स्थित ऐसा स्टेडियम खिलाड़ियों के लिए आदर्श और प्रेरणादायक माहौल तैयार कर सकता है। श्रीलंकाई दिग्गज खिलाड़ी ने यह भी कहा कि उत्तराखंड की धरती खेल प्रतिभाओं के लिए बहुत संभावनाएं रखती है। यहां का वातावरण खिलाड़ियों को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत बनाने में मदद कर सकता है।

शानदार

भारतीय भाला फेंक एथलीट ने 69.25 मीटर थो कर शीर्ष स्थान हासिल किया

सुमित अंतिल ने विश्व पैरा एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

पैरालंपिक खेलों में दो बार के स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक एथलीट सुमित अंतिल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बृहस्पतिवार को यहां विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री में शीर्ष पोडियम स्थान हासिल किया। दिन की मुख्य स्पर्धा निश्चित रूप से पुरुषों की भाला फेंक (एफ43, एफ44, एफ64) स्पर्धा थी जिसमें टोक्यो और पेरिस पैरालंपिक में लगातार दो स्वर्ण पदक जीतने वाले अंतिल ने 69.25 मीटर के थ्रो के साथ शीर्ष स्थान हासिल करके भारतीय टीम की अगुआई की। पुष्पेंद्र सिंह ने 56.91 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता जबकि पूनम राम ने 49.48 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता।

भारत 54 स्वर्ण सहित 167 पदक जीतकर शीर्ष पर बना हुआ है जबकि रूस 11 स्वर्ण से 23 पदक जीतकर दूसरे स्थान पर है।

• पुष्पेंद्र सिंह ने 56.91 मीटर के थ्रो के साथ रजत व पूनम राम ने 49.48 मीटर के प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता

भारत ने पुरुषों की 400 मीटर टी13 स्पर्धा में भी दबदबा बनाया जिसमें सुबोध भट्ट ने 51.88 सेकंड में स्वर्ण जीता। उनके बाद प्रियांशु कौशिक (53.19 सेकंड) और अवनिल कुमार (56.91 सेकंड) रहे। पुरुषों की 400 मीटर टी46-टी47 स्पर्धा में भाविककुमार दीन भरवाड़ ने 49.89 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीता जबकि साथी भारतीय जसबीर 50.09 सेकंड के साथ रजत पदक जीतने में उनके ठीक पीछे रहे।

सर्बिया के इवान क्वेतकोविक ने 50.93 सेकंड के साथ कांस्य पदक जीता। भारत ने पुरुषों की 400 मीटर टी53-टी54 स्पर्धा की व्हीलचेयर वर्ग में अपना दबदबा बनाए रखा जिसमें मनोजकुमार सबपति ने 54.33 सेकंड में स्वर्ण, अनिल कुमार ने 57.57 सेकंड में रजत और मणिकंदन जोथी ने 1:01.94 के समय के साथ कांस्य पदक जीता। महिलाओं की स्पर्धा में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया।

400 मीटर टी11-टी12 स्पर्धा में तेजलबेन अमराजी डामोर ने 57.53 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण जीता। ललिता किलाका ने 1:07.92 के समय के साथ रजत और शालिनी चौधरी ने 1:16.79 के समय के साथ कांस्य के साथ कांस्य पदक जीता। इससे भारत ने एक और पोडियम स्वीप पूरा किया। लक्ष्मी ने महिलाओं की चक्का फेंक एफ36-एफ37-एफ40 स्पर्धा में 7.76 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण जीता जबकि अकुताई सीताराम उलभगत ने 5.49 मीटर के साथ रजत और भूटान की चिमी डेमा ने 5.27 मीटर के साथ कांस्य पदक जीता।

सुमित अंतिल।